हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 13 सितंबर 2026

तरकश

संजय के दीक्षित

ईडी के राडार पर कई आईएएस

करीब पांच हजार करोड़ के कोयला, आबकारी और डीएमएफ घोटाले में ईडी ने नौकरशाहों पर फिर शिकंजा बढ़ा दिया है। पता चला है, एक पूर्व मुख्य सचिव समेत छह आईएएस अधिकारियों को ईडी ने रायपुर के सुभाष स्टेडियम स्थित कार्यालय में बुलाकर तीन दिन तक कड़ी पूछताछ की है। इन अधिकारियों का इन मामलों में कोई कनेक्शन है या नहीं, ये जांच में पता चलेगा मगर ईडी ने टेंशन तो बढा ही दिया है। वैसे, बताते हैं इन घोटालों की जांच में ईडी को कुछ व्हाट्सएप चेट मिले हैं, इसके बाद ईडी ने जांच का दायरा बढ़ाया है। मगर मिलियन डॉलर का सवाल है...आखिर ऐसा क्या हुआ, जब सारे मामले पुराने और ठंडे पड़ते जा रहे थे, तब ईडी ने फिर से इंवेस्टिगेशन की फाईलें फिर से ओपन कर दी है...वो भी सभी एक साथ।

और गिरफ्तारियां?

ईडी ने पीएससी घोटाले में टामन सिंह सोनवानी के बाद एडिशनल कलेक्टर चेतन बोरघरिया को गिरफ्तार किया है। हालांकि, टामन सिंह पहले से जेल में हैं। सीबीआई ने उन्हें अरेस्ट किया था। सो, ईडी की अरेस्टिंग औपचारिक थी। खैर पता चला है, पीएससी घोटाले में ईडी कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां करने वाली है। बताते हैं, राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी चेतन की कोई रिश्तेदार पीएससी के जरिये एसीएफ याने सहायक वन संरक्षक बन गई है, उसमें कुछ क्लू ईडी को मिले हैं। बता दें, चेतन पूर्व मुख्यमंत्री के ओएसडी रहे। हालांकि, 2022 में उनके कुछ कारनामों की वजह से पिछली सरकार ने सीएम हाउस से खो कर मंत्रालय में अवर सचिव बनाकर शंट कर दिया था। फिर भी पुराने संपर्कों से कुछ बड़ा कर डाला।

जय तुकाराम

महाराष्ट्र के फूड एंड ड्रग कंट्रोलर तुकाराम मुंडे ने बता दिया है कि आईएएस अगर ट्रांसफर, पोस्टिंग की परवाह छोड़ दें तो कुछ भी कर सकता है। तुकाराम ने मुंबई के ऐसे स्टार रेस्टोरेंटों को निशाने पर लिया, जिन्हें कोई टच नहीं कर सकता था। अब बात छत्तीसगढ़ की। छत्तीसगढ़ में फूड एंड ड्रग कंट्रोलर कौन हैं? पीएससी के किस चर्चित बैच के हैं? और इस समय कहां हैं...? इससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि इस समय इस डिपार्टमेंट को चला रहा, इंद्रावती भवन में बैठा क्लास थ्री का एक मुलाजिम। कुल मिलाकर फूड एंड ड्रग फिक्सिंग का डिपार्टमेंट बनकर रह गया है। लेब में किसका सेंपल पास और किसका फेल...यह सब 'मनीराम' पर निर्भर करता है। 'मनीराम' मिल गया तो सेंपल पास, नहीं मिला तो फिर गए काम से। मुंबई वाले तुकाराम बड़े-बड़े लोगों को निबटा रहे तो छत्तीसगढ़ में...? आखिर, बड़े प्रतिष्ठानों पर एक्शन क्यों नहीं? पान मसालों में कई खतरनाक चीजें मिलाई जाती है, मगर उसका कभी सेंपल क्यों नहीं। आखिर मेडिकल स्टोर्स की कभी जांच क्यों नहीं होती? 4000 हजार में दवा दुकान का लायसेंस बन जाता है, उसके बाद साल का दुकान की साइज से पांच से 25 हजार रुपए तय...इसके बाद कुछ भी बेचो, आपके मेडिकल शॉप में कोई झांकने नहीं आएगा। बता दें, इस विभाग को जानमाल की सुरक्षा के लिए बनाया गया था। उद्देश्य बड़ा पवित्र था...मिलावटी खाद्य पदार्थों की जांच कर लोगों को गंभीर बीमारियों से बचाया जाए। मगर पिछले ढाई-तीन दशक से यह विभाग छत्तीसगढ़ में सिर्फ और सिर्फ डॉक्टरों और दवा दुकानों की संख्या बढ़ाने का काम कर रहा। मिलावटी चीजें से ही सूबे में कैंसर के केसेज तेजी से बढ़े हैं। आलम यह है कि पिछले एक दशक में सिर्फ रायपुर में कैंसर के आधा दर्जन अस्पताल खुल गए। यद्यपि, इंटरेस्टिंग यह है कि मुंबई वाले तुकाराम की वजह से छत्तीसगढ़ में फूड एंड ड्रग डिपार्टमेंट में आमदनी इतनी बढ़ गई है कि अब इस विभाग के उपर से लेकर नीचे तक के मुलाजिम बोल रहे...जय तुकाराम।

भूपेश को झटका?

कांग्रेस हाई कमान ने भूपेश बघेल को चुनाव से पहले पंजाब के प्रभारी पद से हटा दिया। उनकी जगह सचिन पायलट को वहां की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भूपेश अब असम के प्रभारी होंगे। असम में इसी साल विधानसभा चुनाव हुआ है, और वहां अगले चार साल कुछ करने के लिए बचा नहीं है। बहरहाल, कांग्रेस नेतृत्व के इस फैसले से भूपेश को कितना झटका लगा है, ये तो नहीं पता मगर छत्तीसगढ़ में उनके विरोधी गुट के नेताओं का टेंशन जरूर बढ़ गया होगा। पंजाब में चूकि विधानसभा चुनाव का था, इसलिए प्रभारी की हैसियत से छह-सात महीने भूपेश पंजाब में व्यस्त रहते। मगर, वे इससे फ्री हो गए हैं। भूपेश के करीबी लोग पार्टी कार्यकर्ताओं को यही बता रहे...दाउ अब छत्तीसगढ़ में अपना पूरा फोकस बढ़ाएंगे। ऐसे में, कांग्रेस के लीडर परेशान होंगे।

20 विधायकों पर संकट

सरकार के ढाई बरस पूरे होने पर बीजेपी ने विधायकों के परफार्मेंस पर एक अंदरुनी सर्वे कराया है। इसके आउटकम चौंकाने वाले हैं। ढाई साल में ही 20 विधायकों की स्थिति बेहद खराब हो गई है। इन 20 विधायकों से न उनके विधानसभा इलाके के लोग खुश हैं और न ही पार्टी के कार्यकर्ता। इन 20 विस क्षेत्र में कामकाज की स्थिति भी सिफर है। कार्यकर्ताओं का फीडबैक है...चुनाव जीतने के बाद विधायक ठेकेदारों से घिर गए हैं। विधायक निधि के कार्य भी भाई, भतीजे करा रहे। इन पुअर परफार्मेंस वाले विधायकों में तीन मंत्री भी हैं। खैर, ये तो ढाई साल के सर्वे हैं। पार्टी के नेता भी मानते हैं...चार साल पूरे होने के बाद जो सर्वे होगा, विधायकों के रंग-ढंग को देखते...अगले चुनाव में 25-30 चेहरे बदलने पड़ेंगे।

सीजी के जस्टिस, बड़ी चुनौती

बिलासपुर हाई कोर्ट के जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस अपाइंट किया गया है। कॉलेजियम ने ऐसे समय पर उनके नाम की सिफारिश की, जब राजस्थान हाई कोर्ट में बवाल मचा था। कार्यवाहक चीफ जस्टिस और वकील आमने-सामने थे। वकीलों ने एक सितंबर से काम बंद करने का ऐलान कर दिया था। केसों के रोस्टर तय करने में मनमानी से शुरू हुआ विवाद कार्यवाहक सीजे को हटाने की मांग पर पहुंच गया था। सुप्रीम कोर्ट ने समय रहते इसे संज्ञान लिया...वकीलों की हड़ताल से 15 घंटे पहले कॉलेजियम ने जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाई कोर्ट की सीजे बना दिया। छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव की बात होगी। राजस्थान हाई कोर्ट की चुनौतीपूर्ण स्थिति में सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ के न्यायाधीश को वहां भेजने का फैसला किया। संजय के. अग्रवाल बिलासपुर जिले के रतनपुर के रहने वाले हैं। रतनपुर के सरकारी स्कूल में पढ़े। फिर बिलासपुर से कॉलेज किए। फिर जबलपुर हाई कोर्ट में प्रैक्टिस। नवंबर 2000 में अगल राज्य बनने पर बिलासपुर हाई कोर्ट आए। वे एडवोकेट जनरल रहे, फिर 48 साल की उम्र में हाई कोर्ट जज बन गए। वे दीगर राज्यों के हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बनने वाले तीसरे जज होंगे। उनसे पहले प्रशांत मिश्रा आंध्रप्रदेश, मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव सिक्किम के चीफ जस्टिस रह चुके हैं।

कंसलटेंट कल्चर और खतरे

छत्तीसगढ़ में मंत्रालय समेत विभिन्न सरकारी बोर्ड और कारपोरेशनों में इन दिनों कंसलटेंट कल्चर तेजी से हॉवी होता जा रहा। लाख रुपए से लेकर पांच-पांच लाख रुपए मासिक पगार पर ढेरों की संख्या में विभागों में सलाहकारों की नियुक्ति की जा रही है। यह तब नहीं हुआ, जब नवंबर 2000 से लेकर 2015-16 तक आईएएस अफसरों की काफी कमी रही। हेवी पैकेज वाले सलाहकारों की जरूरत तब पड़ रही, जब सिर्फ मंत्रालय में सचिवों की संख्या 50 से अधिक हो गई है। खासतौर से मंत्रालय में कॉरपोरेट ड्रेस वालों की बाढ़ जैसी आ गई है। सिस्टम को कंसलटेंस का लिमिटेशन तय करना चाहिए। असल में, पर्सनल इंटरेस्ट से कुछ ब्यूरोक्रेट्स ही कंसलटेंसी को पोषित और पल्लवित कर रहे हैं, मगर इसके नुकसान को भी कैलकुलेट करना चाहिए। जाहिर है, सरकार के भीतर कंसलटेंट कल्चर पर इंफोसिस के सह-संस्थापक गोपालकृष्णन भी चिंता व्यक्त कर चुके हैं। उनका मानना है कि सरकार द्वारा नीति निर्माण और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में बाहरी कंसल्टेंट्स पर अत्यधिक निर्भरता नौकरशाही के कौशल और क्षमता को कमजोर कर सकती है। बात सही है भी है। कंसलटेंसी में जवाबदेही का अभाव रहता है। बाहरी कंसल्टेंट्स अक्सर सुझाव, सलाह देकर चले जाते हैं। लेकिन उसके फेल होने पर उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं होती। कंसलटेंट से सरकारी गोपनीयता की भी अपेक्षा नहीं की जा सकती। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी में यही तो हुआ। वहां 95 परसेंट से अधिक कंसलटेंसी वाले लोग हैं। नीट पेपर लीक होने पर जांच रिपोर्ट में भी ये बात सामने आई है कि एनटीए को कंसलटेंसी से मुक्त करना चाहिए।

तू डाल-डाल, मैं पात-पात

सरकार ने आम आदमी की दिक्कतों को समझते हुए जमीन, संपत्ति की रजिस्ट्री के साथ ही आटोमेटिक नामंतरण की सुविधा प्रारंभ की तो राजस्व विभाग ने इसका भी तोड़ निकाल लिया। पहले छोटे प्लॉटों के नामंतरण का रेट 10 हजार तय था। एक दिन में पांच भी आए तो एसडीएम, तहसीलदार रोज सिर्फ नामंतरण से 50 हजार रुपए लेकर घर जाते थे। अब जब से आटोमेटिक नामंतरण हुआ, उसके बाद राजस्व अधिकारियों ने नया आईडिया निकाला है। खासकर बड़े मामलों में अपने लोगों से कंप्लेन करा जमीन को विवादित बना दो। वो इसलिए कि सरकार ने एक क्लॉज छोड़कर रखा है कि विवादित जमीन का नामंतरण आटोमेटिक नहीं होगा। बहरहाल, इस नए आईडिया से राजस्व विभाग को फायदा यह हुआ कि अभी 10-10 हजार का चिल्हर नहीं गिनना पड़ रहा। दिन में एकाध भी ऐसा केस क्रियेट हो गया तो अब एक मुश्त पेटी पहुंच जा रहा।

कलेक्टर बड़ा या एसडीएम या पैसा?

छत्तीसगढ़ के कलेक्टरों ने जमीन की बिक्री पर रोक लगा, और फिर उसे खोलने का खेला कर अरबों रुपए कमाए होंगे और कमा रहे भी हैं। मगर कुछ जिलों में अब यही काम एसडीएम और तहसीलदारों ने शुरू कर दिया है। जबकि, भू-राजस्व संहिता में तहसीलदारों और एसडीएम को ये पावर नहीं है। देश के किसी भी राज्य में ऐसी अराजकता नहीं। मगर छत्तीसगढ़ में व्यापक स्तर पर यह खेल हो रहा...कलेक्टर्स तो कर रही रहे, पैसे के लिए एसडीएम भी जमीनों की बिक्री पर रोक लगा दे रहे। हालांकि, कोर्ट में इस रोक का कोई महत्व नहीं। मगर जमीन के बड़े काम करने वाले या फिर आम आदमी कोर्ट-कचहरी करना नहीं चाहता। सो, एसडीएम को चढ़ावा चढ़ा बैन हटवा लेता है। सरकार को इसकी जांच करानी चाहिए कि कितने कलेक्टरों और एसडीएम ने जमीनों की बिक्री पर क्यों बैन लगाया, और कुछ ही महीने बाद उसे फिर ओपन कैसे कर दिया...? बड़ा स्कैम उजागर होगा।

संगठन इग्नोर क्यों?

छत्तीसगढ़ में पिछले आठ महीने से बीजेपी के प्रदेश प्रभारी का पद खाली है। नितिन नबीन 27 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे, उसके बाद यहां कोई नियुक्ति नहीं हुई। संगठन मंत्री पवन साय का पिछले छह महीने से प्रमोशन की हवा उड़ी हुई है। वे अपग्रेड होकर क्षेत्रीय संगठन मंत्री बनने वाले हैं। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव महीने भर से अधिक समय से अस्वस्थ चल रहे। सामने तीन नगर निगमों का चुनाव है। सरकार के ढाई साल होने के बाद कांग्रेस हमलावर होती जा रही। सिंहदेव की जगह कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने की अटकलें तेज थी, मगर पार्टी ने उस पर भी अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। कार्यकर्ताओं के नाखुश होने की ये भी एक बड़ी वजह है। क्योंकि, बड़े नेताओं के अपने काम तो हो जा रहे, छोटे कार्यकर्ता जाते हैं, तो फिर टरका दिया जाता है...मेरा कोई सुन नहीं रहा। इससे पार्टी ही नहीं, सरकार के प्रति परसेप्शन पर भी असर पड़ रहा।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. छत्तीसगढ़ के 98 परसेंट विभागों में जब ट्रांसफर, पोस्टिंग के लिए खुली बोली लग रही है...ऐसे में उनसे डेवलपमेंट की उम्मीद रखनी चाहिए क्या?
2. वे कौन से मंत्री है, जिनके एजेंट खुला खेल करके संघ से लेकर दिल्ली तक को बदनाम कर रहे हैं?

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

गांजा, हरिभूमि की पड़ताल में कई जिलों में खुलेआम बिक्री

बड़ा सवाल- गांजा तस्करी की चेन क्यों नहीं टूट रही...

हर साल हजारों किलो की जब्ती, फिर भी गलियों तक पहुंच रहा

- केवल ट्रक और ड्राइवर-कंडक्टर ही पकड़े जाते हैं, उसके बाद की कड़ी नहीं टूटती
- रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर में टीम हरिभूमि ने खरीदा आसानी से गांजा
- दुर्ग में बच्चों के हाथ में पुड़िया, रायपुर में सड़क पर सौदा

रायपुर- ललित राठोड़, धमतरी-दिलीप देवांगन, भिलाई-जेएम तांडी की विशेष रिपोर्ट

छत्तीसगढ़ में गांजा तस्करी के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। कहीं ट्रक से गांजा पकड़ा जाता है, कहीं कार से, कहीं दोपहिया वाहन से। बस और ट्रेन से भी गांजा जब्त होना आम बात हो गई है। पुलिस बरामद गांजे का वजन और उसकी बाजार कीमत बताती है। तस्कर, गाड़ियों के ड्राइवर और कंडक्टर गिरफ्तार होते हैं, पुलिस ▶▶| शेष पेज 6 पर

रायपुरः बदला गांजा तस्करों का तरीका अब ठिकाना बदलकर हो रही बिक्री

रायपुर में पुलिस की सख्ती का असर जरूर दिखता है लेकिन तस्करों ने धंधा बंद नहीं किया है। कानूनी शिकंजे से बचने के लिए गांजा बेचने का तरीका बदल दिया है। पहले जहां एक ही जगह पर गांजा बेचने का काम होता था, अब तस्करों ने शहर में कई नए ठिकाने बना लिए हैं। हर ग्राहक को एक ही जगह ▶▶| शेष पेज 6 पर

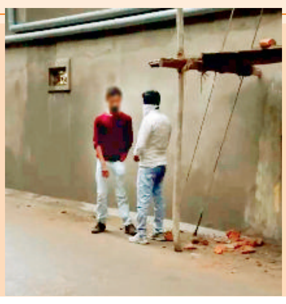

केस 01

कुकुरबेड़ा में पुराने ठिकाने से मिला नए ठिकाने का सुराग

हरिभूमि की टीम जब कुकुरबेड़ा पहुंची, तो उस पुराने स्थान पर पड़ताल की गई, जहां पहले पुलिस कार्रवाई कर चुकी है। गांजे की पुड़िया के संबंध में जानकारी लेने पर वहां मौजूद एक युवक ने बताया कि गांजा लेने के लिए स्कूल की ओर जाना होगा। ▶▶| शेष पेज 6 पर

सवाल सिर्फ जब्ती का नहीं

यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर गांजा तस्करी की वह चेन क्यों नहीं टूट रही, जिसके चलते एक खेप पकड़े जाने के बाद दूसरी खेप बाजार तक पहुंच जाती है? पुलिस ट्रक, वाहन और ड्राइवर-कंडक्टर को पकड़ लेती है, लेकिन क्या जांच वहां से आगे बढ़कर उस व्यक्ति तक पहुंचती है, जिसने गांजा भेजा? उस सप्लायर तक, जिसने माल उपलब्ध कराया? उस व्यक्ति तक, जिसे गांजा पहुंचना था? और उस नेटवर्क तक, जो इस पूरे कारोबार के लिए पैसा और बाजार उपलब्ध करा रहा है? अगर बड़ी खेप पकड़ने के बाद भी शहर की गलियों ▶▶| शेष पेज 6 पर

दुर्ग-भिलाई : कालेज, स्कूल और पॉश कालोनी बड़ा अड्डा

टीम हरिभूमि ने गांजा तस्करों के बारे में पड़ताल की। पता चला कि गिरधारी नगर, गंजपारा, मोहन नगर, खुर्सीपार, पाटन, नेवई, कुम्हारी, पद्मनाभपुर क्षेत्र में गांजा का बड़ा अवैध कारोबार चल रहा है। टीम हरिभूमि गंजपारा पहुंची। वहां कुछ युवक, जिनमें कुछ नाबालिग भी थे, सीढ़ियों पर बैठे थे। वहां गांजा बेचा जा रहा था। उनसे पूछताछ करने पर उन्होंने जेब से गांजा निकालकर दिया। दूसरे इलाकों में भी सौ-सौ रुपए में गांजा बेचने की पुष्टि हुई। ▶▶| शेष पेज 6 पर

> *पुलिस ने हाइड्रोपोनिक गांजा तस्करों को पकड़ा था। एनडीपीएस के मामलों में पुलिस ने टीम बनाई है। दबिश देकर पुलिस ने कई कार्रवाई किया है। जिले से नशे को पूरी तरफ खत्म किया जाएगा। टास्क फोर्स भी बनाया गया है।*
>
> *विजय अग्रवाल, एसएसपी दुर्ग*

गांजा के गोरखधंधे में नाबालिगों की एंट्री

धमतरी। मादक पदार्थ गांजा के खिलाफ लगातार हो रही कार्रवाई के बावजूद शहर के विभिन्न वार्डों में गांजा की बिक्री हो रही है। हालांकि घरों में खुलेआम बिक रहे इस मादक पदार्थ पर लगाम लगी है लेकिन इस गोरखधंधे में नाबालिग युवकों का सहारा लिया जा रहा है। शहर के दानीटोला, मकेश्वर वार्ड, रिसाईपारा, हटकेशर, शीतलापारा वार्ड के ▶▶| शेष पेज 6 पर

ब्रिक्स सम्मेलन की हुई शुरुआत साझा बयान में पहलगाम हमले की निंदा

आतंकवाद पर ब्रिक्स का कड़ा संदेश न मकसद चलेगा और न पनाहगाह

ब्रिक्स में बॉन्डिंग की ताकतवर तस्वीर!

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हाथ थामे हुए एक तस्वीर पोस्ट की, जो तीनों नेताओं के बीच अच्छे संबंधों का संकेत है। तस्वीर में मोदी, पुतिन और शी के बीच खड़े दिख रहे हैं एवं तीनों नेता मुस्कुरा रहे हैं।

रूस और चीन समेत ब्रिक्स देशों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की है। देशों ने कहा कि आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ मिलकर कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही, आतंकियों तक पहुंचने वाली फंडिंग रोकने और उन्हें सुरक्षित ठिकाने देने वालों पर कार्रवाई करने पर भी सहमति बनी है। सीमा पार आतंकवाद, आतंकी फंडिंग और आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ साझा कार्रवाई का संकल्प दोहराया गया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने शनिवार को तब एक बड़ी कूटनीतिक सफलता हासिल की, जब ब्रिक्स द्वारा अंगीकार किए गए 'नयी दिल्ली घोषणापत्र' में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में अप्रैल 2025 में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की गई और देश-समर्थित सीमा-पार आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं की नीति अपनाने का आह्वान किया। 'लचीलेपन, नवोन्मेष, सहयोग और स्थिरता का निर्माण' शीर्षक वाले 45 पन्ने के इस व्यापक घोषणा-पत्र में वैश्विक आतंकवाद, अवैध वित्तीय लेन-देन, साइबर धोखाधड़ी और उभरते हुए सीमा-पार धोखाधड़ी नेटवर्क के ▶▶| शेष पेज 6 पर

आतंकवाद किसी भी रूप में मंजूर नहीं, ब्रिक्स की नई दिल्ली घोषणा

सबसे अहम बातें

- पहलगाम आतंकी हमले की निंदा : 22 अप्रैल 2025 के हमले की कड़ी निंदा, 26 लोगों की मौत का जिक्र।
- आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख : आतंकवाद के हर रूप और हर वजह की निंदा की गई।
- आतंकवाद को धर्म से न जोड़ें : आतंकवाद को किसी धर्म, राष्ट्रीयता या समुदाय से जोड़ने का विरोध।
- सीमा पार आतंकवाद पर कार्रवाई : आतंकवाद, उसकी फंडिंग और आतंकियों को ▶▶| शेष पेज 6 पर

सीमा पर शांति जरूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच शनिवार को द्विपक्षीय बैठक हुई। दोनों नेताओं ने भारत-चीन संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों नेताओं ने सहमति जताई कि सीमा पर शांति जरूरी है। मतभेदों को विवाद में नहीं बदलना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के संबंधों को तीन 'परस्पर' सिद्धांतों- आपसी सम्मान, आपसी संवेदनशीलता और आपसी हित से निर्देशित होना चाहिए। वहीं, इस बैठक के दौरान शी जिनपिंग ने कहा कि चीन ▶▶| शेष पेज 6 पर

वंतारा, माधुरी के साथ जीवन भर खड़ी रहेगी, चाहे उसका घर कहीं भी हो

कोल्हापुर। कोल्हापुर में महादेवी के नाम से जाने वाली और प्रिय माधुरी (हाथी) को 30 जुलाई

2025 को उच्चाधिकार प्राप्त समिति के निर्देशों के अनुपालन में जामनगर स्थित वंतारा लाया गया था। इन निर्देशों को माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय और

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी बरकरार रखा था। वंतारा ने उसकी कस्टडी की मांग नहीं की थी। उसे वहां लाया गया और उसकी देखभाल की गई, क्योंकि

ऐसा करने का निर्देश दिया गया था। हम कोल्हापुर में माधुरी को लेकर लोगों की गहरी भावनाओं को पूरी तरह समझते हैं। महाराष्ट्र सरकार, उसके अधिकारियों, हितधारकों और समुदाय के सदस्यों के साथ चर्चा के बाद, वंतारा ने 06 अगस्त 2025 को कहा था कि वह उन भावनाओं का सम्मान करता है और सक्षम प्राधिकारियों के निर्देशों का पालन करेगा। इसके बाद माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने संबंधित पक्षों को अपने दावे उच्चाधिकार प्राप्त समिति के समक्ष रखने का निर्देश दिया। पक्षों की सुनवाई करने, रिपोर्ट मंगाने और नंदानी स्थित सुविधा का निरीक्षण करने के बाद, उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने 09 सितंबर 2026 को एक कारणयुक्त आदेश पारित किया, जिसमें सख्त शर्तों के अधीन माधुरी को कोल्हापुर लौटने की अनुमति दी गई। इन शर्तों में शामिल है कि उसका उपयोग जुलूसों या किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाएगा, उसे चौबीसों घंटे देखभाल प्रदान की जाएगी और हर पखवाड़े उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया जाएगा। वंतारा उच्चाधिकार प्राप्त समिति के अधिकार का सम्मान करता है और उसके निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन करेगा। माधुरी के संबंध में हमारा रुख हमेशा पशु चिकित्सा विज्ञान और उसके कल्याण से निर्देशित रहा है। निरंतर पशु चिकित्सा देखभाल के माध्यम से उसकी स्थिति को स्थिर किया गया है, लेकिन उसकी पुरानी बीमारियां समाप्त नहीं हुई हैं। उसे अभी भी उचित देखभाल, सहायक उपचार एवं प्रबंधन तथा नियमित पशु चिकित्सा निगरानी की आवश्यकता है। माधुरी के कोल्हापुर लौटने के साथ हमारी जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती। वंतारा ने उसकी वापसी की प्रक्रिया में सहयोग करने के लिए यह सुनिश्चित करने में मदद की है कि उचित रहने की परिस्थितियां, पशु चिकित्सा संबंधी बुनियादी ढांचा, चिकित्सा उपकरण, दवाइयां और अन्य आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध हों। उच्चाधिकार प्राप्त समिति के निर्देशानुसार, वंतारा के पशु चिकित्सक हर पखवाड़े कोल्हापुर में माधुरी का चिकित्सकीय परीक्षण करने और अपनी रिपोर्ट सक्षम प्राधिकारियों को सौंपने जाएंगे। यह देखभाल की निरंतरता बनाए रखने और उसके कल्याण की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बारे में है, चाहे उसे कहीं भी रखा जाए। वंतारा ने नंदानी स्थित उस बाड़े और सुविधा पर भी काम किया है, जहां माधुरी अब लौट रही है। उपलब्ध बुनियादी ढांचे के भीतर उसके लिए सर्वोत्तम संभव व्यवस्थाएं की गई हैं। इस चरण में बुनियादी ढांचे में और सुधार नहीं किया जा सका, क्योंकि नगर नियोजन संबंधी बाधाओं के

कारण ट्रस्ट की भूमि से होकर गुजरने वाली सड़क ने विकास के लिए उपलब्ध भूमि को सीमित कर दिया है। माधुरी के वहां व्यवस्थित हो जाने के बाद, वंतारा सुविधा के उन्नयन के लिए मठ को सहयोग देने हेतु उपलब्ध रहेगा। यदि न्यायालयों या सक्षम प्राधिकारियों द्वारा ऐसा करने का निर्देश दिया जाता है, तो वंतारा इस उन्नयन में भी समान रूप से सहायता करेगा। वंतारा का मानना है कि वास्तविक पशु कल्याण के लिए तथ्यों, पशु चिकित्सा विज्ञान, जिम्मेदार देखभाल, उचित कानूनी प्रक्रिया के सम्मान और जीवन की हमेशा रक्षा करने की अटूट प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। वंतारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय, माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय और HPC के निर्देशों के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करता है। हम महाराष्ट्र और गुजरात सरकारों तथा उनके अधिकारियों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं। हम मठ और कोल्हापुर के लोगों के भी समान रूप से आभारी हैं, जिन्होंने माधुरी के प्रति अपनी चिंता व्यक्त की। हम माधुरी की स्थिति को उच्चाधिकार प्राप्त समिति के समक्ष लाने में पेटा इंडिया की भूमिका को भी स्वीकार करते हैं और पशु कल्याण के उद्देश्य से उनके साथ अपने लंबे संबंध को महत्व देते हैं। माधुरी का कल्याण वंतारा की पहली प्राथमिकता बना हुआ है। उसके स्वास्थ्य, कल्याण और गरिमा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि वह कहां रहती है। हम उसके अच्छे स्वास्थ्य और लंबे, सुरक्षित एवं सुखमय जीवन की कामना करते हैं। *-वंतारा*

राजधानी दिल्ली के सत्य निकेतन में जर्जर इमारत ढहने की घटना कोई अकेली त्रासदी नहीं है, बल्कि यह भारत की बदहाल शहरी बुनियादी संरचना और जर्जर इमारतों के उस विशाल संकट का एक खौफनाक प्रतीक है, जहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी, अवैध निर्माण और प्रशासन की घोर लापरवाही इंसानी जिंदगियों पर भारी पड़ रही है। एक तरह शहरों में तब्दील हो रहे गांव और उनमें बढ़ती आबादी के जरूरत अनुसार तमाम सुविधाएं जुटाने और सुरक्षा मुहैया कराने में प्रशासन और स्थानीय निकाय सुस्त पड़े हैं। वहीं किसी भी घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय न होना भी इस समस्या को और विराल रूप दे रही है। शहरों को स्मार्ट बनाने का अर्थ केवल कैमरे, ऐप और डिजिटल सिस्टम लगाना नहीं है। स्मार्ट शहर वह है, जहां नागरिक को साफ सड़क, सुरक्षित फुटपाथ, व्यवस्थित यातायात, पर्याप्त पानी, बेहतर सीवर, स्वच्छ वातावरण और समय पर सरकारी सेवाएं मिलें। इसके लिए सरकार को शहरी प्रशासन का विकेंद्रीकरण, स्थानीय निकायों को पर्याप्त वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार, विभागों के बीच बेहतर समन्वय और नागरिकों के प्रति स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। अब समय केवल शहरों को फैलाने का नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर तरीके से संचालित करने का है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

बढ़ती आबादी और सुस्त स्थानीय निकाय

विश्लेषण

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ स्तंभकार

शहरी नियोजन और उसकी चुनौतियों को समझने से पहले शहरी इलाकों में रह रही जनसंख्या और शहरों की ओर बढ़ती ललक के आंकड़ों पर ध्यान देना जरूरी है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में शहरी आबादी देश की कुल जनसंख्या का 31.16 प्रतिशत यानी करीब 37.71 करोड़ थी। हालिया अनुमानों के अनुसार, यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 36 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। 1981 की जनगणना रिपोर्ट के मुताबिक देश की शहरी आबादी 15.9 करोड़ और तब की आबादी का 23.3 प्रतिशत थी। साफ है कि भारत में शहरीकरण या शहरों की ओर पलायन अस्सी के दशक में बढ़ गया था, जिसमें नई आर्थिक नीति के बाद तेजी दिख रही है।

शिक्षक दिवस के अगले ही दिन दिल्ली के सत्य निकेतन की एक इमारत के जमींदोज होने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने भारत की शहरी आबादी की सुरक्षा, सहूलियतों और सुविधाओं पर सवाल खड़ा कर दिया है। भारत की सदियों से पहचान उसकी ग्राम और कृषि संस्कृति के लिए रही है। लेकिन आधुनिक आर्थिकी को अपनाने के बाद भारत अपनी इस पहचान को लगातार पीछे छोड़ने की कोशिश में जुटा है। पश्चिम की तरह वह भी शहरीकरण को विकास का मानदंड मान चुका है। देश की बड़ी आबादी कभी मजबूरी के रोजगार तो कभी शिक्षा तो कभी स्वास्थ्य कारणों से लगातार शहरों की ओर पलायन कर रही है। पलायन की इस प्रवृत्ति को प्रतिशत के लिहाज से देखें तो बड़ा भले न लगे, लेकिन विशाल जनसंख्या वाले देश के लिहाज से असल में यह संख्या बहुत बड़ी है। इसका असर शहरी नियोजन और प्रशासन पर भी रोजाना दिखता है।

आंकड़ों की बाजीगरी में इस दबाव की लगातार अनदेखी होती रहती है। इस खेल में शहरी इलाकों में रहने वाली जनसंख्या और उन्हें मिलने वाले छोटे और किसी तरह पेट भर पाने वाले रोजगार को ही विकास का पैमाना मान लिया जाता है। सत्य निकेतन की घटना ने आंकड़ों की इसी बाजीगरी और शहरी नियोजन के साथ ही शहरी निकाय प्रबंधन के बारे में सोचने का अवसर मुहैया कराया है। शहरी नियोजन और उसकी चुनौतियों को समझने से पहले शहरी इलाकों में रह रही जनसंख्या और शहरों की ओर बढ़ती ललक के आंकड़ों पर ध्यान देना जरूरी है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में शहरी आबादी देश की कुल जनसंख्या का 31.16 प्रतिशत यानी करीब 37.71 करोड़ थी। हालिया अनुमानों के अनुसार, यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 36 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। 1981 की जनगणना रिपोर्ट के मुताबिक देश की शहरी आबादी 15.9 करोड़ और तब की आबादी का 23.3 प्रतिशत थी। साफ है कि भारत में शहरीकरण या शहरों की ओर पलायन अस्सी के दशक में बढ़ गया था, जिसमें नई आर्थिक नीति के बाद तेजी दिख रही है।

अवैध मकान बनाने की प्रवृत्ति पर लगाम नहीं

नगर निगम और पुलिस वालों में इतना सहयोग दिखता है कि अगर एक किसी नए निर्माण की सूचना से वंचित रह गया तो दूसरा अपना हिस्सा लेने के बाद उसे सूचित जरूर करता है, ताकि बेईमानी की इस कमाई में आपसी ईमान बना रहे। दिल्ली ही नहीं, देश के तमाम राज्यों में स्थानीय स्तर पर कई गांव भी शहरों में समा गए हैं। लेकिन उनके प्रशासन और नियोजन के लिए स्थानीय निकायों में उस तरह की दिलचस्पी नहीं देखी जाती, जैसी विकसित कॉलोनियों और पॉश मोहल्लों के लिए दिखती है। एक यह भी कारण है कि सत्यनिकेतन की बिल्डिंग जैसे कमजोर और अवैध मकान बनाने की प्रवृत्ति पर लगाम नहीं लग सकती। दो राय नहीं कि संविधान के 73वें और 74वें संशोधन के बाद स्थानीय निकायों को वित्तीय और दूसरे अधिकार तो मिले ही हैं, उनके लिए आवंटन भी बढ़ा। लेकिन उन्हें जैसी चुस्ती दिखानी चाहिए, वह उनमें नहीं दिखती। एक बात और है कि शहरी निकाय प्रशासन की कल्पना शक्ति जैसी होनी चाहिए, नजर नहीं आती। इसलिए विकास की दिशा को लेकर वे सचेत नहीं दिखते। सत्यनिकेतन की घटना के बहाने शहरी निकाय प्रशासन की इन चुनौतियों पर खुला विमर्श होना चाहिए, तभी राह निकलेगी और भविष्य में देश के शहर भी अमेरिकी-यूरोपीय शहरों की तरह साफ, चमकीले और नागरिक सुविधाओं से युक्त बन सकेंगे।

शहरों की ओर पलायन

संयुक्त राष्ट्र-हैबिटैट के वर्ल्ड सिटीज रिपोर्ट 2016 के आकलन के मुताबिक भारत की शहरी आबादी 2015 में 42 करोड़ थी। कुछ अनुमानों के अनुसार, साल 2030 तक भारत की 40 फीसद से अधिक आबादी शहरी क्षेत्रों में रहने लगेगी, जबकि कुछ अनुमानों में इसे पचास प्रतिशत तक बताया जा रहा है। अगर मौजूदा आंकड़ों के अनुसार मान लें कि करीब 40 फीसद ही आबादी शहरों में रह रही है तो एक सौ पचास करोड़ की जनसंख्या के लिहाज से यह संख्या साठ करोड़ के आसपास बैठती है। यह संख्या अकेले अमेरिका की जनसंख्या से दोगुनी है। लेकिन अर्थव्यवस्था के लिहाज से देखें तो भारत की स्थिति अमेरिका के मुकाबले बेहद कम है। इसलिए उसकी बराबरी कम से कम मौजूदा हालात में संभव नहीं है।

उदारीकरण की जिस मौजूदा आर्थिकी को पूरी दुनिया ने अपना रखा है, वह अमेरिका और ब्रिटेन से आई है। इस लिहाज से देखें तो मौजूदा आर्थिकी के प्रभाव में पूरी दुनिया अमेरिका होना चाहती है, लेकिन संसाधनों के संदर्भ में देखें तो ऐसा होना तत्काल संभव नहीं है।

उचित सुविधाएं जुटाना कठिन

अमेरिका या यूरोप की तरह शहरों में बसना आज प्राथमिकता हो गई है, सरकारें भी चाहती हैं कि गांवों की तुलना में शहर ही ज्यादा हों। इसकी वजह यह है कि शहरी जनसंख्या और रिहायश घनी होती है, ग्रामीण आबादी की तरह बिखरी नहीं होती। इसकी वजह से बिजली और परिवहन जैसी सुविधाएं गांवों की तुलना में शहरी आबादी को कहीं ज्यादा आसानी से उपलब्ध कराई जा सकती है। इस प्रक्रिया में हो ये रहा है कि बेतहाशा बढ़ती शहरी आबादी के लिए उचित सुविधाएं जुटाना ना तो सरकारों के लिए आसान है और न ही शहरी प्रबंधन की जवाबदेही वाले स्थानीय निकाय ही। रही बात शहर आने वाले लोगों की तो उनमें बड़ी संख्या कुछ हजार महीने कमाने वालों की है। अपनी छोटी कमाई से वे किसी तरह गुजर-बसर ही करते हैं। शहरों की बड़ी आबादी इसी वजह से सस्ते या कई बार दड़बेनुमा सीलनभरे मकानों और कमरे में ही जिंदगी गुजारने को मजबूर है। कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों के सामने भी कुछ वैसी ही चुनौतियां हैं। सत्यनिकेतन में मारे गए छात्रों में से ज्यादातर ऐसी ही पृष्ठभूमि से थे।

छात्रावासों की निगरानी जरूरी

मौजूदा अर्थव्यवस्था के चलते किसी भी राज्य या शहरी निकाय प्रशासन और सरकार के लिए संभव ही नहीं है कि हर व्यक्ति को साफ और उचित घर मुहैया करा सके।

केंद्र सरकार के भी वश का नहीं कि हर छात्र को वह स्वच्छ और सहूलियत युक्त छात्रावास और कमजोर आर्थिक आय वाले व्यक्ति को मकान उपलब्ध करा सके। लेकिन सरकारें एक काम जरूर कर सकती हैं। खुले बाजार में उचित दर पर सहूलियत भरे मकान उपलब्ध कराने वाले मकान मालिकों और छात्रावास संचालकों की निगरानी जरूर कर सकती है, लेकिन ऐसा होता नहीं। स्थानीय प्रशासन और स्थानीय निकायों के जवाबदेह ज्यादातर लोगों की निगाह ऊपरी कमाई पर होती है। दिल्ली के लोगों को पता है कि वे अगर घर बनाना शुरू करते हैं तो नगर निगम का स्थानीय बेलदार मकान मालिक से वसूलने में देर नहीं लगाता। कानूनी रूप से अब दिल्ली पुलिस की भूमिका इन मामलों में खत्म कर दी गई है। लेकिन अब भी स्थानीय बीट कांस्टेबल भी निर्माण कार्यों के एवज में वसूली करते हैं।

निकायों की जवाबदेही तय करने का समय

व्यवस्था

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

परिवर्तन संसार का नियम है। तरक्की करना व्यक्ति व देश की अनिवार्यता है। लेकिन इसके चलते साइड इफेक्ट का भी ध्यान रखना जरूरी है। भारत तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है। गांवों और कस्बों से शहरों की ओर बढ़ती आबादी ने महानगरों पर भारी दबाव पैदा कर दिया है। सड़कें पहले से अधिक व्यस्त हैं, सीवर व्यवस्था पर बोझ बढ़ रहा है, पेयजल की मांग बढ़ रही है और कचरा प्रबंधन जैसी समस्याएं लगातार गंभीर होती जा रही हैं। इसके बावजूद हमारी शहरी व्यवस्था आज भी काफी हद तक पुराने ढर्रे पर चल रही है। सवाल यह है कि क्या केवल नई सड़कें, फ्लाईओवर और कुछ बड़ी परियोजनाएं बनाकर शहरों को बेहतर बनाया जा सकता है? शायद नहीं। आवश्यकता इस बात की है कि स्थानीय निकायों और शहरी प्रशासन के पूरे ढांचे की समीक्षा की जाए। नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत नागरिकों के सबसे नजदीक की सरकार हैं। नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी अधिकांश समस्याएं इन्हीं संस्थाओं से संबंधित होती हैं- सड़क, नाली, सीवर, कूड़ा, स्ट्रीट लाइट, पार्क, पार्किंग और स्थानीय स्तर की स्वच्छता। लेकिन समस्या यह है कि कई बार जिम्मेदारी स्थानीय निकाय की होती है, जबकि निर्णय लेने और धन उपलब्ध कराने की शक्ति किसी दूसरे स्तर पर होती है। परिणामस्वरूप नागरिक विभागों के बीच चक्कर लगाता रहता है। इस व्यवस्था में बदलाव जरूरी है। जिस संस्था को जिम्मेदारी दी जाए, उसे पर्याप्त अधिकार और वित्तीय संसाधन भी दिए जाने चाहिए। सड़क बने और कुछ दिन बाद फिर खोद दी जाए। हमारे शहरों की एक बड़ी समस्या विभागों के बीच समन्वय की कमी है। एक एजेंसी सड़क बनाती है, कुछ समय बाद सीवर या पानी की पाइपलाइन के लिए सड़क खोद दी जाती है। फिर किसी अन्य एजेंसी द्वारा केबल या पाइपलाइन डालने के लिए वही सड़क दोबारा खोदी जाती है। इससे सरकारी धन की बर्बादी तो होती ही है, नागरिकों को भी धूल, जाम, दुर्घटना और जलभराव जैसी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। इसका समाधान एकीकृत शहरी योजना में है। सड़क निर्माण से पहले यह तय होना चाहिए कि अगले कई वर्षों में उस सड़क के नीचे किन-किन सेवाओं की जरूरत पड़ेगी। नागरिक केवल करदाता नहीं, भागीदार भी हैं। शहर में रहने वाला नागरिक केवल संपत्ति कर, पानी का बिल या अन्य शुल्क देने वाला व्यक्ति नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसे यह जानने का अधिकार भी है कि उसके क्षेत्र के विकास के लिए कितना धन आया, कहां खर्च हुआ और काम की गुणवत्ता कैसी रही। सूचना का अधिकार नागरिकों को सरकारी रिकॉर्ड और परियोजनाओं से संबंधित जानकारी हासिल करने का महत्वपूर्ण माध्यम देता है। इसी तरह शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था नागरिकों को अपनी समस्याएं संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने का रास्ता देती है। लेकिन अधिकार तभी प्रभावी होंगे जब शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई भी हो। यदि किसी इलाके में महीनों से सड़क टूटी हुई है, नाली जाम है या जलभराव लगातार हो रहा है, तो नागरिक को यह पता होना चाहिए कि इसके लिए जिम्मेदार विभाग कौन है और समाधान की समयसीमा क्या है। आज जरूरत ऐसी व्यवस्था की है जिसमें हर शिकायत का एक जिम्मेदार अधिकारी, निश्चित समयसीमा और कार्रवाई की स्थिति नागरिक को दिखाई दे। इसके साथ ही नगर निकायों के बजट और परियोजनाओं को अधिक पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। जनता को यह जानकारी आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए कि उसके वार्ड में कितना पैसा स्वीकृत हुआ और उसका उपयोग कहां किया गया। वार्ड स्तर पर बढ़े नागरिकों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। शहरी प्रशासन को केवल अधिकारियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। वार्ड समितियों और स्थानीय नागरिक समूहों को प्रभावी बनाया जाना चाहिए। मोहल्ले के लोगों को यह बताने का अवसर मिलना चाहिए कि उनके क्षेत्र की प्राथमिक जरूरत क्या है। कहीं सड़क की जरूरत है, कहीं पार्क की, कहीं पार्किंग की और कहीं जल निकासी की। हर इलाके की समस्या एक जैसी नहीं होती। इसलिए स्थानीय जरूरतों के आधार पर स्थानीय योजनाएं बनाना अधिक प्रभावी होगा। शहरों का भविष्य केवल सरकार नहीं, नागरिक भी तय करेंगे। शहरों को स्मार्ट बनाने का अर्थ केवल कैमरे, ऐप और डिजिटल सिस्टम लगाना नहीं है। स्मार्ट शहर वह है जहां नागरिक को साफ सड़क, सुरक्षित फुटपाथ, व्यवस्थित यातायात, पर्याप्त पानी, बेहतर सीवर, स्वच्छ वातावरण और समय पर सरकारी सेवाएं मिलें। इसके लिए सरकार को शहरी प्रशासन का विकेंद्रीकरण, स्थानीय निकायों को पर्याप्त वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार, विभागों के बीच बेहतर समन्वय और नागरिकों के प्रति स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। आखिरकार शहर किसी एक सरकार या विभाग के नहीं होते। शहर वहां रहने वाले नागरिकों के होते हैं। इसलिए शहरी विकास की हर योजना के केंद्र में नागरिक होना चाहिए। यदि सरकार स्थानीय निकायों को अधिकार, संसाधन और जवाबदेही के तीनों स्तंभ मजबूत कर दे, तो शहरों की अनेक बुनियादी समस्याओं का समाधान स्थायी रूप से किया जा सकता है। अब समय केवल शहरों को फैलाने का नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर तरीके से संचालित करने का है।

हमारे शहरों की एक बड़ी समस्या विभागों के बीच समन्वय की कमी है। एक एजेंसी सड़क बनाती है, कुछ समय बाद सीवर या पानी की पाइपलाइन के लिए सड़क खोद दी जाती है। फिर किसी अन्य एजेंसी द्वारा केबल या पाइपलाइन डालने के लिए वही सड़क दोबारा खोदी जाती है।

अदालती चेतावनी को भी कर रहे नजरअंदाज

अनदेखी

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक बहुमंजिला इमारत गिरने की घटना में एक बार फिर साबित कर दिया है कि राष्ट्रीय राजधानी में लापरवाही की कीमत लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ रही है। जहां कभी अवैध इमारत ढह जाती है, कभी होटलों में आग लग जाती है, कभी पानी कोचिंग सेंटरों के भीतर घुस जाता है, तो कभी भगदड़ जैसी घटनाएं हो जाती हैं। हर बार जवाबदेही बयानों और कागजों में दबकर रह जाती है। सत्य निकेतन की घटना कोई अकेली त्रासदी नहीं है, बल्कि यह भारत की बदहाल शहरी बुनियादी संरचना और जर्जर इमारतों के उस विशाल संकट का एक खौफनाक प्रतीक है, जहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी, अवैध निर्माण और प्रशासन की घोर लापरवाही इंसानी जिंदगियों पर भारी पड़ रही है।

दिल्ली में इमारत गिरने की यह कोई अकेली घटना नहीं है। बीते दो वर्षों में रोहिणी, साकेत, वेलकम, करोल बाग, पहाड़गंज और मुस्तफाबाद के अलावा दिल्ली के कई अन्य इलाकों में इमारत गिरने की घटनाएं हुईं। दिल्ली की एक बड़ी समस्या अनऑथराइज्ड कॉलोनियां भी हैं, जिसकी वजह से आए दिन कोई न कोई हादसा सुनने में आता ही है। इन इलाकों में लंबे समय से मालिकाना हक, सड़क, सीवर और दूसरी बुनियादी सुविधाओं की समस्या रही है। अप्रैल 2026 में सरकार ने 1,511 अनऑथराइज्ड कॉलोनियों को 'जैसी है, जहां है' के आधार पर नियमित करने का फैसला किया। दिल्ली में समस्या यह नहीं है कि हर घर असुरक्षित है या हर सड़क जानलेवा है। समस्या यह है कि बार-बार होने वाले हादसे व्यवस्था की कमजोरियां सामने ला रहे हैं। एनसीआरबी की एक्सीडेंटल डेथ्स एंड सुसाइड्स इन इंडिया (एडीएसआई) रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 से 2024 के बीच देशभर में कुल 7,874 लोगों की जान चली गई। इसमें सबसे चिंताजनक स्थिति देश की राजधानी में इस तरह की घटनाओं में मौत के आंकड़ों का बढ़ना है। अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई की जगह उन्हें संरक्षण दिया जाता है। इन घटनाओं से अवैध निर्माण को कानूनन वैध करने की प्रक्रिया पर भी प्रश्न खड़े होते हैं। अदालती चेतावनी को भी नजरअंदाज किया जाता है। वर्ष 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे लेकर चेतावनी देने के साथ ही वैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन करने में विफल रहने वाले अधिकारियों की जवाबदेही पर जोर दिया था। इसके बावजूद अवैध और असुरक्षित भवनों के विरुद्ध कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। राजधानी में सस्ते आवास की कमी के कारण छात्र, प्रवासी और गरीब परिवार इन असुरक्षित भवनों में रहने को मजबूर होते हैं। साफ है, भारतीय शहरों की घनी आबादी और जमीनों की ऊंची कीमत भी निम्न मध्यम वर्गीय लोगों को, जिन्होंने किसी तरह से खुद के लिए छोटे मकान का बंदोबस्त किया है, वे ही अतिरिक्त निर्माण के लिए बाध्य हैं। ऐसे सभी निर्माण, योजना कानूनों को धराशायी कर देते हैं। उन्हें स्थानीय निकायों के तरफ से नोटिस भी दिया जाता है, परंतु आमतौर पर ऐसे हालातों में स्थानीय प्रबंधन का सहारा ले लिया जाता है, ताकि इन्हें नजरअंदाज कर दिया जाए। कई धनाढ्य लोगों के लिए, कानून के कोई मायने नहीं होते हैं। उनमें से कई लोग अनाधिकृत निर्माण में लिप्त होते हैं और राजनीतिक रसूख अथवा पैसों की मदद से अपने विरोधियों का मुह बंद कर देते हैं। अहम सवाल ये है कि देश की राजधानी में हुई घटना के लिए किसको जिम्मेदार ठहराया जाए? दिल्ली सरकार, एमसीडी या स्थानीय प्रशासन? कहने को तो कुछ अधिकारियों को निलंबित किया गया है, जैसा कि ऐसे हादसों के बाद हमेशा होता है। क्या निलंबन कोई कार्रवाई होती है? जो आज निलंबित होंगे, वे चार-छह महीनों में दोबारा कुर्सियों पर आ टिकेंगे। क्या इससे जवाबदेही तय होगी? कामकाज में कोई सुधार आएगा? क्या इस कार्रवाई के बाद इमारतें नहीं ढहेंगी? यह सिर्फ दिल्ली का नहीं, पूरे देश का मामला है। सरकारें क्या कर रही हैं? अधिकारी कब जागेंगे? आम आदमी की जान की कद्र कब होगी? दुर्भाग्यवश, हमें ईमानदारीपूर्वक ये मानना होगा कि शहरों में अवैध निर्माण के प्रसार पर समूची रोकथाम नहीं लगाई जा सकी है। इनके सतत बढ़त के पीछे कई वज़ह हैं। जैसे-जैसे हम बढ़ते हैं और घेरा बनाते जाते हैं, ये शहर अपने साथ-साथ समस्याओं में और भी जटिलताएं लाते हैं।

भारतीय शहरों की घनी आबादी और जमीनों की ऊंची कीमत भी निम्न मध्यम वर्गीय लोगों को, जिन्होंने किसी तरह से खुद के लिए छोटे मकान का बंदोबस्त किया है, वे ही अतिरिक्त निर्माण के लिए बाध्य हैं। ऐसे सभी निर्माण, योजना कानूनों को धराशायी कर देते हैं।

बेहतर व्यवस्था ही दिलाएगी असली गौरव

बुनियादी जरूरत

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

इस समय दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन चल रहा है, जिसमें चीन,रूस जैसी महाशक्तियों समेत कुल 21 देशों के प्रमुख एक ही मंच पर दिखाई दे रहे हैं। यह हम सबके लिए गौरव की बात है। यानी दुनिया की नजरें इस समय दिल्ली पर टिकी हैं। सम्मेलन में वैश्विक साझेदारी, खुले व्यापार या बदलते शक्ति संतुलन की चर्चाएं हो रही हैं, लेकिन दूसरी तरफ इस राजधानी में नागरिक सुविधाओं को लेकर भी चर्चाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। आखिर क्यों किसी खास मौके पर ही सरकारी तंत्र सक्रिय हो जाते हैं और यातायात, सफाई व्यवस्था, सुरक्षा तथा पुलिसिंग सब ठीक-ठाक हो जाती है? दिल्ली के नागरिकों की ओर से सरकार के समक्ष यह एक बड़ा सवाल है। कहते हैं कि सस्ती सुविधाओं के लिए सरकार राजधानी शहर में भी सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों से समझौता करती है। सरकार कई मोर्चे पर असफल साबित होती हैं। यातायात, सफाई और सुरक्षा व्यवस्था के अलावा कई बुनियादी जरूरतें भी हैं जिनमें ढिलाई, भ्रष्टाचार या लापरवाही शामिल हैं। इनके कारण दिल्ली शहर की लगातार बदनामी होती है।

दिल्ली में सत्य निकेतन की घटना में 9 लोगों की जान चली गई। इनमें ज्यादातर छात्र थे। पांच मंजिला इमारत में नियम-कानून को ताक पर रखकर पीजी चलाया जा रहा था। हालांकि इस घटना में एमसीडी के कई अफसरों को निलंबित कर दिया गया। मकान मालिक को गिरफ्तार किया गया। लेकिन यह सब तब हुआ, जब हादसा हो गई। ऐसे में यह सवाल उठता है कि हादसा होने से पहले प्रशासन नींद से क्यों नहीं जागता? घटना के बाद पड़ताल की जा रही है तो एक के बाद एक ऐसी जर्जर इमारतों का पता चल रहा है, जो बहुत ही खतरनाक हैं। पता नहीं, वह किस दिन गिर जाए और कई जिंदगियां दफन हो जाएं। इन इमारतों में रहने वाले छात्र, जो देश का भविष्य हैं। उनका जीवन हर पल खतरे के साए में रहता है।

अवैध निर्माण का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में है, जो शहरी नियोजन और सुरक्षा प्रणालियों की खामियों को उजागर करता है।

रोशनी, हवा से महरूम डिब्बानुमा कमरे में आज लाखों बच्चे दिल्ली के विभिन्न सघन आबादी वाले इलाकों में पढ़ाई कर रहे हैं। इस उम्मीद में कि एक दिन उसका करियर और सपना पूरा होगा। इसके लिए विभिन्न शिक्षण संस्थानों में महंगी फीस चुकाकर और महंगे खर्च उठाकर अपना भविष्य संवारने की कोशिश करते हैं। परंतु पैसा कमाने की हवस में मकान मालिक या पीजी संचालक उन्हें मौत का दरवाजा तक दिखा देते हैं। उनकी सुविधाओं का जरा भी ख्याल नहीं रखा जाता। किराया वसूली के लिए काम चलाऊ निर्माण जरूर कर दिया जाता है। सभी जानते हैं कि दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के निकट छात्र आवास का सघन बाजार है। निजी पेइंग गेस्ट भी बहुत ज्यादा हैं।

गली-मोहल्लों में अवैध निर्माण कर हॉस्टल बना दिए गए हैं। वहां कोई नियम या सरकार की नीति नहीं है। बेहतर प्रबंधन नहीं। जिम्मेदार महकमों से सौदेबाजी कर जहां-तहां बहुमंजिला इमारत खड़ी कर दी जाती है। इनमें होटल और रेस्टोरेंट भी बिना मानक के चला दिए जाते हैं, जो सरासर गलत है। यह घटना कोई नई नहीं है। दिल्ली के हौजरानी, सैदुलाजाब की घटनाओं को अभी लोग भूले भी नहीं थे कि फिर से सत्य निकेतन की हृदयविदारक घटना घट गई। हादसे में किसी ने अपने बेटे, किसी ने भाई और किसी ने परिवार के चिराग को खो दिया। सवाल उठता है कि किसी भी अनहोनी के बाद ही सरकारी सिस्टम क्यों एक्टिव होता है?

अफसरों पर कोई भी कठोर सजा या तुरंत एफआईआर क्यों नहीं होती? हालांकि प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस घटना का तुरंत संज्ञान लिया था, लेकिन उस प्रशासनिक छवि का क्या होगा, जो राजधानी शहर में अच्छा होने का दंभ भरते हैं? आखिर, कब तक जर्जर दीवारों के बीच छात्रों का दम घुटता रहेगा? नॉर्थ कैंपस एरिया, लक्ष्मी नगर, रमेश पार्क, राजेंद्र नगर, पटेल नगर, मुखर्जी नगर और मुनिरका जैसे इलाके में भी सत्य निकेतन जैसे हालात हैं जहां पुरानी इमारतें, संकरी गलियां, भीड़ और कमजोर सुरक्षा इंतजाम दिखते हैं। इसलिए सरकार को मास्टर प्लान 2047 से पहले भी दिल्ली में बहुत कुछ करने और बदलने की जरूरत है।

गली-मोहल्लों में अवैध निर्माण कर हॉस्टल बना दिए गए हैं। वहां कोई नियम या सरकार की नीति नहीं है। बेहतर प्रबंधन नहीं। जिम्मेदार महकमों से सौदेबाजी कर जहां-तहां बहुमंजिला इमारत खड़ी कर दी जाती है। इनमें होटल और रेस्टोरेंट भी बिना मानक के चला दिए जाते हैं, जो सरासर गलत है।

बिलासपुर
रविवार 13 सितंबर 2026
भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वितीया
वर्ष : 26, अंक : 173
पृष्ठ : 12+20 = 32 मूल्य : 5 .00***

मौसम
अधि. 30.4
न्यून. 24.4

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का मास्टर कूपन
कल के अंक में देखें।

देवताओं ने थाने में दी हाजिरी, पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने किया स्वागत

केशकाल में भंगाराम जात्रा की हुई शुरुआत, नौ परगना के देवी-देवता हुए शामिल

चिराग उपाध्याय ▶▶| केशकाल

अलग खबर

बस्तर की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं में विशेष स्थान रखने वाली केशकाल की प्रसिद्ध भंगाराम जात्रा की शुरुआत शनिवार को पारंपरिक रीति-रिवाजों और धार्मिक मान्यताओं के साथ हुई। जात्रा में नौ परगना के देवी-देवताओं के प्रतीक स्वरूप शामिल हुए, जिसके चलते केशकाल क्षेत्र में सुबह से ही श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा। भंगाराम जात्रा की परंपरा के अनुसार देवी-देवताओं के प्रतीक ▶▶|शेष पेज 6 पर

केशकाल में देवताओं की अदालत, थाने में हाजिरी देने पहुंचे नौ परगना के देवी-देवता

नौ परगना के देवी-देवताओं का समागम

भंगाराम जात्रा की खासियत यह है कि इसमें आसपास के विभिन्न क्षेत्रों और परगनों से देवी-देवताओं के प्रतीक स्वरूप शामिल होते हैं। नौ परगना के देवी-देवताओं के एक स्थान पर पहुंचने से यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक समागम का रूप ले लेता है। देवी-देवताओं के साथ पारंपरिक वेशभूषा और रीति-रिवाजों के साथ पहुंचे ग्रामीण इस आयोजन को और विशेष बनाते हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पुलिस थाने पर पेट्रोल बम से किया हमला

शिलांग। मेघालय के लाबान थाना पर शुक्रवार रात अज्ञात बदमाशों ने पेट्रोल बम से हमला किया। घटना में कोई पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ। पुलिस अधीक्षक विवेक सियाम ने कहा कि अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। अज्ञात बदमाश दोपहिया वाहन से आए और उन्होंने दो पेट्रोल बम फेंके।

नक्सली ठिकाने से जिलेटिन की 250 छड़ें बरामद

जमुई। बिहार पुलिस ने जमुई जिले के एक जंगल से अत्यधिक विस्फोटक क्षमता वाली जिलेटिन की 250 छड़ें बरामद की हैं। अधिकारियों को संदेह है कि इन्हें नक्सलियों ने वहां छिपाकर रखा होगा। बिहार पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को गुइया इलाके से औद्योगिक श्रेणी का विस्फोटक बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि बरामद जिलेटिन की छड़ों को बम निरोधक एवं निपटान दस्ते ने निष्क्रिय कर दिया।

डेटिंग ऐप पर झांसा 18 लाख की ठगी

नोएडा। अज्ञात साइबर अपराधियों ने एक डेटिंग ऐप के माध्यम से लड़की से मिलवाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 17.98 लाख रुपए की ठगी कर ली। सेक्टर-52 निवासी निखिल कुमार रस्तोगी ने इस संबंध में शनिवार सुबह साइबर अपराध थाने में शिकायत दर्ज कराई।रस्तोगी 27 अगस्त को 'टेलीग्राम ऐप' के माध्यम से 'फ्लर्टीफाई क्लब' नामक एक डेटिंग ऐप से जुड़े और एक लड़की के संपर्क में आए।

कार और ट्रक की टक्कर में पांच की मौत

तेजपुर। असम के सोनितपुर जिले में शनिवार को कार और ट्रक की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। हादसा रंगापारा थाना क्षेत्र के बालीपारा में एक पेट्रोल पंप के पास तब हुआ जब सामने से आ रहे ट्रक से कार की टक्कर हो गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में मारे गए सभी लोग कार में सवार थे। मरने वालों की पहचान हर गोविंद हजोआरी, नयन स्वर्गियारी, पप्पू, प्रांजल और संजय मेच के रूप में हुई है।

एकलव्य आवासीय विद्यालय के कंप्यूटर शिक्षक पर आरोप, शिकायत के बाद फरार

बालिकाओं के साथ यौन दुर्व्यवहार, कलेक्टर और एसपी से शिकायत, सात छात्राओं ने दिया बयान

बीजापुर जिले के रूद्रारम के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में बालिकाओं के साथ यौन दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। विद्यालय के कंप्यूटर शिक्षक देवेंद्र दहिया पर दो साल से छात्राओं के साथ अनुचित व्यवहार और उन्हें परेशान करने का आरोप लगा है। छात्राओं ने अपने परिजनों को बताया उसके बाद खुलासा हुआ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपालपटनम

खास खबर

पालक शिकायत लेकर कलेक्टर और एसपी के पास पहुंचे। शिकायत में शिक्षक के खिलाफ जांच कर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। आरोपी कंप्यूटर शिक्षक फरार हो गया है। छात्राओं का कहना है कि जब भी वे इस संबंध में शिकायत करने की बात करते थे तो उन्हें कथित तौर पर डराया-धमकाया जाता था। इसी वजह से छात्राएं काफी समय तक इस मामले को लेकर खुलकर सामने नहीं आ सकी। कुछ दिन पहले छात्राओं ने अपने माता-पिता को पूरे मामले की जानकारी दी। इसके बाद पालकों ने आपस में चर्चा कर मामले को सामने लाने का निर्णय लिया। ▶▶|शेष पेज 6 पर

आरोपी शिक्षक फरार

आवासीय विद्यालय की प्राचार्या नारायणम्मा ने कहा कि 3-4 दिन पहले जानकारी मिलने पर आरोपी शिक्षक को निकाल दिया गया। वहीं लोगों का कहना है कि वह 7 सितम्बर से फरार है। कहा गया है कि हरियाणा निवासी शिक्षक की दो साल की परीविक्षा अवधि जून 2026 को समाप्त हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार प्राचार्या बीजापुर जिले की मद्देड निवासी है वहीं अधिक्षिका प्रसूती अवकाश पर है।

एसडीएम कार्यालय में हो रहा बयान

कलेक्टर के निर्देश पर भोपालपटनम के एसडीएम नाग पालकों की उपस्थिति में बालिकाओं का बयान दर्ज कर रहे है वहीं लोगों में इस घटना को लेकर काफी आक्रोश है पालकों के साथ शहर के लोग भी एसडीएम कार्यालय में मौजूद है। रूद्रारम आवासीय विद्यालय अनुविभाग मुख्यालय भोपालपटनम से महज सवा किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर है।

5 सदस्यीय टीम गठित

12 सितम्बर को मुझे इस संबंध में जानकारी मिली तब तुरन्त हमने कलेक्टर एवं अन्य अधिकारियों को जानकारी दी। कलेक्टर के द्वारा 5 सदस्यों की टीम बनाकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भोपालपटनम को जांच करने नियुक्त किया गया है।

देवेन्द्र सिंह सहायक आयुक्त आदिवासी विकास बीजापुर

रायपुर में 25 लाख, पूरे प्रदेश में डेढ़ करोड़ से ज्यादा आशीर्वाद दीये

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर को प्रदेश में बड़ा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में 25 साल पूरे होने पर भाजपा का राष्ट्रीय संगठन देशभर में सेवा, संकल्प अभियान का प्रारंभ 17 सितंबर से कर रहा है। 17 सितंबर को नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर छत्तीसगढ़ में राजधानी रायपुर में जहां 25 लाख आशीर्वाद दीये जलाएं जाएंगे। वहीं रायपुर जिले में 31 लाख दीये जलेंगे। प्रदेशभर में भाजपा एक करोड़ 54 लाख दीये जलाएगी। इसके लिए प्रदेश के जिलों के लिए प्रभारी ▶▶|शेष पेज 6 पर

सभी एक दीया जलाकर पीएम को दें आशीर्वाद

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, हमारे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में 25 साल पूरे होने पर देशभर में भाजपा संगठन द्वारा सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन की शाम 7 बजे पूरे देश के साथ छत्तीसगढ़ में भी दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। श्री साय ने प्रदेश के सभी ▶▶| शेष पेज 6 पर

सीएम हाउस में छत्तीसगढ़ी रंग, तीजा-पोरा तिहार में लोक-संस्कृति की झलक

छत्तीसगढ़ सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार काम कर रही : साय

मुख्यमंत्री निवास में शनिवार को तीजा-पोरा तिहार के अवसर पर विशेष आयोजन हुआ। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपरा, संस्कृति और पारिवारिक भावनाओं की झलक देखने को मिली। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आतिथ्य में हुए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। लोकगीतों, पारंपरिक नृत्य, झूलों और छत्तीसगढ़ी पकवानों ने पूरे आयोजन में उत्सव का रंग भर दिया। तीजा ▶▶| शेष पेज 6 पर

39वें नेशनल गेम्स की तैयारी तेज, 40वें की मेजबानी के लिए छत्तीसगढ़ का दावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा व कार्यकारिणी बैठक का आयोजन शनिवार को न्यू सर्किट हाउस में किया गया। कार्यकारिणी की बैठक के बाद वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। ▶▶|शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा व कार्यकारिणी बैठक में लिए गए अहम निर्णय

खेल संघों को उद्योगों द्वारा गोद लिया जाए

छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष हिमांशु द्विवेदी ने प्रस्ताव रखा कि सभी खेल संघों को उद्योगों द्वारा गोद लिया जाए। इसके लिए सरकारी पदाधिकारी नियुक्त कर जल्द से जल्द प्रक्रिया शुरू करने की बात रखी गई। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि सरकार खिलाड़ियों के हित में लगातार कार्य कर रही है और राज्य में बस्तर ओलंपिक की गतिविधियों का भी निरंतर विस्तार हो रहा है।

कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर का आधे से अधिक हिस्सा डूबा

गंगरेल के 6 गेट खोले, महानदी में बाढ़ के हालात, छोड़ रहे हर सेकंड 10400 क्यूसेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी-राजिम

पानी की आवक बढ़ने से गंगरेल बांध के छह गेट खोल दिए गए हैं, जिससे महानदी में बाढ़ के हालात हैं। फिलहाल प्रति सेकंड 10400 क्यूसेक (एक क्यूसेक यानी 28.317 लीटर) पानी छोड़ा जा रहा है। जबकि शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात गंगरेल बांध से 53 हजार क्यूसेक पानी प्रति सेकंड ▶▶|शेष पेज 6 पर

बाढ़ में फंसा मरीज, खाट के सहारे पार कराया नाला

नगरी। सिहावा-नगरी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं, जिससे कई रास्ते पूरी तरह बंद हो गए हैं। नगरी विकासखंड के लटियारा ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम चर्रा के कच्छारपारा के बीच स्थित डुमर नाला में पुलिया नहीं होने से शनिवार को एक मरीज कोखाट पर लादकर नाला पार कराना पड़ा। बता दें कि बरसात के दिनों में नाले में बाढ़ आने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। इसका ताजा उदाहरण चर्रा निवासी गोपेश कुमार पटेल की ▶▶| शेष पेज 6 पर

राजिम-नवापारा के तटवर्ती इलाकों तक फैला पानी

राजिम। महानदी ने एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। ऊपरी इलाकों में हुई झमाझम बारिश के बाद गंगरेल जलाशय से पानी छोड़े जाने से नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। राजिम पहुंचते-पहुंचते महानदी की धार ने तटों को अपने आगोश में ले ले लिया है। त्रिवेणी संगम क्षेत्र से लेकर राजिम और नवापारा के नदी किनारे तक दूर-दूर तक पानी का फैलाव दिखाई दे रहा है। नदी पर बने पांचों एनीकट के ऊपर पानी बह रहा है। विभाग के इंजीनियर आयुष सिंह ने बताया कि नदी तटवर्ती क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो सकती है। उन्होंने नदी किनारे रहने वाले ▶▶| शेष पेज 6 पर

विशेषः हिंदी दिवस, 14 सितंबर

हर साल 14 सितंबर के आस-पास सरकारी दफ्तरों में हिंदी पखवाड़ा शुरू होता है, मंचों से हिंदी की महिमा गाई जाती है और अपनी भाषा पर गर्व करने की बातें होती हैं। लेकिन इन औपचारिकताओं से आगे बढ़कर हमें यह सवाल भी पूछना चाहिए कि क्या हम अपनी रोजमर्रा के जीवन में हिंदी को सचमुच सम्मान देते हैं? उससे प्यार करते हैं?

हमारे हिंदुस्तान की आत्मा है हिंदी

आवरण कथा

यामिनी गजानन रामपल्लीवार

भाषा और संस्कृति का रिश्ता कोई ऊपरी बंधन मात्र नहीं होता, वह जड़ और वृक्ष का रिश्ता होता है। हिंदी के संदर्भ में यह बात और भी गहरे अर्थ रखती है, क्योंकि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, हिंदुस्तान की सांस्कृतिक पहचान का जीवंत प्रमाण है। इसकी जड़ें संस्कृत जैसी वैज्ञानिक और अनुशासित भाषा में हैं, जिसने भोजपुरी, अवधी और ब्रज जैसी सैकड़ों बोलियों को अपनी सुंदर शाखाओं की तरह जन्म दिया। यह विस्तार किसी एक भाषा की सीमा नहीं, बल्कि एक पूरे उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक चेतना का फैलाव है।

भाषा से जुड़ी देश की पहचान

14 सितंबर को जब हम हिंदी दिवस मनाते हैं, तो यह अवसर केवल एक तिथि का उत्सव नहीं होना चाहिए। यह अवसर रुककर यह सोचने का भी हो कि हमने इस भाषा को कितना जिया है और कितना केवल औपचारिकता में समेट दिया है? इतिहास गवाह है कि जब कवि इकबाल ने लिखा था, 'हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्तां हमारा।' तब उन्होंने भाषा और राष्ट्र की पहचान को एक ही सांस में बांध दिया था। उनकी यह पंक्ति आज भी उतनी ही सार्थक है, क्योंकि जिस भाषा की पहचान हिंद महासागर के तट से लेकर हिमालय की चोटियों तक फैली हो, वह भाषा किसी परिचय की मोहताज नहीं।

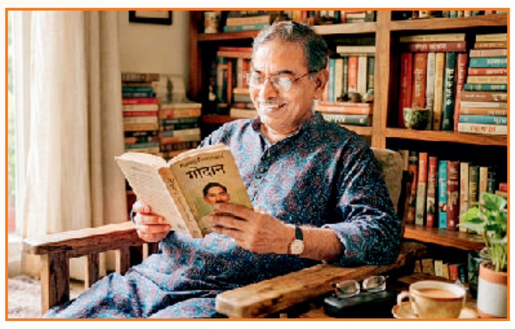

शब्दों में सदियों की साधना

हिंदी का यह वैभव किसी एक कवि या रचनाकार की देन नहीं, बल्कि सदियों की साधना का परिणाम है। तुलसी ने इसे भक्ति की मिठास दी, सूर ने इसमें वात्सल्य का रस घोला, कबीर ने इसे सीधी और निर्भीक वाणी दी और निराला ने इसमें विद्रोह और नवीनता का स्वर भरा। इन सबने मिलकर हिंदी को वह समृद्धि दी, जो आज भी हर हिंदुस्तानी की रग-रग में बहती है। यही कारण है कि हिंदी को केवल एक भाषा कहना उसके साथ अन्याय होगा, वह तो भावनाओं की वह साझी विरासत है, जिसमें देश की विविधता खुद को सहज पाती है।

समावेशी भाषा है हिंदी

यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि हिंदी की श्रेष्ठता का यह अर्थ कभी नहीं कि अन्य भाषाओं या बोलियों को कमतर आंका जाए। हिंदी का असली गौरव इसी में रहा है कि उसने सदा दूसरी भाषाओं और बोलियों को अपनाया, उनसे शब्द लिए और उन्हें भी फलने-फूलने का अवसर दिया। भोजपुरी, अवधी, ब्रज, मैथिली और राजस्थानी जैसी बोलियां हिंदी की प्रतिद्वंद्वी नहीं, उसकी शक्ति हैं। इसी समावेशी स्वभाव के कारण हिंदी हर हिंदुस्तानी के मन में अपना स्थान बना पाई है।

कहां हैं झिझक की जड़ें

यह विडंबना ही है कि आज कुछ लोगों को हिंदी बोलते हुए झिझक या कमतरी का एहसास होता है। यह झिझक कहां से आती है, इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। बड़े शहरों के कॉर्पोरेट कार्यालयों में, महानगरों की पार्टियों में और यहां तक कि कुछ शिक्षित परिवारों में भी हिंदी बोलने को पिछड़ेपन से जोड़कर देखा जाने लगा है। अंग्रेजी में दक्षता आवश्यक है, इसमें कोई संदेह नहीं, क्योंकि वह आज वैश्विक संपर्क की भाषा बन चुकी है। परंतु किसी दूसरी भाषा को सीखने और अपनी भाषा को त्यागने में बुनियादी अंतर है। जब यह अंतर धुंधला पड़ने लगता है, तभी भाषा का यह संकट जन्म लेता है। बरसों पहले मेरे एक पारिवारिक समारोह में एक किशोर अपनी दादी से अंग्रेजी में बात करने की कोशिश करने लगा, टूटे-फूटे शब्दों में, केवल इसलिए कि साथ बैठे उसके अंग्रेजी-माध्यम के मित्र उसे 'देसी' न समझें। दादी ठहरकर मुस्कुराईं और बोलीं, 'बेटा, जिस भाषा में मैंने तुझे कहानियां सुनाईं, उसी में बात कर, शर्म किस बात की?'

उस किशोर की दादी के एक वाक्य ने पूरा वातावरण बदल दिया। गहराई से सोचें तो स्पष्ट होता है, वह झिझक केवल उस बच्चे की नहीं थी, वह उस पूरी पीढ़ी की झिझक थी, जिसे यह सिखाया गया कि तरक्की अंग्रेजी की जुबान से होकर गुजरती है और अपनी भाषा पीछे छूट जाने वाली चीज है। यह संकट केवल भाषाई नहीं, सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक भी है। जो व्यक्ति अपनी मातृभाषा बोलने में संकोच करता है, वह धीरे-धीरे अपनी जड़ों से भी दूर होता चला जाता है। हमें इस बात को समझना होगा कि भाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह सोचने की एक शैली होती है, संस्कारों को आगे बढ़ाने का माध्यम होती है। जब बच्चा अपनी दादी की कहानियां, लोरियां हिंदी में नहीं सुन पाता, जब वह लोकगीतों की लय से अपरिचित रह जाता है, तो वह केवल एक भाषा नहीं खोता, अपने भीतर की एक पूरी दुनिया खो देता है।

सभी करें हिंदी का सम्मान

यह कहना उचित होगा कि भाषा का अपमान केवल उस भाषा का अपमान नहीं, वह पूरी संस्कृति का अपमान है। जिस तरह किसी वृक्ष की जड़ों को काटकर उसकी शाखाओं की हरियाली की उम्मीद नहीं की जा सकती, उसी तरह अपनी भाषा से कटकर अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत रखने की कल्पना भी अधूरी रह जाती है। यह प्रवृत्ति बदलनी चाहिए और इसके लिए किसी बड़े आंदोलन की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे व्यावहारिक प्रयासों की आवश्यकता है। घर के भीतर बच्चों से हिंदी में बात करना, कार्यस्थल पर जहां संभव हो वहां हिंदी को सहजता से अपनाना, हिंदी साहित्य को केवल पाठ्यक्रम की मजबूरी न मानकर आनंद के लिए साहित्यिक किताबें पढ़ना, ऐसे ही अनेक छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

संकल्प लेने का दिन हिंदी दिवस

आज जब हिंदी दिवस के अवसर पर सरकारी कार्यालयों में औपचारिक समारोह होंगे, भाषणों में हिंदी की महिमा गाई जाएगी, तब यह प्रश्न स्वयं से पूछना जरूरी है कि क्या हमने इस भाषा को अपने दैनिक जीवन में उतना सम्मान दिया, जितना वह हकदार है। हिंदी को बचाने की जिम्मेदारी किसी एक दिन या किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जो इसे अपनी भाषा मानता है। हिंदी दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, संकल्प का दिन बने, यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब तक हम अपनी भाषा बोलने में गर्व का अनुभव नहीं करेंगे, तब तक उसकी समृद्ध विरासत आगे नहीं बढ़ पाएगी। इसलिए आइए, इस हिंदी दिवस पर केवल उत्सव नहीं, आत्मनिरीक्षण भी करें और अपनी भाषा को उसका वास्तविक सम्मान लौटाएं। ✻

विशेषः गणेश चतुर्थी

परंपरा-आस्था का संगम महापर्व गणेशोत्सव

गणेश चतुर्थी से आरंभ होने वाला गणेशोत्सव केवल धार्मिक पर्व नहीं है। इसकी जड़ें भारत की परंपरा, इतिहास और संस्कृति से भी जुड़ी हैं। इस पर्व का आरंभ सामाजिक समारोहों के रूप में कब और कैसे हुआ, आप जरूर जानना चाहेंगे।

सांस्कृतिक पर्व / शिखर चंद जैन

गणेश चतुर्थी का त्योहार भारतीय जनमानस के हृदय में अत्यंत पवित्र स्थान रखता है। यद्यपि भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी (14 सितंबर) को विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की स्थापना और अनंत चतुर्दशी को उनके विसर्जन का दृश्य हर वर्ष भारत के कोने-कोने में दिखाई देता है, परंतु इस महापर्व के कई ऐसे पहलू हैं, जो बहुधा लोकस्मृति या सामान्य वार्ताओं से परे छूट जाते हैं। यह उत्सव केवल धार्मिक कर्मकांड, ढोल-नगाड़ों और सुंदर झांकियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके मूल में राजनीति, समाज, प्राचीन भूगोल, खगोल विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण की गहरी जड़ें जुड़ी हुई हैं। गणेश चतुर्थी भारत की उस अमर सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, जो अध्यात्म को समाज सेवा से, इतिहास को भविष्य की सोच से और धर्म को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ती है।

तिलक की दूरदर्शी सामाजिक पहलः गणेश चतुर्थी का इतिहास अत्यंत प्राचीन है और 18वीं शताब्दी में पेशवाओं के काल में इसे पुणे में राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता था। आधुनिक भारत में इसका स्वरूप पूरी तरह से बदलने का श्रेय लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को जाता है। वर्ष 1893 में तिलक ने इसे निजी गृह-पूजा के बंद कमरों से निकालकर 'सार्वजनिक गणेशोत्सव' का रूप दिया।

ब्रिटिश हुकूमत के दौर में 'वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट' और अन्य कठोर कानूनों के कारण भारतीयों के लिए राजनीतिक सभाएं करना या सामाजिक मुद्दों पर एकत्र होना पूरी तरह प्रतिबंधित था। तिलक ने भांप लिया कि अंग्रेज शासक धार्मिक सम्मेलनों में सीधे हस्तक्षेप करने से डरते हैं। अतः उन्होंने गणेशोत्सव को एक सांस्कृतिक और सामाजिक मंच बनाया। पंडालों में स्वतंत्रता संग्राम के विचारों, स्वदेशी आंदोलनों और समाज सुधारों पर चर्चा होने लगी। इस प्रकार, एक धार्मिक उत्सव औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ जनक्रांति का प्रतीक बन गया।

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्पः आधुनिक समय में विसर्जन के कारण होने वाले जल प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की जाती है, लेकिन पुराने दौर में गणेश प्रतिमा का निर्माण और उसका जल-विसर्जन एक अत्यंत वैज्ञानिक और पर्यावरणीय प्रक्रिया थी। पारंपरिक रूप से, गणेश प्रतिमाएं केवल शुद्ध चिकनी मिट्टी (शाडू माटी) से बनाई जाती थीं। इसमें हल्दी, चंदन, भस्म और कुमकुम का लेप किया जाता था। मानसून के अंत में जब नदियां और तालाब नए पानी से भर जाते थे, तब इन मिट्टी की मूर्तियों को जल में विसर्जित किया जाता था। मिट्टी, जल निकायों को समृद्ध करती थी, जबकि हल्दी और चंदन प्राकृतिक एंटीसेप्टिक तथा जीवाणुरोधक के रूप में पानी को शुद्ध करते थे। यह प्राचीन परंपरा वास्तव में वर्षा ऋतु के बाद जल स्रोतों के वैज्ञानिक कायाकल्प का माध्यम थी।

मोदक का औषधीय महत्वः गणेश जी को 'मोदक प्रिय' कहा जाता है, लेकिन मोदक केवल एक स्वादिष्ट मिठाई नहीं है। इसका निर्माण आयुर्वेद के सिद्धांतों पर आधारित है। पारंपरिक रूप से भाद्रपद (सितंबर) के महीने में उकडीचे मोदक (भाप में पके हुए मोदक) बनाए जाते हैं। मानसून के खत्म होने और शरद ऋतु के आगमन के समय शरीर में 'पित्त' दोष बढ़ने की संभावना होती है। मोदक के बाहरी आवरण में चावल का आटा और अंदर गुड़, ताजा कसा हुआ नारियल, जायफल और इलायची का मिश्रण होता है, जिसे शुद्ध देशी घी के साथ परोसा जाता है। नारियल और गुड़ पेट की अग्नि को शांत करते हैं और पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं। इस तरह मोदक का भोग ऋतु परिवर्तन के दौरान स्वास्थ्य की रक्षा करने वाला एक आयुर्वेदिक आहार है।

समृद्ध करे सांस्कृतिक परिदृश्यः भारत के कला और सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध करने में गणेशोत्सव ने एक 'अदृश्य अकादमी' के रूप में भूमिका निभाई है। 10 दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में सार्वजनिक पंडालों द्वारा संगीत संध्याएं, नाटक (नाट्य संगीत), लोककलाएं (जैसे लावणी, गोंधल) और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस तरह इसका सांस्कृतिक महत्व भी है। ✻

कविता

अलका 'सोनी'

जन-मन में बसती है हिंदी

किताबों के पन्नों पर
पढ़े जाने से पहले,
भाषणों में,
कहीं सुने जाने से पहले,
गूंजी थी वो मेरे कानों में।
जैसे गूंजी थी
अभिमन्यु के कानों में
चक्रव्यूह भेदने की कला।
फिर अकसर गूंजती ही रही वो,
मां की आवाज में।
लोरी में,
और पिता की डांट में
छिपे दुलार में भी।
और उनके कई
अनकहे भय के बीच,
हौंसला देने वाले संसार में भी।
उसने तब भी
गले लगाया था मुझे
जब मैं नहीं जानती थी
उसके व्याकरण का कोई नियम।
क्योंकि यह उसके
और मेरे बीच के
उन रिश्तों की गर्माहट है,
जिन्हें परिभाषित नहीं कर सकता
कोई शब्दकोश।
वो मेरे आंगन में बिखरी
सुबह की धूप है।
सर पर बनी रहने वाली,
ममता की छांव है।
दादी की कहानी में
हर बार आता हुआ
कोई पुराना गांव है।
वो और कोई नहीं
मेरी हिंदी है।
जिसमें बसी है
कबीर की निर्भीकता,
तुलसी की लोक-गंध की खुशबू
प्रेमचंद के पात्रों का संघर्ष,
महादेवी की करुणा,
और निराला की विद्रोही चेतना।
क्योंकि मेरी हिंदी ने
बनाया है
राजमहलों से अधिक
जन-मन में अपना घर।

व्यंग्य / गोविंद भारद्वाज

सरकार जब नई आती है तो रुतबा जमाने के लिए और आमजन में भरोसा कायम करने के लिए यह आदर्श वाक्य दोहराती है कि हमारी सरकार में कोई गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं होगी। लेकिन धीरे-धीरे नए-नए तरीके से गड़बड़ी आरंभ हो जाती है।

गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं

गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं-यह जुमला मैं बचपन से सुनता आ रहा हूं। यह जुमला आज के दौर में उतना ही प्रासंगिक है, जितना पुराने दौर में। सत्ता आए या जाए, सरकार किसी की भी बने लेकिन 'गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं' स्थाई आदर्श वाक्य है। यह न बदला है और न कभी बदलेगा। सरकार जब नई आती है तो रुतबा जमाने के लिए और आमजन में भरोसा कायम करने के लिए यह आदर्श वाक्य दोहराती है कि हमारी सरकार में कोई गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं होगी। धीरे-धीरे नए-नए तरीके से गड़बड़ी आरंभ होती है और पांच साल तक गड़बड़ी के सहारे ही सरकार चलती है। गड़बड़ी कोई और नहीं उन्हीं के नेता और कार्यकर्ता करते हैं। आम लोग तो उनकी गड़बड़ी बर्दाश्त करते हैं। सरकारों की बात छोड़िए हमारे यहां के प्रशासन ने भी इसे नारा ही बना लिया है। कोई आला अधिकारी जब अपनी ड्यूटी ज्वाइन करता है तो वह अपने अधीनस्थ कर्मचारी को यही हिदायत देता है, 'मेरे होते हुए गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।' जिले में बैठे अफसर भी यही कहते हैं कि जिले में कोई गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्कूल प्रशासन से लेकर सचिवालय प्रशासन तक के अधिकारी बस यही आदर्श वाक्य इस तरह से दोहराते हैं कि जनता और कर्मचारी उनके इस वाक्य से डर जाएंगे। भैया डरना तो दूर की बात वे मुस्कुराते हुए कहते हैं कि थोड़े दिन रुक जाओ अभी नया-नया आया है। सचमुच नयापन झड़ते ही वह अधिकारी भी पुराने ढर्रे पर आ जाता है और गड़बड़ी बर्दाश्त करने का आदी हो जाता है। आप से ही यह कहकर निश्चिंत हो लेता है कि गड़बड़ी कहां नहीं होती! यह देश चल ही रहा गड़बड़ियों के सहारे है। गड़बड़ी बर्दाश्त करना हमारी परंपरा है। बिना गड़बड़ के तो सरकार चल ही नहीं सकती। गड़बड़ी नहीं होगी तो पुलिस की क्या जरूरत। जांच करने के लिए कोई आयोग बनाया तब ही जाएगा, जब गड़बड़ी होगी। कुल मिलाकर गड़बड़ी बर्दाश्त करना हमें आना चाहिए। जो गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं कर सकता वह कुशल प्रशासक बन ही नहीं सकता। पिछले दिनों की बात है हमारे शहर के माननीय ने कार्यग्रहण किया। दूसरे दिन समाचार पत्र में छपा कि महोदय ने आला अधिकारियों के साथ शहर में फ्लैग मार्च निकाला और शहर वासियों को संदेश दिया की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मेरी समझ में यह नहीं आ रहा कि कौन-सी और किस प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी? ये चोर-लुटेरों, बदमाशों, उठाईगीरों या जमाखोरों, भ्रष्टाचारियों, लापरवाहों, रिश्वतखोरों, बलात्कारियों या मिलावटखोरों के लिए चेतावनी दी गई या आम नागरिकों के लिए। खैर यह जुमला असरदार हो न हो पर लोगों को दिलासा दिलाए रखने के लिए कहना जरूरी है। हालांकि गड़बड़ी करता कौन है, ये विषय शोध का है। ✻

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संगीतमय जीवन

विख्यात खयाल गायिका गंगूबाई हंगल की आत्मकथा कई वर्ष पहले कन्नड़ भाषा में प्रकाशित हुई थी। हाल में ही उसका हिंदी अनुवाद 'जीवन संगीत' शीर्षक से प्रकाशित होकर आया है। यह आत्मकथा सामाजिक उपेक्षाओं, पारिवारिक समस्याओं और आर्थिक संकटों के बीच रहकर संगीत को समर्पित एक कलाकार की साधना यात्रा है। गंगूबाई हंगल ने कई स्थलों पर स्वीकार किया है कि उनकी मां के त्याग और उनके गुरुओं के सही मार्गदर्शन ने ही उन्हें इतनी प्रतिष्ठा दिलाई। यही नहीं वे पूरी विनम्रता से हर उस शख्स के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करती दिखाई देती हैं, जिन्होंने किसी भी रूप में उनकी संगीत साधना में जरा भी सहयोग प्रदान किया था। हालांकि कुछ स्थलों पर उनके मन में समाई टीस प्रकट हुई है। जातिगत भेदभाव पर अपने अतीत को याद करते हुए वह कहती हैं, 'अगर हम लोग किसी ऊंची जाति के घर खाना खाने जाते थे तो हमें खुद अपने बर्तन मांजने पड़ते थे।' किशोरावस्था में ही विवाह कर दिए जाने और उसके कुछ समय बाद ही मां-पिता के निधन होने के बावजूद गंगूबाई ने कभी अपनी संगीत साधना में व्यवधान नहीं आने दिया। इसी का परिणाम रहा कि वे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उपलब्धियों के सोपानों पर अग्रसर रहीं और अद्वितीय प्रतिष्ठा प्राप्त की। इस आत्मकथा में कहीं भी आत्मश्लाघा का भाव नजर नहीं आता है। वे अपने सभी प्रशंसक संगीत प्रेमियों, विभिन्न सम्मानों से नवाजने के लिए सरकार के प्रति कृतज्ञता भी ज्ञापित करती हैं। ✻

पुस्तकः जीवन संगीत- गंगूबाई हंगल (आत्मकथा), **अनुवादः** मृत्युंजय,
मूल्यः 199 रुपए, **प्रकाशकः** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

परीक्षा

पिछली सर्दियों की बात है। रात के अंधेरे को चीरती हुई ट्रेन अंबाला की तरफ भागती चली जा रही थी और साथ ही मेरी घबराहट भी बढ़ती जा रही थी। कुछ ही देर में अंबाला आने वाला था। आज सुबह की ट्रेन से मैं पापा के साथ दिल्ली गई थी। पुलिस इंस्पेक्टर की परीक्षा देने और अब वापिस लौट रही थी। वापस लौटते हुए ट्रेन में पापा की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। माइग्रेन के दौरे के कारण उन्हें चक्कर आने लगे थे और मितली भी। ऐसी तकलीफ उन्हें हर चार-छह महीने में कभी भी हो जाया करती थी। ऐसे में उन्हें दो दिनों तक पूरा आराम करना पड़ता था। ट्रेन ने रात के एक बजे अंबाला पहुंचना था। मुझे डर लग रहा था कि सर्दी की ठिठुरती रात में इस समय मैं पापा को संभाले हुए सुरक्षित घर तक कैसे पहुंचूंगी? घर से स्टेशन पर किसी को बुलाया भी नहीं जा सकता था। न मम्मी को और न छोटी बहन को। अंबाला के प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकी तो मैंने सहारा देकर पापा को डिब्बे से नीचे उतारा। फिर सहारा देकर उन्हें स्टेशन से बाहर ले आई। पापा निढाले से थे।

स्टेशन के बाहर पांच-सात ऑटो-रिक्शा खड़े थे, जिनके ड्राइवर कपड़े से मुंह, सिर ढंके स्टेशन से बाहर आती सवारियों से उनके गंतव्य के बारे में पूछ रहे थे। ऐसे किसी ड्राइवर से बात करने में भी मुझे डर लग रहा था। तभी न जाने कैसे मुझमें इतनी हिम्मत आ गई कि एक ड्राइवर को मैंने बड़ी आत्मविश्वास भरी रौबदार आवाज में शंकर नगर चलने के लिए कहा और पापा के साथ ऑटो-रिक्शा में बैठ गई। मुझे लगा पुलिस इंस्पेक्टर की परीक्षा से पहले ही असली परीक्षा मैंने पास कर ली है। ✻

-हरीश कुमार 'अमित'

खाका

अविनाश पुलिस महकमे का वरिष्ठ स्केच आर्टिस्ट था। उसके हाथों से बने खाके कभी गलत नहीं होते थे। एक शाम, एक सहमी हुई बुजुर्ग महिला उसके घर में हुई डकैती के गवाह के तौर पर एक शख्स का हुलिया बताने पहुंची। अविनाश ने कागज पर पेंसिल टिकाई। जैसे-जैसे महिला उस शख्स के माथे के कटे निशान, तीखी नाक और गहरी आंखों का ब्योरा देने लगी, अविनाश की अंगुलियां कांपने लगीं। कैनवास पर उसके अपने इकलौते बेटे का चेहरा उभर रहा था। अविनाश के भीतर भयंकर द्वंद्व छिड़ गया, एक कलाकार की निष्ठा और बाप के मोह के बीच। क्या वह लकीरों को बदलकर अपने बेटे को बचा ले? उसने भारी मन से, बिना कोई हेर-फेर किए बिल्कुल हूबहू वैसा चेहरा उकेरा, जैसा महिला ने बताया था और ड्रॉइंग शीट पुलिस अफसर की ओर बढ़ा दिया। तभी महिला स्केच देखकर रोते हुए बोली, 'हां साहब! यही वो जांबाज लड़का है, जिसने डकैतों से भिड़कर मेरी जान बचाई। अस्पताल में बेहोश पड़ा है, इसके घर खबर करवा दो।' अविनाश की कांपती अंगुलियों से पेंसिल छूटकर गिर गई। ✻

- देवेंद्रराज सुथार

आर्थिक आजादी की असली सुरक्षा कमाई के साथ जोखिम का भी बीमा

- बाढ़, आग, सड़क हादसे व साइबर ठगी जैसे जोखिम एक झटके में खत्म की रहे जमा पूंजी
- अब निवेश के साथ बीमा सुरक्षा को भी वित्तीय योजना का जरूरी हिस्सा बनाने की जरूरत

सुरक्षा
बिजनेस डेस्क

आर्थिक आजादी का मतलब सिर्फ अच्छी कमाई, बैंक में पर्याप्त पैसा या शेयर और म्यूचुअल फंड में निवेश होना नहीं है। असली आर्थिक मजबूती तब मानी जाती है, जब अचानक आने वाला बड़ा खर्च भी परिवार की वर्षों की बचत और निवेश को हिला न सके। बीमारी, सड़क हादसा, घर या दुकान में आग, प्राकृतिक आपदा और अब साइबर ठगी जैसे जोखिम कभी भी सामने आ सकते हैं। ऐसे में बीमा केवल किसी नुकसान की भरपाई का साधन नहीं, बल्कि पूरी वित्तीय योजना को सुरक्षित रखने वाली ढाल बन जाता है। अक्सर निवेशक अपनी संपत्ति बढ़ाने पर ज्यादा ध्यान देते हैं, लेकिन उस संपत्ति को जोखिम से बचाने की योजना पीछे छूट जाती है। उदाहरण के लिए किसी व्यक्ति ने कई वर्षों में बचत करके घर बनाया, बच्चों की पढ़ाई के लिए निवेश किया और सेवानिवृत्ति के लिए अलग कोष तैयार किया। यदि अचानक कोई बड़ा हादसा हो जाए और लाखों रुपये का खर्च सामने आ जाए तो वह व्यक्ति अपने निवेश को समय से पहले निकालने के लिए मजबूर हो सकता है। बाजार में गिरावट के समय निवेश बेचने की स्थिति पैदा हो जाए तो आर्थिक नुकसान और बढ़ सकता है।

वित्तीय योजना में सुरक्षा की चार परतें

एक मजबूत वित्तीय योजना को चार स्तरों में देखा जा सकता है। पहला, रोजमर्रा और अचानक आने वाले छोटे खर्चों के लिए आपातकालीन निधि। दूसरा, परिवार के लिए पर्याप्त जीवन बीमा। तीसरा, स्वास्थ्य और दूसरी जरूरी बीमा सुरक्षा। चौथा, लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए विविध निवेश। इन चारों को अलग-अलग उद्देश्य के साथ तैयार करने से किसी एक संकट का असर पूरी आर्थिक योजना पर नहीं पड़ता। इसके साथ ही नामांकित व्यक्ति की जानकारी, पॉलिसी दस्तावेज और दावा प्रक्रिया से जुड़े जरूरी कागजात परिवार के सदस्यों को भी पता होने चाहिए।

पॉलिसी लेते समय जल्दबाजी से बचें

बीमा खरीदते समय केवल प्रीमियम की राशि देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। बीमित राशि, जोखिम का दायरा, दावा निपटाने की प्रक्रिया, प्रतीक्षा अवधि, अपवर्जन और नवीनीकरण की शर्तों को ध्यान से पढ़ना जरूरी है। जीवन और स्वास्थ्य बीमा में अपनी वास्तविक जरूरत के मुताबिक कवरेज तय करना चाहिए। संपत्ति या कारोबार का बीमा लेते समय भी यह देखना जरूरी है कि पॉलिसी में वास्तविक संपत्ति और संभावित जोखिम पर्याप्त रूप से शामिल हैं या नहीं। किसी भी पॉलिसी में दावा करने की समयसीमा और जरूरी दस्तावेजों की जानकारी पहले से रखना बाद में परेशानी कम कर सकता है।

बीमा और निवेश की भूमिका अलग-अलग

वित्तीय योजना में बीमा और निवेश को एक-दूसरे का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए। निवेश का मुख्य उद्देश्य समय के साथ धन बढ़ाना है, जबकि बीमा का उद्देश्य बड़े जोखिम से आर्थिक सुरक्षा देना है। इसलिए पहले पर्याप्त बीमा सुरक्षा तैयार करना और उसके बाद लक्ष्य के मुताबिक निवेश बढ़ाना ज्यादा संतुलित रणनीति हो सकती है। जीवन बीमा परिवार के कमाने वाले सदस्य की अनुपस्थिति में आर्थिक सुरक्षा देता है। स्वास्थ्य बीमा अचानक आने वाले अस्पताल खर्च से बचाने में मदद करता है। वाहन बीमा सड़क दुर्घटना से जुड़े नुकसान को संभालने में उपयोगी है। घर और कारोबार के लिए संपत्ति बीमा आग, प्राकृतिक आपदा या अन्य निर्धारित जोखिमों में वित्तीय सुरक्षा दे सकता है। छोटे कारोबारियों के लिए यह सुरक्षा और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। दुकान, मशीनरी, माल और कारोबार से जुड़े जोखिमों के लिए उचित बीमा न होने पर एक दुर्घटना का असर केवल मालिक की संपत्ति पर नहीं, बल्कि पूरे कारोबार और कर्मचारियों की आय पर पड़ सकता है।

साइबर ठगी बना नया आर्थिक जोखिम

डिजिटल लेनदेन बढ़ने के साथ वित्तीय जोखिमों का स्वरूप भी बदल रहा है। पहले चोरी, आग या प्राकृतिक आपदा जैसे जोखिम प्रमुख माने जाते थे, अब साइबर ठगी भी आम व्यक्ति की आर्थिक सुरक्षा के सामने बड़ी चुनौती है। फर्जी बैंक कॉल, गलत लिंक, पहचान संबंधी जानकारी की चोरी और दूसरे डिजिटल धोखे से लोग अपनी जमा पूंजी गंवा सकते हैं। हालांकि हर तरह का साइबर नुकसान सामान्य बीमा से स्वतः सुरक्षित नहीं होता। इसलिए किसी भी साइबर सुरक्षा उत्पाद या बीमा योजना को लेने से पहले यह समझना जरूरी है कि उसमें किन परिस्थितियों में दावा स्वीकार किया जाता है और किन परिस्थितियों को बाहर रखा गया है। केवल बीमा खरीद लेना पर्याप्त नहीं है, उसकी शर्तों को समझना भी उतना ही जरूरी है।

कम बीमा, ज्यादा वित्तीय जोखिम

भारत में बड़ी आबादी अभी भी बीमा को निवेश या बचत का साधन मानकर खरीदती है। कई लोग केवल इसलिए पॉलिसी लेते हैं क्योंकि उसमें भविष्य में पैसा मिलने की उम्मीद होती है। इस सोच में जोखिम सुरक्षा का मूल उद्देश्य पीछे छूट सकता है। विशेषज्ञों की नजर में बीमा खरीदते समय पहला सवाल यह होना चाहिए कि परिवार या संपत्ति को वास्तविक रूप से कितनी सुरक्षा चाहिए। उसके बाद प्रीमियम, अवधि, कवरेज, अपवर्जन और दावा प्रक्रिया को देखना चाहिए। कम प्रीमियम देखकर ऐसी पॉलिसी चुनना जिसमें वास्तविक जोखिम के समय पर्याप्त भुगतान न मिले, वित्तीय योजना को कमजोर कर सकता है।

आपदा के समय निवेश बचाने का काम

बीमा का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह संकट के समय निवेश को समय से पहले तोड़ने की जरूरत कम कर सकता है। मान लीजिए किसी परिवार के पास बच्चों की शिक्षा और सेवानिवृत्ति के लिए अलग-अलग निवेश हैं। अचानक घर में आग लगने से बड़ा नुकसान हो जाता है। यदि पर्याप्त संपत्ति बीमा है तो नुकसान की भरपाई में बीमा मदद कर सकता है और परिवार को अपने दीर्घकालिक निवेश को तोड़ने से बचाया जा सकता है। इसी तरह स्वास्थ्य संबंधी बड़े खर्च के समय स्वास्थ्य बीमा परिवार की बचत पर पड़ने वाले दबाव को कम कर सकता है। इसका सीधा लाभ यह है कि निवेश को उसके निर्धारित लक्ष्य तक जारी रखने की संभावना बढ़ती है।

2047 की आर्थिक मजबूती में बीमा की बड़ी भूमिका

भारत जब विकसित अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब परिवारों की आय और संपत्ति के साथ उनके जोखिम भी बढ़ेंगे। अधिक घर, वाहन, कारोबार, डिजिटल लेनदेन और निवेश का मतलब यह भी है कि संभावित वित्तीय नुकसान का आकार बड़ा हो सकता है। इसलिए आने वाले समय में वित्तीय स्वतंत्रता का मतलब केवल ज्यादा कमाना और ज्यादा निवेश करना नहीं होगा। इसमें जोखिम का सही आकलन और पर्याप्त सुरक्षा भी शामिल होगी। निवेश से संपत्ति बनाने की प्रक्रिया जितनी जरूरी है, उसे किसी बड़े झटके से बचाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आर्थिक आजादी की असली परीक्षा उस समय होती है, जब जिंदगी अचानक योजना से बाहर चली जाती है। अगर उस समय परिवार को अपने बच्चों की पढ़ाई, घर के खर्च या भविष्य के निवेश को बचाने के लिए वर्षों की जमा पूंजी नहीं तोड़नी पड़े, तभी आर्थिक सुरक्षा को मजबूत कहा जा सकता है। इसलिए निवेश की रणनीति बनाते समय एक सवाल जरूर पूछा जाना चाहिए मैं कितना कमा और निवेश कर रहा हूं, इसके साथ यह भी कि अचानक बड़ा जोखिम आया तो मेरी बनाई हुई संपत्ति कितनी सुरक्षित है?

दुनिया की सबसे लंबी स्टील स्लैग रोड बनाकर जिंदल स्टील ने रचा इतिहास, बना गिनीज रिकॉर्ड

रायगढ़। रायगढ़ में जिंदल स्टील ने देश के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी ने फैक्ट्रियों से निकलने वाले स्टील कचरे (स्टील स्लैग) का 100% इस्तेमाल करके 1.85 किलोमीटर लंबी 4-लेन सड़क बनाई है। पूरी तरह से प्रोसेस किए गए स्टील स्लैग से बनी यह दुनिया की सबसे लंबी सड़क है, जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया है। शनिवार को इस सड़क का उद्घाटन नयी दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह एवं जिंदल स्टील लिमिटेड के चेयरमैन श्री नवीन जिंदल ने ऑनलाइन किया।

कचरे से कंचन (वेस्ट टू वेल्थ) का सपना साकार करने वाली इस सड़क के निर्माण में लगभग 2 लाख टन प्रोसेस्ड स्टील स्लैग का इस्तेमाल हुआ है। इससे प्राकृतिक पत्थरों की खुदाई और खनन पर निर्भरता खत्म हुई है। यह सड़क सिर्फ दिखाने के लिए नहीं, बल्कि भारी कमर्शियल गाड़ियों (ट्रक आदि) की आवाजाही को ध्यान में रखकर बेहद मजबूत बनाई गई है। इससे पैसे और संसाधनों की बचत होगी। पारंपरिक सड़कों के मुकाबले यह सड़क लगभग 35% पतली है और इसे बनाने में करीब 40% लागत की बचत हुई है।

जिंदल स्टील ने सीएसआईआर और सड़क अनुसंधान संस्थान के साथ मिलकर इस स्लैग को वैज्ञानिक प्रक्रिया (क्रशिंग, मेटल निकालना और ग्रेडिंग) के जरिए सड़क बनाने लायक पत्थरों में बदला और सड़क की सबसे निचली परत से लेकर ऊपरी डामर (बिटुमिन) की परत तक इसी का इस्तेमाल किया। सभी कड़े पर्यावरणीय परीक्षणों के बाद ही इसे मंजूरी दी गई है।

जिन्दल स्टील के चेयरमैन श्री नवीन जिंदल ने इस अवसर पर कहा कि भारत की तरक्की ऐसे नए प्रयोगों से होनी चाहिए जो पर्यावरण को बचाते हुए देश को फायदा पहुंचाएं। यह तकनीक दिखाती है कि कैसे उद्योग का कचरा देश निर्माण का जरिया बन सकता है। डॉ. जितेंद्र सिंह (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री) ने कहा कि यह प्रोजेक्ट 'वेस्ट टू वेल्थ' (कचरे से संपत्ति) के सपने को साकार करता है। यह साबित करता है कि हमारी स्वदेशी तकनीक से देश की बड़ी समस्याओं का हल निकाला जा सकता है। जिंदल स्टील ने इस प्रोसेस्ड स्लैग का नाम स्टील ग्रिट रखा है। इसका लोगो आज लोकार्पित किया गया। इस तकनीक को देश भर में बाकी सड़कों के निर्माण में इस्तेमाल करने के लिए एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। इस्पात संयंत्रों से निकलने वाले स्लैग का उच्च गुणवत्ता वाली सड़क निर्माण में उपयोग करने का मार्ग प्रशस्त करने वाली इस मील का पत्थर परियोजना का निर्माण जिंदल सीमेंट परियोजना स्थल को नेशनल हाइवे—49 से सीधे जोड़ने के लिए किया गया है। परियोजना के दौरान देश के कई प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने निरंतर दौरा कर इसका निरीक्षण किया एवं महत्वपूर्ण सुझाव दिए। विगत दिनों गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स की टीम ने भी रायगढ़ का दौरा कर स्थल का मुआयना किया। शनिवार को उद्घाटन समारोह के दौरान जिंदल स्टील लिमिटेड रायगढ़ के समस्त अधिकारी—कर्मचारी ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े।

गुल्लक से बाजार तक पहुंचा पैसा बदल रही बचत की तस्वीर

नकद, सोना और एफडी के साथ एसआईपी, म्यूचुअल फंड में लगा रहे पैसा छोटे निवेशकों की बढ़ती भागीदारी से तेज हो रहा वित्तीय बचत का दौर

सुझाव
बिजनेस डेस्क

भारतीय परिवारों के लिए पैसा बचाने का मतलब लंबे समय तक घर में नकद रखना, सोना खरीदना, जमीन लेना या बैंक की सावधि जमा में रकम लगाना रहा है। लेकिन अब इस सोच में धीरे-धीरे बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। परिवारों की बचत का एक हिस्सा बैंक और पारंपरिक साधनों से निकलकर म्यूचुअल फंड, एसआईपी और शेयर बाजार जैसे वित्तीय साधनों की ओर बढ़ रहा है। यानी बचत की पुरानी आदत खत्म नहीं हुई है, लेकिन उसके साथ निवेश की नई आदत तेजी से जुड़ रही है। इस बदलाव का सबसे बड़ा संकेत घरेलू बचत में वित्तीय साधनों की बढ़ती हिस्सेदारी है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 23 में घरेलू बचत में वित्तीय बचत की हिस्सेदारी करीब 27 फीसदी थी, जो वित्त वर्ष 25 में बढ़कर 33 फीसदी हो गई। वहीं, वित्त वर्ष 25 में प्रतिभूति बाजार के माध्यम से परिवारों की बचत का प्रवाह बढ़कर करीब 6.91 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि वित्त वर्ष 24 में यह करीब 3.58 लाख करोड़ रुपये था।

एफडी के साथ अब बाजार भी विकल्प

भारतीय परिवारों की वित्तीय मानसिकता में बदलाव का मतलब यह नहीं है कि बैंक जमा या एफडी का महत्व खत्म हो गया है। बैंक जमा आज भी बचत का बड़ा माध्यम है। लेकिन अब निवेशक अपने पूरे पैसे को एक ही जगह रखने के बजाय अलग-अलग साधनों में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। एक हिस्सा बैंक में तरल जरूरतों के लिए रखा जा रहा है, कुछ पैसा बीमा और सेवानिवृत्ति योजनाओं में जा रहा है और लंबी अवधि के लक्ष्य के लिए म्यूचुअल फंड या शेयर बाजार का रास्ता अपनाया जा रहा है। हालिया आंकड़ों में भी यही बदलाव दिखाई देता है। वित्त वर्ष 25 में घरेलू वित्तीय परिसंपत्तियों में म्यूचुअल फंड में प्रवाह करीब 4.7 लाख करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 24 के करीब 2.4 लाख करोड़ रुपये से काफी ज्यादा है।

एसआईपी ने बदली निवेश की आदत

म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़ने की एक बड़ी वजह एसआईपी का बढ़ता चलन है। पहले शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने के लिए लोगों को बड़ी रकम की जरूरत महसूस होती थी। एसआईपी ने इस धारणा को बदला है। अब नियमित अंतराल पर छोटी रकम निवेश करना संभव है। इससे निवेश बाजार में एकमुश्त पैसा लगाने के बजाय धीरे-धीरे निवेश करने की आदत में बदल रहा है। सरकार के एक हालिया आधिकारिक विवरण के मुताबिक वार्षिक घरेलू वित्तीय बचत में इक्विटी और म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 12 के करीब 2 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 25 में 15.2 फीसदी से ज्यादा हो गई। इसी अवधि में एसआईपी का औसत मासिक प्रवाह भी कई गुना बढ़ा है। यह बदलाव निवेश की संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि नियमित निवेश बाजार की तेजी या मंदी के बजाय निवेशक की वित्तीय दिनचर्या का हिस्सा बन सकता है।

छोटे शहरों से भी बढ़ी भागीदारी

बाजार आधारित निवेश को लंबे समय तक बड़े शहरों और ज्यादा कमाई वाले लोगों से जोड़कर देखा जाता था। डिजिटल प्लेटफॉर्म और आसान ऑनलाइन खाता खोलने की सुविधा ने इस तस्वीर को बदला है। अब निवेश शुरू करने के लिए बड़े शहर में रहना या किसी निवेश कार्यालय तक जाना जरूरी नहीं रह गया। मोबाइल फोन और डिजिटल भुगतान व्यवस्था ने वित्तीय उत्पादों तक पहुंच आसान की है। इससे छोटे शहरों और कस्बों के निवेशकों की भागीदारी बढ़ने का रास्ता खुला है। युवा निवेशकों के लिए यह बदलाव और ज्यादा स्पष्ट है। वे बचत को केवल भविष्य की जरूरत के लिए सुरक्षित रखने के बजाय उसे लंबी अवधि में बढ़ाने के विकल्प भी तलाश रहे हैं।

महिलाओं की भागीदारी अहम

बदलती बचत संस्कृति में महिलाओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो रही है। परिवार के वित्तीय फैसलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने के साथ निवेश के साधनों की समझ भी बढ़ रही है। महिलाएं अब केवल सोना या बचत खाते तक सीमित नहीं हैं। म्यूचुअल फंड, एसआईपी और दूसरे वित्तीय साधनों को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। इससे परिवार के निवेश निर्णय पहले की तुलना में ज्यादा विविध हो सकते हैं। हालांकि केवल निवेश खाता खोलना वित्तीय समझदारी की गारंटी नहीं है। बचत का पैसा बाजार तक पहुंचना निश्चित रूप से वित्तीय क्षेत्र के विस्तार का संकेत है, लेकिन इसके साथ जोखिम भी बढ़ता है। बैंक जमा और बाजार आधारित निवेश की प्रकृति अलग है। शेयर और इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड में रिटर्न निश्चित नहीं होता और बाजार में उतार-चढ़ाव का असर निवेश पर पड़ता है। यही वजह है कि बाजार में निवेश बढ़ने के साथ वित्तीय शिक्षा भी जरूरी हो जाती है। सिर्फ सोशल मीडिया पर किसी की सलाह देखकर शेयर खरीदना या बाजार तेजी में देखकर निवेश बढ़ाना जोखिमपूर्ण हो सकता है। निवेशक को अपने लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार निवेश का चुनाव करना चाहिए। छोटी अवधि की जरूरत का पैसा अत्यधिक जोखिम वाले साधनों में लगाने से बचना जरूरी है।

बचत से पोर्टफोलियो तक पहुंच रहा परिवार

भारतीय परिवारों की वित्तीय सोच में सबसे बड़ा बदलाव शायद यही है कि अब बचत को केवल एक जगह जमा करके रखने के बजाय अलग-अलग उद्देश्यों में बांटने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। घर का जरूरी खर्च और आपातकालीन जरूरतों के लिए सुरक्षित रकम, बच्चों की पढ़ाई के लिए अलग निवेश, सेवानिवृत्ति के लिए लंबी अवधि की योजना और संपत्ति बढ़ाने के लिए बाजार आधारित निवेश-यह सोच धीरे-धीरे जगह बना रही है। यानी परिवार अब केवल यह नहीं सोच रहा कि "पैसा कहां सुरक्षित रहेगा?", बल्कि यह भी पूछ रहा है कि "पैसा कितने समय में और किस लक्ष्य के लिए बढ़ सकता है?"

आने वाले वर्षों में और बढ़ सकता है वित्तीय निवेश

भारत की युवा आबादी, डिजिटल वित्तीय ढांचा और निवेश उत्पादों तक बढ़ती पहुंच इस बदलाव को आगे बढ़ा सकती है। हालिया आंकड़ों में भी वित्तीय परिसंपत्तियों की ओर बढ़ती रुचि साफ दिखाई देती है। हालांकि भारत में परिवारों की बड़ी संपत्ति अभी भी भौतिक परिसंपत्तियों में है।

पहली बार निवेश कर रहे हैं तो इन 5 गलतियों से बचें

निवेश की दुनिया में पहला कदम रखना जितना उत्साहजनक होता है, उतना ही महत्वपूर्ण यह समझना भी है कि शुरुआत कहां से और कैसे की जाए। अक्सर नए निवेशक किसी दोस्त की सलाह, इंटरनेट पर मिली जानकारी या बाजार में चल रही चर्चा के आधार पर पैसा लगाना शुरू कर देते हैं। लेकिन निवेश का सही तरीका किसी एक उत्पाद को चुनने से नहीं, बल्कि अपनी जरूरत, लक्ष्य, समय और जोखिम को समझने से शुरू होता है। नए निवेशकों के लिए कुछ बुनियादी नियम ऐसे हैं, जिन्हें शुरुआत में ही समझ लिया जाए तो आगे की कई वित्तीय गलतियों से बचा जा सकता है।

1. बीमा और निवेश को एक ही नजर से न देखें

भारत में कई परिवारों के लिए पहली बड़ी वित्तीय योजना जीवन बीमा होती है। इसलिए लोग बीमा पॉलिसी को निवेश का माध्यम भी मान लेते हैं। लेकिन दोनों का उद्देश्य अलग है। बीमा का प्राथमिक मकसद परिवार को वित्तीय जोखिम से सुरक्षा देना है, जबकि निवेश का लक्ष्य समय के साथ संपत्ति तैयार करना है। इसलिए जीवन बीमा की जरूरत हो तो अपनी परिस्थितियों के मुताबिक पर्याप्त सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए। वहीं धन बनाने के लिए अलग निवेश योजना बनाई जा सकती है। इससे निवेशक को यह समझने में मदद मिलती है कि वह कितना पैसा सुरक्षा के लिए और कितना पैसा संपत्ति बनाने के लिए लगा रहा है। निवेश में सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों में से एक है विविधता। अपनी पूरी रकम किसी एक ही साधन या संपत्ति वर्ग में लगाने से जोखिम बढ़ सकता है। अलग-अलग परिसंपत्ति वर्गों का प्रदर्शन एक जैसा नहीं होता।

सैलरी बढ़ने से नहीं, पैसे की सही चाल से बनती है दौलत

कमाई बढ़ने के साथ खर्च बढ़ा तो हाथ रह सकता है खाली

बचत को प्राथमिकता, नियमित निवेश, जीवनशैली पर नियंत्रण जरूरी

सालाना वित्तीय समीक्षा लंबे समय में बना सकती है मजबूत संपत्ति

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अच्छी नौकरी, बढ़ती सैलरी और हर साल मिलने वाली वेतनवृद्धि किसी भी व्यक्ति को आर्थिक रूप से मजबूत होने का भरोसा देती है, लेकिन ज्यादा कमाई अपने आप में दौलत की गारंटी नहीं है। कई बार आय बढ़ने के साथ खर्च भी उसी रफ्तार से बढ़ जाता है और महीने के अंत में बचत पहले जितनी ही रह जाती है। इसके उलट सीमित आय वाला व्यक्ति अगर खर्च पर नियंत्रण रखे, नियमित बचत करे और लंबे समय तक अनुशासन के साथ निवेश करता रहे तो वह अच्छी संपत्ति बना सकता है। यही वजह है कि धन बनाने की प्रक्रिया में कमाई के साथ पैसे को संभालने की आदतों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। वित्तीय विशेषज्ञों के मुताबिक आर्थिक मजबूती किसी एक बड़े निवेश या अचानक मिले बड़े रिटर्न से नहीं बनती। यह छोटे-छोटे लेकिन लगातार लिए गए सही वित्तीय फैसलों का परिणाम होती है।

पहली आदत : बचत बाद में नहीं, पहले

ज्यादातर लोगों की आर्थिक दिनचर्या कुछ ऐसी होती है कि पहले घर का खर्च, बिल, खरीदारी और दूसरी जरूरतें पूरी की जाती हैं और महीने के अंत में बची रकम को बचत में डालने की कोशिश होती है। समस्या यह है कि अक्सर महीने के अंत तक बचाने के लिए कुछ खास बचता ही नहीं।इसके बजाय वेतन आते ही बचत और निवेश की रकम अलग कर देना ज्यादा प्रभावी तरीका हो सकता है। उदाहरण के लिए किसी व्यक्ति की मासिक आय एक लाख रुपये है तो वह अपनी क्षमता के मुताबिक 20 से 30 हजार रुपये पहले ही बचत या नियमित निवेश के लिए अलग कर सकता है। इसके बाद बची रकम में महीने का खर्च चलाने की आदत बनाई जा सकती है। इसका फायदा यह है कि बचत इच्छा पर निर्भर नहीं रहती, बल्कि वित्तीय दिनचर्या का हिस्सा बन जाती है।

दूसरी आदतः बाजार के उतार चढ़ाव से घबराएं नहीं

निवेश शुरू करना आसान है, लेकिन बाजार में गिरावट आने पर निवेश जारी रखना ज्यादा मुश्किल होता है। शेयर बाजार में तेजी के दौरान निवेशक उत्साहित होते हैं और गिरावट में कई लोग डरकर निवेश रोक देते हैं या जल्दबाजी में अपनी हिस्सेदारी बेच देते हैं। लंबी अवधि के निवेश में सबसे महत्वपूर्ण चीज नियमितता और अनुशासन है। निवेश का तरीका व्यक्ति की आय, जोखिम उठाने की क्षमता और वित्तीय लक्ष्य के अनुसार होना चाहिए। भविष्य के लक्ष्य के लिए अलग-अलग साधनों में निवेश का संतुलन बनाया जा सकता है। कर्मचारी भविष्य निधि, सार्वजनिक भविष्य निधि, पेंशन योजनाएं, म्यूचुअल फंड और अन्य साधनों की भूमिका व्यक्ति की जरूरत के अनुसार अलग हो सकती है।

तीसरी आदत : आय बढ़े तो पूरा खर्च न बढ़ाएं

सैलरी बढ़ने के साथ जीवनशैली में बदलाव स्वाभाविक है। समस्या तब शुरू होती है जब आय में हुई हर वृद्धि का बड़ा हिस्सा नए खर्च में चला जाता है। बेहतर कार, महंगा मोबाइल, बड़ा घर, बाहर खाना और बार-बार छुट्टियों पर खर्च जैसी चीजें धीरे-धीरे मासिक बजट का हिस्सा बढ़ा देती हैं। इसे जीवनशैली की महंगाई कहा जा सकता है। इससे बचने का आसान तरीका यह है कि वेतनवृद्धि का पूरा फायदा खर्च में न लगाया जाए।

चौथी आदत : बीमा को निवेश नहीं, सुरक्षा मानें

वित्तीय योजना में बीमा की भूमिका को लेकर अक्सर भ्रम रहता है। कई लोग बीमा को भी निवेश की तरह देखते हैं और रिटर्न की तुलना करने लगते हैं। जबकि बीमा का मूल उद्देश्य बड़े वित्तीय जोखिम से सुरक्षा देना है। स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति में अस्पताल का बड़ा खर्च वर्षों की बचत पर भारी पड़ सकता है। पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा ऐसी स्थिति में बचत और निवेश को अचानक निकालने की जरूरत कम कर सकता है। इसी तरह परिवार के कमाने वाले सदस्य के साथ अनहोनी होने पर जीवन बीमा परिवार की आर्थिक जरूरतों को संभालने में मदद कर सकता है। इसलिए निवेश की योजना बनाने से पहले जरूरी जोखिमों के लिए पर्याप्त सुरक्षा तैयार करना समझदारी है। बीमा का चुनाव केवल प्रीमियम देखकर नहीं, बल्कि कवरेज और शर्तों को समझकर करना चाहिए।

पांचवीं आदत : साल में एक बार पूरे पैसे का हिसाब

निवेश शुरू करने के बाद उसे भूल जाना भी सही रणनीति नहीं है। आय, खर्च, कर्ज, बीमा और निवेश की स्थिति समय के साथ बदलती रहती है। इसलिए साल में कम से कम एक बार पूरी वित्तीय स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए। इस समीक्षा में देखा जा सकता है कि पिछले वर्ष कितना पैसा बचा, निवेश कितना बढ़ा, कर्ज कितना कम हुआ और क्या मौजूदा निवेश अभी भी तय लक्ष्य के मुताबिक है। आय बढ़ने पर निवेश की रकम बढ़ाई जा सकती है।

दौलत बनाने का असली सूत्र

धन निर्माण को एक सरल क्रम में समझा जा सकता है। कमाई बढ़ाएं, बचत पहले करें, जोखिम से सुरक्षा लें, नियमित निवेश करें और समय-समय पर समीक्षा करते रहें। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि निवेश के लिए छोटी रकम से शुरुआत करके समय के साथ निवेश बढ़ाना अधिक व्यावहारिक हो सकता है। नियमित निवेश लंबे समय में चक्रवृद्धि का फायदा मिलने की संभावना बढ़ती है। अमीर बनने का फार्मूला या रातोंरात पैसा दोगुना करने वाली योजना नहीं है। मजबूत संपत्ति आमतौर पर लगातार किए गए छोटे वित्तीय फैसलों से बनती है।

चांदी की गणेश मूर्तियों पर भी महंगाई की मार, इस बार चांदी के पॉलिश वाली मूर्तियों का ही ज्यादा कारोबार

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

गणेश चतुर्थी पर जहां एक तरफ घर-घर गणपति विराजेंगे, वहीं इस अवसर पर प्रदेशभर में गणेश की चांदी की मूर्तियों का भी बड़ा कारोबार होता है, लेकिन इस बार चांदी के दाम बहुत ज्यादा होने के कारण इस बार बाजार में चांदी की पॉलिश वाली मूर्तियां ज्यादा बिक रही हैं। इनकी कीमत 100 रुपए से प्रारंभ होकर 15 सौ रुपए तक है। जहां तक चांदी की मूर्तियों का सवाल है तो वे भी बाजार में उपलब्ध हैं, लेकिन इनकी खरीदारी कम हो रही है। चांदी की अगर दस ग्राम की मूर्ति लेंगे तो उसके दाम करीब चार हजार रुपए हैं। ऐसी मूर्तियां लेने वाले उच्चवर्ग के लोग ही हैं। गणेशोत्सव का प्रारंभ 14 सितंबर से हो रहा है, लेकिन इसके पहले ही सराफा बाजार में इस बार चांदी के बजाय चांदी की पॉलिश वाली मूर्तियां बिक

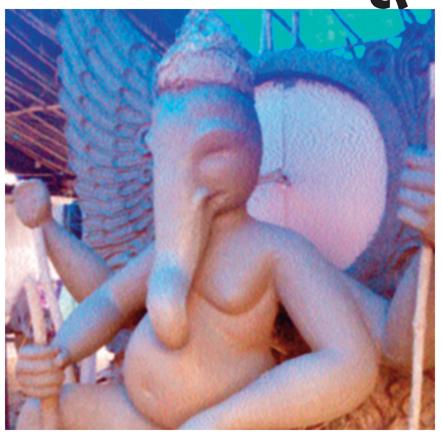

रही हैं। ये मूर्तियां मुंबई और कोलकाता से राजधानी के कारोबारियों के पास पहुंची हैं। यहां से प्रदेशभर के शहरों में छोटे कारोबारी मूर्तियां लेकर गए हैं। प्रदेशभर में इसका भी बड़ा कारोबार होता है।

चांदी की पॉलिश वाली मूर्तियों के दाम कम होने के कारण इसका ज्यादा क्रेज है। 100 रुपए से प्रारंभ होकर काफी बड़ी साइज की मूर्ति के दाम 1500 रुपए हैं। ऐसे में हर वर्ग के लोग इसे खरीद रहे हैं। एक तो जहां घरों में मिट्टी के गणेश की प्रतिमा स्थापित की जाती है, वहां पर भी लोग ऐसी मूर्तियों को रखते हैं, साथ ही इसको गिफ्ट के रूप में भी दिया जाता है। राजधानी के सबसे बड़े थोक कारोबारी लक्ष्मीनारायण लाहोटी के मुताबिक, 600 से 700 रुपए में 16 गुणा 18 के कांच के फ्रेम में बड़ी साइज की गणेश की चांदी की पॉलिश वाली मूर्ति बेच रहे हैं। इसी के साथ 12 गुणा 9 इंच के साइज वाली मूर्ति के दाम 360 रुपए हैं। जिसका जितना बजट है, उसके हिसाब से ऐसी मूर्तियां उपलब्ध हैं। ऐसा नहीं है कि बाजार में चांदी की गणेश की मूर्तियां नहीं हैं, लेकिन इस बार इसकी शुरुआती कीमत ही चार हजार रुपए है। दस ग्राम की मूर्ति के इतने दाम हैं। ज्यादा वजन वाली मूर्ति के दाम ज्यादा है। दस से 20 हजार वाली मूर्तियां भी हैं। बीते साल इन मूर्तियों के शुरुआती दाम डेढ़ हजार रुपए थे, क्योंकि तब चांदी के दाम करीब सवा लाख थे, लेकिन अब चांदी के दाम करीब ढाई लाख हैं तो इसके दाम डबल से भी ज्यादा हो गए हैं। बीते साल प्रदेशभर में चांदी की मूर्तियां का एक करोड़ से ज्यादा का कारोबार हुआ था, इस बार इसका कारोबार बहुत कम होगा, लेकिन चांदी की पॉलिश वाली मूर्तियां का 50 लाख से ज्यादा का कारोबार होगा। चांदी के दाम ज्यादा होने के कारण लोगों को अब चांदी की पॉलिश वाली मूर्तियां ज्यादा पसंद आ रही हैं। इसकी जमकर खरीदारी हो रही है।

डिप्टी सीएम साव का अधिकारियों को निर्देश- गणेश समितियों को अनावश्यक परेशान न करें

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शनिवार को गणेश उत्सव को लेकर समितियों को होने वाली परेशानियों का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बिलासपुर में अधिकारियों से कहा, किसी भी गणेश समिति को अनावश्यक परेशान न किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गणेश समितियों से चर्चा कर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराएं और अनावश्यक प्रक्रिया और परेशानी से समितियों को बचाया जाए। श्री साव ने कहा, गणेश उत्सव आस्था और उत्साह का पर्व है।

प्रशासन आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराने में सहयोग करे

प्रदेशभर में गणेश समितियां श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजन करती हैं। आयोजन में समितियों को प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग मिलना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सभी गणेश समितियों से भी आग्रह किया है कि उन्हें किसी प्रकार से परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। पूरे प्रदेश में उत्साह और भक्तिभाव के साथ गणेश उत्सव का आयोजन हो, इसके लिए प्रशासन आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करेगा।

चना बीज घोटाले में दोषी पाए जाने के बावजूद एफआईआर नहीं, जिपं उपाध्यक्ष ने कृषि अधिकारी को घेरा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

- जिंप उपाध्यक्ष ने उठाया सवाल- घोटालेबाज अधिकारियों को क्यों बचा रहा विभाग

रायपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में एक के बाद एक लगातार विभिन्न बीज वितरण में फर्जीवाड़े के मामले सामने आ चुके हैं। इनमें अभनपुर क्षेत्र में चना बीज वितरण घोटाला और तिल्दा क्षेत्र में चना और गेहूं बीज अधिक दर पर किसानों को बेचे जाने के मामलों में कार्रवाई भी की गई है, लेकिन यह कार्रवाई खानापूर्ति साबित हुई है। इनमें एक मामले में विभागीय जांच में दोषी पाए जाने के बाद भी दो ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के खिलाफ अब तक एफआईआर नहीं कराई गई है, वहीं दूसरे मामले में जांच में दोषी पाए जाने पर सस्पेंड किए गए कृषि विस्तार अधिकारी को बहाल कर दिया गया है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष संदीप यदु ने इस मामले में कृषि विभाग की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने जिला अधिकारी सतीश अवस्थी को घेरते हुए कहा कि घोटाला करने वाले अधिकारियों को आखिर क्यों बचाया जा रहा है?

जिला पंचायत की सामान्य सभा की हुई बैठक में एक बार फिर हरिभूमि द्वारा प्रकाशित किए गए चना बीज घोटाला तथा रागी फसल प्रदर्शन में फर्जीवाड़ा के मामले उठे। तिल्दा क्षेत्र की सदस्य स्वाति वर्मा ने रागी फसल प्रदर्शन फर्जीवाड़े का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि एक अखबार में इस फर्जीवाड़ा की बात सामने आई है, जिसमें किसानों ने स्वीकार किया है कि उन्हें न ही रागी बीज विभाग की ओर से मिले और न ही उनके द्वारा फसल लगाई गई। इस मामले में सफाई देते हुए कृषि उपसंचालक सतीश अवस्थी ने बताया कि इस मामले की विभाग की टीम बनाकर जांच कराई गई है। जांच के दौरान किसानों से भी बातचीत की गई। किसानों ने उन्हें लिखित में बयान दिया है कि उन्होंने भूलवश मीडिया में रागी बीज नहीं मिलने एवं फसल नहीं लगाने की बात कह दी। इस पर सदस्य स्वाति वर्मा ने किसानों को बीज वितरण तथा उनके द्वारा फसल लगाई गई थी, इसका प्रूफ के तौर लाइव फोटो के साथ दस्तावेजों की जानकारी मांगी है। कृषि अधिकारी ने बाद में दस्तावेज उपलब्ध कराने की बात कही है।

सस्पेंड अधिकारी को किया बहाल

तिल्दा क्षेत्र में भी किसानों को बेचे गए गेहूं बीज बोरी के पीछे 290 रुपए और चना बीज के पीछे 268 रुपए ज्यादा वसूल किया गया था। इस मामले की जांच संभाग स्तरीय टीम ने की थी। जांच में शिकायत, आरोप सही पाए गए थे। इस मामले में ग्रामीण विस्तार अधिकारी एवं सेक्शन इंचार्ज कृष्ण कुमार अनुरागी को सस्पेंड किया था।

सस्पेंशन के बाद उन्हें जिला कृषि कार्यालय में अटैच किया गया था, लेकिन अब उन्हें बहाल करते हुए धरसींवा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

विभागीय जांच में दोषी पाए गए दो कृषि विस्तार अधिकारी

अभनपुर ब्लॉक के गोबरा नवापारा तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भुरका, तोरला, टीला, चंपारण सहित आसपास गांव में चना बीज वितरण में दो ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी मिथिलेश साहू एवं विनय कुमार सिंह ने बड़ा घोटाला किया है। इन दोनों ने 100 हेक्टेयर की जगह सिर्फ 5.73 हेक्टेयर में चना फसल का प्रदर्शन कराया था। इस तरह 94.7 हेक्टेयर जमीन के लिए किसानों को चना बीज का वितरण नहीं कर उसे बाजार में बेच दिया। इस मामले की शिकायत पर तहसील स्तर पर कमेटी बनाकर जांच कराई थी, जिसमें दोनों अधिकारी दोषी पाए गए थे। इस जांच के बाद विभाग ने अपने स्तर पर जांच कराई, जिसमें भी दोनों को दोषी पाया गया। हालांकि विभागीय जांच में घोटाले का आंकड़ा पहले से कम पाया गया है, इसलिए विभाग ने बीज घोटाले के एवज में मिथिलेश से 53 हजार 30 रुपए और विनय से 9 हजार 360 रुपए की रिकवरी कर एक नियमित वार्षिक वेतनवृद्धि रोकी है।

पीएम आवास की पात्रता का दायरा बढ़ा, 9 साल से शहर में रह रहे परिवारों को भी मौका

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 के तहत आवास पाने के लिए निवास की वैधता की कटऑफ तारीख अब 31 अगस्त 2015 के बजाय 31 अगस्त 2024 कर दी गई है। राज्य सरकार के इस फैसले से 2015 के बाद शहरों में आकर बसे पात्र परिवार भी योजना के दायरे में आ सकेंगे। हालांकि केवल नई कटऑफ तारीख पूरी करने से आवास का अधिकार स्वतः नहीं मिलेगा। हितग्राहियों को योजना के अन्य निर्धारित मापदंडों के अनुसार पात्रता, दस्तावेज और सत्यापन की प्रक्रिया से गुजरना होगा।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर सभी नगरीय निकायों को संशोधित प्रावधान के अनुसार पात्र हितग्राहियों के चिन्हांकन, सत्यापन और आवास आवंटन की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने निकायों के आयुक्तों और मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को 15 दिनों के भीतर नए पात्र हितग्राहियों को भागीदारी में किफायती आवास (एएचपी) का लाभ दिलाने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने कहा है। राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमीत अग्रवाल को इसकी नियमित निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है। सरकार

का कहना है कि शहरी क्षेत्रों में आबादी बढ़ने और आवासीय जरूरतों में बदलाव को देखते हुए कटऑफ में संशोधन किया गया है। इससे किराये के मकानों, अस्थायी बस्तियों या अपर्याप्त आवासीय परिस्थितियों में रह रहे पात्र परिवारों को योजना में शामिल करने का दायरा बढ़ेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य शहरी गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, कटऑफ बढ़ने से अधिक पात्र परिवार पक्के आवास के लाभ से जुड़ सकेंगे। वहीं उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने कहा, नए प्रावधान से एएचपी परियोजनाओं में हितग्राही चयन और योजनाबद्ध बसाहट को गति मिलेगी। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 के एएचपी घटक के तहत अब तक 36,969 आवास स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 29,267 आवास पूरे हो चुके हैं, जबकि 7,702 आवास निर्माणाधीन हैं। पूर्ण आवासों की संख्या स्वीकृत आवासों की करीब 79 फीसदी है। बताया गया है कि एएचपी के तहत निर्मित और उपलब्ध आवासों में से 30,438 आवासों का आबंटन किया जा चुका है। इनमें 21,923 परिवार आवासों में रहना शुरू कर चुके हैं। ऐसे में नए हितग्राहियों के चयन से उन आवास परियोजनाओं में बसाहट बढ़ाने की कोशिश होगी, जहां अभी आवास उपलब्ध हैं।

केंद्र-राज्य से अनुदान, हितग्राही अंशदान भी

एएचपी के तहत स्लम में रहने वाले शहरी गरीब आवासहीन परिवारों के लिए केंद्र सरकार की ओर से प्रति आवास 1.50 लाख रुपए और राज्य सरकार की ओर से 2.50 लाख रुपए का अनुदान दिया जाता है। हितग्राही अंशदान 75 हजार रुपए निर्धारित है, जिसे आसान किस्तों में जमा करने की सुविधा दी गई है। इसी तरह किराये के मकान में रहने वाले कमजोर आयवर्ग के पात्र परिवारों के लिए केंद्र से प्रति आवास 1.50 लाख रुपए अनुदान और राज्य की ओर से आवास निर्माण के लिए निशुल्क भूमि उपलब्ध कराने का प्रावधान बताया गया है। इस श्रेणी में हितग्राही अंशदान 3.25 लाख रुपए है।

एकलव्य विद्यालय में छात्र की आत्महत्या मामला कांग्रेस ने बनाई 7 सदस्यीय जांच समिति

रायपुर। बालोद जिले के विकासखंड मुख्यालय डौंडी स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय में ग्राम सीवागहन, खेरथा निवासी कक्षा 10वीं के छात्र द्वारा फांसी लगाकर की गई आत्महत्या की घटना की जांच के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सात सदस्यीय जांच समिति गठित की है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के निर्देश पर गठित समिति की संयोजक, पूर्व मंत्री एवं विधायक अनिला भेंडिया को बनाया गया है। समिति में विधायक कुंवर सिंह निषाद, संगीता सिन्हा, सावित्री मंडावी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी, पीसीसी के संयुक्त महामंत्री कृष्णा दुबे और पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष विकास चोपड़ा को सदस्य बनाया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जांच समिति के सदस्य तत्काल विद्यालय परिसर और ग्राम सीवागहन का दौरा करेंगे।

बिरगांव निगम चुनाव : कांग्रेस की बैठक आज, दावेदारों से सीधे संवाद करेंगे पर्यवेक्षक

आगामी चुनावी रणनीति पर विस्तार से होगी चर्चा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

बिरगांव नगर निगम चुनाव की तैयारियों को लेकर कांग्रेस की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक रविवार 13 सितंबर को दोपहर 2 बजे रावांभाठा स्थित होटल एंट्री पॉइंट में होगी। बैठक में निगम चुनाव के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक डॉ. शिवकुमार डहरिया और सहप्रभारी मोतीलाल देवांगन व लेखराम साहू बिरगांव पहुंचकर संगठन के पदाधिकारियों और चुनावी दावेदारों से सीधा संवाद करेंगे।

रायपुर ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे के मुताबिक, बैठक में बिरगांव निगम की जमीनी राजनीतिक स्थिति, संगठन की तैयारियों और आगामी चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा होगी। पर्यवेक्षक और प्रभारी वर्तमान पार्षदों, छाया पार्षदों, मंडल एवं ब्लॉक अध्यक्षों तथा महापौर-पार्षद पद के दावेदारों से उनकी राय और क्षेत्रीय परिस्थितियों की जानकारी लेंगे।

बैठक में रायपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुमार शंकर मेनन, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, रायपुर ग्रामीण विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी पंकज शर्मा, बिरगांव महापौर नंदलाल देवांगन, सभापति कृपाराम निषाद और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष योगेंद्र सोलंकी सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेता व संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

बिरगांव निगम में 40 वार्ड हैं। हाल ही में सभी वार्डों का आरक्षण तय होने के साथ महापौर पद सामान्य महिला के लिए आरक्षित किया गया है। आरक्षण की स्थिति बदलने के बाद कांग्रेस में दावेदारों के समीकरण भी बदलने की संभावना है। बैठक में इसी के मद्देनजर वार्डवार स्थिति और संभावित प्रत्याशियों को लेकर चर्चा होगी। हालांकि चुनाव की तारीख अभी घोषित नहीं हुई है, कांग्रेस दिसंबर में चुनाव की संभावना को देखते हुए संगठन को पहले से सक्रिय कर रही है। पर्यवेक्षक वर्तमान और छाया पार्षदों को जनसंपर्क, वार्ड स्तर पर संगठन मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय और चुनावी प्रबंधन को लेकर दिशा-निर्देश देंगे। वहीं दावेदारों से स्थानीय मुद्दों और उनकी चुनावी तैयारियों की जानकारी ली जाएगी।

आरक्षण के बाद बदले राजनीतिक समीकरणों के बीच यह बैठक टिकट दावेदारों की सक्रियता और संगठन की चुनावी दिशा तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री बंजारे ने कहा, सभी स्तरों के संगठन को एकजुट कर वार्डवार मजबूत तैयारी और बेहतर समन्वय के साथ चुनाव मैदान में उतरने की रणनीति बनाई जाएगी।

दो सगे भाइयों समेत तीन एनीकट में डूबे

हरिभूमि न्यूज : धरसींवा/रायपुर

- एक ही दिन, दो एनीकट और तीन मौतें, धरसींवा में पानी में समाई जिंदगियां

क्षेत्र के एनीकट में डूबे दो सगे भाइयों सहित एक अन्य ब्यक्ति की दर्दनाक मौत से पूरा धरसींवा इलाका थर्रा उठा है। एक ही दिन में तीन-तीन जिंदगियां पानी में समा जाने से जहां कपसदा और मुर्रा गांव में मातम का सन्नाटा पसरा हुआ है, वहीं एनीकेटों और नदी घाटों पर सुरक्षा के नाम पर बनी प्रशासनिक लापरवाही को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा है।

पहली दिल दहला देने वाली घटना ग्राम कपसदा स्थित भैरव बाबा एनीकट की है, जहां शुक्रवार शाम करीब 4 बजे गांव के ही दो सगे भाई जितेंद्र लसेल (25 वर्ष) और वीरेंद्र लसेल एनीकेट के पास घूमने गए थे। इसी दौरान एक भाई का पैर फिसल गया और वह सीधे गहरे पानी में जा गिरा। अपनी आंखों के सामने भाई को डूबता देख दूसरे भाई ने भी उसे बचाने के लिए बिना सोचे-समझे एनीकट में छलांग लगा दी। एक-दूसरे को बचाने की इस कोशिश में दोनों भाई पानी के तेज बहाव और खतरनाक गहराई में समा गए। हादसे की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची धरसींवा पुलिस और रेस्क्यू टीम ने तुरंत खोजबीन शुरू की। करीब 10 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने छोटे भाई जितेंद्र का मृत शरीर पानी से बाहर निकाला। वहीं शनिवार शाम 6 बजे तक बड़े भाई वीरेंद्र का कोई सुराग नहीं मिल सका था। अंधेरा बढ़ने के कारण राहत कार्य रोकना पड़ा, जिसके बाद रविवार सुबह पुलिस और रेस्क्यू टीम एक बार फिर वीरेंद्र के शव की तलाश में एनीकेट में उतरेगी।

शुक्रवार को ही मुर्रा स्थित खारुन नदी के एनीकट में गांव के 48 वर्षीय मोहित यादव के काफी देर तक घर न लौटने पर ग्रामीणों ने तलाश शुरू की, तो नदी किनारे उनके कपड़े लावारिस हालत में मिले। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस और रेस्क्यू टीम ने दूसरे दिन मोहित यादव का शव पानी से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

ग्रामीणों में इस बात को लेकर आक्रोश है कि खतरनाक एनीकटों पर न तो चेतावनी के बोर्ड लगाए गए हैं और न ही सुरक्षा के कोई इंतजाम किए गए हैं। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से ऐसे संवेदनशील स्थलों पर तुरंत बैरिकेडिंग कराने और सुरक्षा गार्ड तैनात करने की मांग की है।

डिलीवरी रूम में विशेषज्ञों की भारी कमी, नर्सों और चिकित्सा अधिकारियों के भरोसे हेल्थ सेंटरों में हो रहा प्रसव

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

राज्य के जिला अस्पताल एवं विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव की प्रक्रिया नर्सिंग स्टाफ और चिकित्सा अधिकारियों के भरोसे पूरा हो रही है। इसकी बड़ी वजह डिलीवरी रूम में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों का नहीं होना है। वैसे तो राज्य में इन विशेषज्ञ डाक्टरों के 306 पद स्वीकृत हैं, मगर काम करने वालों की संख्या 100 भी नहीं है। विशेषज्ञ डाक्टरों का टोटा कई बार सरकारी अस्पतालों में प्रसव प्रक्रिया के दौरान विपरीत परिणाम लेकर सामने आता है। रायगढ़ जिले के लैलूंगा में दो दिन पहले मातृ शिशु हास्पिटल में प्रसव उपरांत नवजात की मौत के बाद स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों की कमी का मामला पुनः बड़ा सवाल बनकर सामने आया है। आरोप है कि यहां स्त्रीरोग विशेषज्ञ का पद रिक्त है और वहां पदस्थ नर्सिंग स्टाफ के भरोसे प्रसव की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। रायगढ़ जिला ही नहीं, राज्य के लगभग सभी जिलों के सरकारी अस्पताल इन विशेषज्ञों की कमी से जूझ रहे हैं। स्थिति तो ऐसी है कि कई जिलों के अस्पतालों में इनकी उपलब्धता शून्य वाली स्थिति में है। आंकड़ों के मुताबिक, राज्य के सरकारी अस्पतालों में इन विशेषज्ञ डाक्टरों के 306 पद स्वीकृत हैं, जिसमें काम करने वालों की संख्या करीब 90 यानी 30 प्रतिशत है।

राशिफल

मेष — मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन — कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क — किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह — परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या — संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला — नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक — मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

मकर — किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ — आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन — शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

शब्द पहेली - 6346

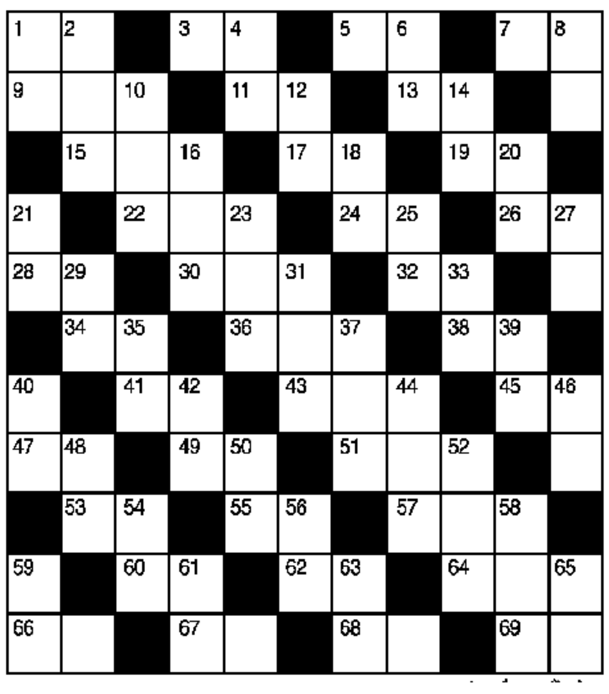

बाएँ से दाएँ
1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे
1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टोंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली- 6345 का हल

	ल	ज्जा	त	दा	र		क	र	त	ब
म	त		क		ज	टि	ल		या	र
न		क	श	मा	त		म	य		ग
भा	गी	दा	र		प	ल		म	द	द
व		चा		अ	ट	ल			श	
न	ज	र	बं	द		का	न	भ	र	ना
	मी			र	व	र		ह		म
अ	न	ल		क	र		अ	क	ब	र
म		ता	क		क	त	र	ना		ख
रू	ह		ह	ल	वा		दा		आ	ना
द	म	दा	र		स	न	स	ना	ना	

सूडोकु नवताल- 6356

★★★★☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6355 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

18वां ब्रिक्स सम्मेलन झलकियां

नई दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे 18वें ब्रिक्स समिट के दौरान शनिवार को एक जॉइंट ट्री प्लांटेशन इनिशिएटिव हुआ, इसमें सभी मेहमान राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ।

सम्मेलन में पीएम मोदी, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन।

इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबिय अहमद के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र

नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल

ब्रिक्स सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक तनाव पर जताई चिंता

ग्लोबल पावर एक पिरामिड की तरह कुछ देश ही ले रहे दुनिया का फैसला

राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में हो रहा है 18वां ब्रिक्स सम्मेलन

भारत के प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स देशों के सामने रखे कई अहम प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स देशों के सामने कई अहम प्रस्ताव रखे. उन्होंने ब्रिक्स पर अगले समिट तक एक रोडमैप बनाने के लिए भी कहा। इस दौरान उन्होंने वैश्विक तनाव को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि आज सबसे ज्यादा संकट 'ग्लोबल साउथ' झेल रहा है, लेकिन फैसले के दौरान उसकी कोई खास भूमिका नहीं है।

पीएम मोदी ने कहा कि ग्लोबल पावर एक पिरामिड की तरह है, जहां ऊपरी देशों के पास पावर और डिसीजन मेकिंग है और इनकी संख्या कम है। वहीं नीचे की ओर, ज्यादा देश हैं और वे इन फैसलों से प्रभावित भी हो रहे हैं और संकट भी झेल रहे हैं, लेकिन फैसला लेने में इनका कोई रोल नहीं है। इसे बदलने की आवश्यकता होगी।

ग्लोबल गर्वनेंस का प्रस्ताव

पीएम मोदी ने कहा कि अगली समिट तक ब्रिक्स को अपने रोडमैप तैयार करना चाहिए। अध्यक्षता कोई भी करे, हमारा लक्ष्य नहीं बदलना चाहिए। पीएम मोदी ने ग्लोबल गर्वनेंस को लेकर 10 प्रस्ताव भी पेश किए। उन्होंने आगे कहा कि ब्रिक्स देशों को रिप्रेजेंटेशन रिस्पॉन्सिबिलिटी और रूल मेकिंग पर ध्यान रखना होगा और इसी आधार पर रोडमैप तैयार करना होगा। रिप्रेजेंटेशन का मतलब यूएन काउंसिल में रिफॉर्म टाला नहीं जा सकता है। निश्चित समय सीमा और स्पष्ट परिणाम से जोड़ना होगा। आज की पॉलिसी के हिसाब से ग्लोबल गर्वनेंस पर फोकस रखना चाहिए। सभी देशों की वोटिंग पावर, रूलर मेकिंग और अन्य में हिस्सेदारी होनी चाहिए। आज ग्लोबल साउथ देश भी समस्याओं का समाधान करने में सक्षम हैं। ब्रिक्स देशों को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि जिन देशों का वैश्विक व्यापार में बहुत बड़ा योगदान है, उन देशों को भी ग्लोबल डिसीजन मेकिंग में शामिल करना होगा।

व्यापार सहयोग बढ़ाने पर भी बात

पीएम मोदी ने ब्रिक्स देशों को व्यापार बढ़ाने के लिए भी कहा. विश्व के तहत समान भागीदारी तैयारी करना बेहद जरूरी है। एआई, बॉयो, टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाना होगा, रूल टेकर से रूल गिवर की ओर बढ़ना होगा। सभी देशों को समान भागीदारी के साथ काम करना होगा। पीएम मोदी का इस बयान को इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि दुनिया में जियो-पॉलिटिकल तनाव चल रहा है और कुछ देशों की लड़ाई की वजह से बाकी देश झेल रहे हैं।

सबसे कम कीमत पर
Handmade Jewellery
Gold Rate (x) * with Making %

22k Gold Value	Making Charges	Total %
91.6% +	2.99% =	94.59%

Jewellery Price* per 10 grams.
₹ 1,44,559/-
making charges included
anand® Gold
पंडरी, रायपुर

ब्रिक्स सहयोग के दो दशक स्मारक डाक टिकट जारी

नई दिल्ली। ब्रिक्स के दो दशक पूरे होने के उपलक्ष्य में, 12 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दो स्मारक डाक टिकट जारी किए गए। 'ब्रिक्सः टू डिकेड्स ऑफ कोऑपरेशन, 2006–2026' / 'ब्रिक्सः सहयोग के दो दशक, 2006–2026' लिखे हुए इस स्मारक डाक टिकट के माध्यम से बातचीत और सहयोग के एक महत्वपूर्ण मंच के तौर पर ब्रिक्स के विकास का उत्सव मनाया जा रहा है। ये दोनों डाक टिकट भारत की 2026 की ब्रिक्स की अध्यक्षता की प्राथमिकताओं को भी दर्शाते हैं, जिसकी थीम हैः 'सुदृढ़ता, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण।' जहां पहला डाक टिकट आपसी सम्मान, समझ और एकजुटता की भावना वाले एक मंच के तौर पर ब्रिक्स के उभरने को दर्शाता है, वहीं दूसरा डाक टिकट भारत की अध्यक्षता के 'मानवता सबसे पहले' और 'जन केन्द्रित' विजन एवं लोगो को दर्शाता है।

भारतीय कला-संस्कृति से हुईं रूबरू ब्रिक्स बाजार में ईरानी राष्ट्रपति की बेटी

18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान, दिल्ली के नेशनल क्राफ्ट्स म्यूजियम में लगा ब्रिक्स बाजार भी लोगों का ध्यान खींच रहा है, जहां रंग-बिरंगे टेक्सटाइल, हैंडीक्राफ्ट और अलग-अलग देशों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिल रही है। इस बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान की बेटी जहरा पेजेशकियान भी अपने पति हसन मजीदी के साथ नेशनल क्राफ्ट्स म्यूजियम में आयोजित ब्रिक्स बाजार पहुंचीं। जहां उनके साथ केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी भी मौजूद रहीं।

भारतीय संस्कृति की खूबसूरत झलक

ज़हरा पेजेशकियान इस दौरान ब्रिक्स बाजार में लगे अलग-अलग पवेलियन का दौरा किया।यहां ब्रिक्स मेंबर्स और साझेदार देशों की कला, हैंडीक्राफ्ट, हैंडलूम और टेक्सटाइल की झलक देखने को मिली। दोनों ने भारतीय पवेलियन का भी दौरा किया और देश की पारंपरिक कला एवं सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखा।

15 सितंबर तक चलेगा ब्रिक्स बाजार

ब्रिक्स बाजार का आयोजन मिनिस्ट्री ऑफ टेक्सटाइल्स और विदेश मंत्रालय की ओर से नेशनल क्राफ्ट्स म्यूजियम एंड हस्तकला अकादमी में किया गया है। बाजार की शुरुआत 10 सितंबर को हुई है और यह 15 सितंबर तक चलेगा। यहां आने वाले लोगों को पारंपरिक हैंडीक्राफ्ट, हैंडलूम प्रोडक्ट्स, टेक्सटाइल और कई अन्य क्रिएटिव प्रोडक्ट्स को देखने का मौका मिल रहा है।

मलेशिया पीएम के साथ ऊर्जा, रक्षा पर वार्ता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ शनिवार को वार्ता की और इस दौरान ऊर्जा, रक्षा, व्यापार एवं निवेश समेत विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। अनवर ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नयी दिल्ली आए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर कहा, 'फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति को आगे बढ़ाते हुए दोनों नेताओं ने व्यापार एवं निवेश, रक्षा, सेमीकंडक्टर, बुनियादी ढांचा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों समेत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की प्रगति की समीक्षा की।' जायसवाल ने कहा कि दोनों नेताओं ने आपसी हितों से जुड़े प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

राजकुमारी डायना की सुर्खियां बटोरने वाली 'रिवेंज ड्रेस' हो रही नीलाम

दुनिया को अलविदा कहने के सालों बाद भी ब्रिटेन की पूर्व राजकुमारी डायना लाखों दिलों पर राज करती हैं। उनका फैशन सेंस आज भी महिलाओं के स्टाइल को प्रेरित करता है और उनके प्रतिष्ठित लुक्स की खूब चर्चा होती है। डायना के पहने हुए कई कपड़े करोड़ों में नीलाम हो चुके हैं। इसी कड़ी में अब उनकी सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाली 'रिवेंज ड्रेस' भी नीलामी के लिए उपलब्ध हो रही है।

इस ड्रेस के पीछे छिपी है रोचक कहानी

डायना ने इस ड्रेस को सितंबर, 1994 की उस शाम को पहना था, जब उनके तलाक के बाद महाराजा चार्ल्स तृतीय ने एक शो के दौरान अपने अफेयर की बात स्वीकार की थी। यही कारण था कि इसे रिवेंज ड्रेस नाम दिया गया और इसके बाद से कई महिलाओं ने तलाक के बाद ऐसे स्टाइल को अपनाया। काले रंग के सिल्क से बनी इस बॉडीकॉन ड्रेस में डायना ने सर्पेंटाइन गैलरी में प्रवेश करते ही लोगों को चौका दिया था।

फैशन के इतिहास में खास स्थान रखती है यह ड्रेस

डायना ने उस दिन इस ड्रेस को एक शाही मोतियों और रत्न वाले चोकर के साथ पहना था। साथ ही उन्होंने अंगूठी, ब्रेसलेट, काली हील सैंडल और क्लच वाला बैग भी स्टाइल किया था। सोथबी में हैंडबैग और फैशन की ग्लोबल हेड मॉर्गन हलिमी ने कहा, यह ड्रेस बहुत खास है, क्योंकि इसकी विरासत सिर्फ डिजाइन तक ही सीमित नहीं है। इसे पहनकर डायना ने अपना आत्म-मूल्य दर्शाया था और दिखाया था कि मुश्किल वक्त ने भी उन्हें तोड़ा नहीं।

कब और कहां होगी इस ड्रेस की नीलामी

साल 1997 के बाद अब यह ड्रेस एक बार फिर नीलामी के लिए उपलब्ध है। क्रिस्टीना स्टैम्बोलियन द्वारा डिजाइन की गई इस ड्रेस को सोथबी नामक नीलामीघर इस साल 9 दिसंबर को नीलाम करेगा। इस महीने इसे सोथबी के लंदन स्थित नीलामीघर में प्रदर्शित किया जाएगा। इसके बाद इसे हांगकांग, जिनेवा और अंत में न्यूयॉर्क ले जाया जाएगा, जहां इसे बेचा जाएगा। इसकी अनुमानित कीमत 1.42 से 2.84 करोड़ रुपये के बीच लग सकती है।

डायना की स्टाइलिस्ट उन्हें देना चाहती थीं सबसे खास लुक

सोथबी ने इस ड्रेस की नीलामी की घोषणा प्रेस रिलीज के जरिए की है। इसमें कहा गया कि 1997 के बाद यह पहली बार है, जब यह ड्रेस नीलामी के लिए पेश की गई है। 1997 में डायना ने चैरिटी के लिए पैसे जुटाने के मकसद से अपनी 79 ड्रेस बेची थीं, जिनमें से एक यह भी थी।

इंसानों की नौकरी बचाने के लिए प्रदर्शन करने लगे रोबोट, लोग बोले- भगवान का शुक्र है

पोलेंड। एआई और रोबोट ने आज पूरी दुनिया को बदल कर रख दिया है। एआई की वजह से लोगों की नौकरियों पर खतरा मंडराने लगा है और कई बड़ी टेक कंपनियों से हजारों लोग नौकरी से बाहर किए जा चुके हैं। ऐसे में एआई और टेक्नोलॉजी की वजह से जब लोगों की रोजी-रोटी पर संकट में आया तो रोबोट्स सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करने उतर आए। रोबोट्स का यह विरोध प्रदर्शन एआई पर मजबूत निगरानी के लिए कानून बनाने की मांग को लेकर था। जिसके चलते इंसानों के नौकरियों पर संकट पैदा हुआ है।

हाथों में बैनर पोस्टर लेकर रोबोट्स का प्रदर्शन : रोबोट के विरोध प्रदर्शन का मामला पोलैंड है।

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (CIVIL), CSPGCL,
Shed No. 11, Dangania, Raipur-492013 Phone No. 0771-2574562,
website www.cspc.co.in E-mail:- civilprojectcmg@gmail.com

No.04-04/W/1057 Raipur, date 10.09.2026

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from contractors registered in appropriate class in CSPGCL in three-part tendering system. The unregistered contractor having experience in Govt./Public Sector Undertaking/Local bodies/Power Generating Companies/Private Sector in India only may be considered on submission of experience certificate for following work as mentioned below:-

Tender Specifi. No.	Name of Work	NIT value
CEC/ABVTPS-MRW/W/2026/74	Design, Engineering, Supply, Construction, Installation and Commissioning of Swimming pool with allied works at residential colony premises of 2x500 MW ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa	90.40 Lacs

Note:- (i) The detailed NIT, Eligibility Criteria, Tender document & other details can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal.(ii) NIT value is inclusive of GST @ 18%.

Chief Engineer (Civil)
CSPGCL, Raipur

SAVE ELECTRICITY

CAVEAT NOTICE

That, the Department of Urban Administration and Development, State of Chhattisgarh has scheduled the general local body elections in local urban bodies to be held in December 2026 / January 2027 and has carried out the delimitation and reservation exercises in compliance with statutory frameworks, ensuring administrative efficiency and public interest. The administrative actions cover 15 remaining urban local bodies (including Municipal Corporations like Bhilai, Risali, Birgaon, and Bhilai-Charoda) and 02 newly formed urban local bodies (Nagar Panchayat Tamnar and Nagar Panchayat Badi Kareli). The processes of ward delimitation and category-wise/gender-wise reservation for the post of Mayor, President and Ward Councilors thereof are being executed strictly under the relevant provisions of the Chhattisgarh Municipal Corporation Act, 1956, the Chhattisgarh Municipalities Act, 1961, and the Chhattisgarh Municipalities (Reservation of Wards for SC, ST, OBC and Women) Rules, 1994.

It is apprehended that the aggrieved persons / proposed petitioners may approach this Hon'ble Court challenging the finalized statutory proceedings concerning ward delimitation (parisiman) and reservation (arakshan) for the upcoming general local body elections scheduled to be held in the month of December 2026 / January 2027 and the processes of ward delimitation and category-wise/gender-wise reservation carried out under the relevant rules governing the field, by way of preferring petitions and may pray for an interim order against the same as well. In the event of filing of such a petition, it would be imminent in the interest of justice to afford an opportunity of being heard to the Caveator/State Government before passing any order whatsoever.

The address for notice to the caveator is being given hereinbelow.

"The Advocate General,
Office of the Advocate General,
Chhattisgarh High Court
Campus,Bodri, Bilaspur (CG.)"

BILASPUR
DATED
Seal
(PRAVEEN DAS ADDL. AG)
COUNSEL FOR THE CAVEATOR / STATE

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निरस्तीकरण

प्रशासनिक कारणों से निम्नलिखित टेंडर नोटिस नंबर 11–एसएनटी–प्रोजे.–आर–टेंडर–26, दिनांक 07.08.2026, अंतिम तिथि 08.09.2025 को रद्द कर दिया गया है।

निविदा सूचना संख्या : 1–एसएनटी–प्रोजे.–आर–टेंडर–26, दिनांक 07.08.2026 |

कार्य का नाम : रायपुर डिवीजन के दुर्ग–दल्लीराजहरा सेक्शन में रिसामा (RSA), गुण्डरदेही (GDZ), लाटाबोर (LBO), बालोद (BXA) और कुसुमकसा (KYS) स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की व्यवस्थाय साथ ही रिसामा (RSA) और लाटाबोर (LBO) में नई लूप लाइन का प्रावधान।

राशि : ₹ 60,82,28,970.71/-।

उप मुख्य संकेत एवं दूर. इंजी./परि.
सीपीआर/10/401 द.पू.म. रेलवे, रायपुर
South East Central Railway X@secrail

न्यायालय तहसीलदार सकरी, जिला बिलासपुर (छ.ग.)
ईश्तहार
मा.क्र./........./2025–26, ग्राम सकरी, तहसील सकरी

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम सकरी, प.ह.न. 54 तहसील सकरी, जिला बिलासपुर को सूचित किया जाता है कि विषयांतर्गत संदर्भित पत्र द्वारा डेयरी समग्र विकास योजना अंतर्गत बिलासपुर में नवीन डेयरी संयंत्र की स्थापना हेतु 10 एकड़ भूमि आबंटित किये जाने हेतु आग्रह किया गया था। इस संबंध में सूचित किया जाता है कि प्रस्तावित परियोजना हेतु छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग से स्वीकृति प्राप्त हो गई है। साथ ही उक्त प्रस्ताव को RIDF योजना के अंतर्गत नाबार्ड (NABARD) को प्रेषित किया को प्रेषित किया जा चुका है, जिसके शीघ्र ही अनुमोदित होने की अपेक्षा है। अतः उपरोक्त प्रगति को ध्यान में रखते हुए तथा परियोजना को आगे बढ़ाने हेतु बिलासपुर में दुग्ध महासंघ को 10 एकड़ उपयुक्त भूमि ग्राम सकरी में स्थान वन रक्षित आफिस के पीछे खसरा नंबर 31/1, 31/2, 32, 35/3/क, 35/4, 34/1, 34/2, 34/3 के चिन्हांकन एवं आबंटन हेतु आवश्यक कार्यवाही करने हेतु यह पत्र प्राप्त हुआ है।

इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति दावा हो तो अपना आपत्ति दावा दिनांक 24/09/26 तक इस न्यायालय में पेश कर सकते है। इसके बाद में आने वाले आपत्ति दावों पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 09/09/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

तहसीलदार
सकरी

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड
केन्द्रीकृत रोजगार अधिसूचना(सीईएन) संख्या 05/2026
सत्यमेव जयते

पारा मेडिकल श्रेणी के विभिन्न पदों हेतू भर्ती
(संकेतात्मक सूचना)

पात्र उम्मीदवारों से **पारा मेडिकल श्रेणी** के विभिन्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन **केवल ऑनलाइन माध्यम** से ही जमा किए जाने चाहिए। (https://www.rrbapply.gov.in)

आवेदन प्रारंभ होने की तिथि : 15/09/2026 (अनंतिम)
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 14/10/2026 (23:59 बजे) (अनंतिम)

पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार पे लेवल	चिकित्सा मानक	दिनांक 01.01.2027 को आयु	अनंतिम रिक्तियां (सभी आरआरबी)
पारा मेडिकल श्रेणी के विभिन्न पदों हेतू	पे लेवल 3 से पे लेवल 7	विस्तृत सीईएन के अनुसार	विस्तृत सीईएन के अनुसार	560

नोटः
1. उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरते समय आधार का उपयोग करके अपने प्राथमिक विवरण को सत्यापित कर लें, ताकि गैर–आधार सत्यापित आवेदनों के लिए भर्ती प्रक्रिया के हर चरण में होने वाली विस्तृत जांच के कारण असुविधा और अतिरिक्त देरी से बचा जा सके।
2. आधार का उपयोग करके सफल सत्यापन प्राप्त करने के लिए, आधार में नाम और जन्मतिथि को दसवीं कक्षा उत्तीर्ण प्रमाण पत्र में अंकित पूरा नाम और जन्मतिथि के साथ 100% मिलान करने के लिए अपडेट किया जाना चाहिए। इसी तरह, ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले आधार को नवीनतम फोटो और बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट और आईरिस) के साथ अपडेट करना होगा।
3. यह सूचना पूर्ण रूप से सांकेतिक प्रकृति की है, जिसे केवल संभावित उम्मदवारों को आगामी सीईएन (CEN) के बारे में सूचित करने और आवेदन हेतु आवश्यक प्रमाण पत्रों व दस्तावेज़ों को तैयार करने के उद्देश्य से जारी की गई है। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि भर्ती से संबंधित सभी नियमों, शर्तें, पात्रता मानदंड, प्रक्रियाएँ और अन्य आवश्यकताएं पूर्णतः विस्तृत सीईएन सं. 05/2026 (साथ ही समय–समय पर जारी किए जाने वाले शुद्धिपत्र सहित) के अनुसार ही मान्य होगी, जो विशेष रूप से सभी आरआरबी की एकीकृत वेबसाइट :https://rrb.indianrailways.gov.in. पर प्रकाशित कि जायेगी। उम्मीदवार इस एकीकृत वेबसाइट से अलग–अलग आरआरबी के वेबपेज पर जा सकते हैं।

संख्या - आरआरबी/आरएनसी/एडीबीटी./सीईएन/05/2026
दिनांकः 13/09/2026

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

"जालसाजों, दलालों, नौकरी दिलाने वालों और ठगों से सावधान रहें"

प्रथम पृष्ठ का शेष

बड़ा सवाल- गांजा तस्करी ...

अधिकारी जब्त गांजे के साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं। उसके बाद यह सवाल जस का आया कहां से और उसके पीछे का नेटवर्क क्यों नहीं तोड़ा जा रहा। उल्लेखनीय है कि विधानसभा के बजट सत्र में गृहमंत्री विजय शर्मा ने एक सवाल के जवाब में बताया था कि पिछले 13 महीनों में राज्य में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के 1,434 मामलों में 2,599 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 20,089 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। लेकिन सवाल यह है कि इतनी बड़ी मात्रा में गांजा पकड़े जाने के बाद भी राजधानी के शहरों, कस्बों और मोहल्लों में इसकी उपलब्धता खत्म क्यों नहीं हुई? सप्लाई करने वाले आकाओं और रैकेट को ध्वस्त क्यों नहीं किया गया। पुलिस दावा करती है कि गांजा तस्करों पर शिकंजा कसा जा रहा है। लेकिन हरिभूमि की पड़ताल में तस्वीर कुछ और ही निकलकर आई। पता चला कि गांजा अभी भी गलियों तक पहुंच रहा है। बस...तस्करों ने तरीके और इलाके थोड़ा बदल दिए हैं।

रायपुरः बदला गांजा ...

बुलाने के बजाय अलग-अलग स्थान बताए जा रहे हैं, ताकि पुलिस को लगातार एक ही ठिकाने पर निगरानी का मौका न मिले। हरिभूमि की पड़ताल में सामने आया कि आमानाका के कुकुरबेड़ा, श्याम नगर, कुशालपुर और पंडरी बस्ती क्षेत्र में सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे के बीच गांजे की बिक्री की जा रही है। तस्करों ने चार से अधिक जगहों को बिक्री के लिए इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। एक जगह पर बार-बार बिक्री करने के बजाय ग्राहक को दूसरी जगह भेजा जाता है।

कुकुरबेड़ा में पुराने ....

वहां स्कूटी में एक युवक मिलेगा। इसी दौरान गांजा लेने पहुंच एक अन्य व्यक्ति को हॉकी स्टेडियम रोड की ओर जाने के लिए कहा गया। टीम जब बताए गए स्कूल रोड पर पहुंची, तो स्कूटी सवार युवक ने 100 रुपए में गांजे की पुड़िया दी।

पहले से दी जाती है ग्राहक को सूचना

पहले युवक ने दूसरे युवक को ग्राहक के गांजा लेने आने की जानकारी दे दी थी। यही वजह रही कि दूसरे स्थान पर मौजूद गांजा बेचने वाले युवक को ग्राहक को पहचानने में परेशानी नहीं हुई। तस्करों ने करीब आधा दर्जन स्थान बनाए हुए हैं। इन जगहों पर एक बार में केवल एक व्यक्ति को गांजा दिया जा रहा है। दिनभर एक ही स्थान से लगातार बिक्री नहीं की जाती। ग्राहक को नई जगह बताकर वहां भेजा जाता है और वहीं से गांजा उपलब्ध कराया जाता है।

सवाल सिर्फ जब्ती ...

में 100-100 रुपए की पुड़िया आसानी से मिल रही है, तो यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि आखिर पुलिस की कार्रवाई तस्करों की किस कड़ी तक पहुंच रही है और कौन-सी कड़ी हर बार बच जा रही है? हरिभूमि की पड़ताल में रायपुर, दुर्ग और अन्य जिलों में गांजा आसानी से उपलब्ध होने की तस्वीर सामने आना बताता है कि केवल जब्ती से समस्या खत्म नहीं हो रही। जरूरत उस पूरी सप्लाई लाइन को तोड़ने की है, जो गांजे को दूसरे राज्यों से लेकर शहर की गली तक पहुंचाती है।

दुर्ग-भिलाई : कालेज, स्कूल ...

इससे भी ज्यादा खतरा हाइड्रोपोनिक गांजा का है जो विदेशों से भिलाई-दुर्ग समेत प्रदेश में पहुंच रहा है। दुर्ग पुलिस ऑपरेशन विश्वास के तहत इस बड़े गिरोह का भंडाफोड़ भी कर चुकी है। यह गांजा सिर्फ पानी और खास पोषक तत्वों की मदद से लैब या बंद कमरों में उगाया जाता है। यह आम गांजे के मुकाबले कई गुना ज्यादा नशीला और महंगा होता है। हाइड्रोपोनिक्स में जड़ों को सीधे खनिज युक्त पानी में रखा जाता है। इसमें मिट्टी की जगह कोको कॉयर, रॉकवूल, पर्लाइट जैसे माध्यमों का इस्तेमाल किया जाता है, जो केवल जड़ों को सहारा देते हैं, पोषण नहीं। हाइड्रोपोनिक गांजा की सप्लाई भिलाई-दुर्ग में सबसे ज्यादा खेप बैंकॉक(थाईलैंड) से ही आती है। म्यांमार, अमेरिका, कनाडा और यूरोप आदि जगहों से देश भर में सप्लाई हो रही है। माह अप्रैल 2026 में दुर्ग पुलिस ने हाइड्रोपोनिक गांजा की बड़ी सप्लाई चेन का भंडाफोड़ करते पकड़ा था।

गांजा के गोरखधंधे ...

सुनसान इलाके में गांजा बेचा जा रहा है। 100 रुपये का गांजा पैकेट इन क्षेत्रों में आसानी से उपलब्ध हो रहा है। वहीं 25 ग्राम के पैकेट के लिए 800 रुपये देकर आर्डर करने पर दो घंटे बाद उपलब्ध कराया जा रहा है।

आतंकवाद पर ब्रिक्स ...

खिलाफ इस समूह का एकजुट रुख सामने आया। घोषणापत्र में सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर बात करते हुए, सदस्य देशों ने पहलगाम में 22 अप्रैल, 2025 को हुए आतंकवादी हमले की निंदा की, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी और कई अन्य लोग घायल हो गए थे। ब्रिक्स घोषणापत्र में पिछले साल पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकवादी हमले का स्पष्ट रूप से जिक्र करते हुए कहा गया, हम आतंकवाद के किसी भी कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं और इसे आपराधिक व अनुचित मानते हैं, चाहे उसका उद्देश्य कुछ भी हो, और उसे कभी भी, कहीं भी या किसी ने भी अंजाम दिया हो। आतंकवाद के सभी रूपों और तरीकों से निपटने के अपने संकल्प को दोहराते हुए, सदस्य देशों ने आतंकवादियों की सीमा-पार आवाजाही, आतंकवाद के लिए वित्तपोषण और पनाहगाहों से निपटने का आह्वान किया। संयुक्त बयान में कहा गया, हम दोहराते हैं कि आतंकवाद को किसी धर्म, राष्ट्रीयता, सभ्यता या जातीय समूह से नहीं जोड़ा जाना चाहिए और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल तथा उन्हें समर्थन देने वाले सभी लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और संबंधित राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत उन्हें न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए। घोषणापत्र में आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कहा गया, हम आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति सुनिश्चित करने और आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदंडों को खारिज करने की अपील करते हैं। हम आतंकवाद से निपटने में देशों की मुख्य जिम्मेदारी पर जोर देते हैं।

सबसे अहम बातें...

पनाह देने वालों के खिलाफ मिलकर कार्रवाई पर जोर।

आतंकियों की जवाबदेही तय हो : आतंकियों और आतंकी संगठनों के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई की बात।

संयुक्त राष्ट्र की आतंकरोधी संधि जल्द बने : अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर प्रस्तावित संधि को जल्द अपनाने की मांग।

ब्रिक्स के मूल सिद्धांत मजबूत होंगे : आपसी सम्मान, संप्रभु समानता, एकजुटता और सहमति से फैसलों पर जोर।

एकतरफा टैरिफ की निंदा : एकतरफा टैरिफ और व्यापारिक पाबंदियों पर चिंता जताई गई। कहा कि ऐसे कदम डब्ल्यूटीओ के नियमों के अनुरूप होने चाहिए।

परमाणु खतरा : परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के खतरे और बढ़ते वैश्विक तनाव पर चिंता जताई गई।

भारत की अध्यक्षता की सराहना : ब्रिक्स देशों ने भारत की अध्यक्षता में हुए ब्रिक्स प्लस और आउटरीच संवाद की सराहना की।

सीमा पर शांति ....

और भारत एक-दूसरे की ताकत से सीख सकते हैं और साझा विकास हासिल कर सकते हैं। उन्होंने दोनों देशों से व्यापक ब्रिक्स सहयोग के उच्च गुणवत्ता वाले विकास के लिए मिलकर काम करने का भी आग्रह किया। चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने पीएम मोदी से कहा कि चीन भारत के साथ अपने संबंधों को 'रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण' से देखता है।

केशकाल में देवताओं ...

स्वरूपों को लेकर ग्रामीण केशकाल थाना परिसर पहुंचे। यहां देवी-देवताओं ने परंपरा के तहत थाने में हाजिरी दी। इस दौरान पुलिस विभाग की ओर से देवी-देवताओं का श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया। पुलिस विभाग की ओर से अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अरुण नेताम, नगर निरीक्षक विकास बघेल सहित पुलिस स्टॉफ ने थाना परिसर पहुंचे देवी-देवताओं का सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया। पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने परंपरा के अनुरूप उनका स्वागत किया। थाना परिसर में इस दौरान श्रद्धालुओं और ग्रामीणों की मौजूदगी से धार्मिक वातावरण देखने को मिला। भंगाराम जात्रा की पहचान यहां आयोजित होने वाली "देवताओं की अदालत" की अनूठी परंपरा से भी है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार देवी-देवताओं से संबंधित मामलों और परंपराओं को लेकर यहां विशेष रस्में निभाई जाती हैं। इसी अनूठी धार्मिक परंपरा को देखने के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग केशकाल पहुंचते हैं, देवताओं पर फैसला कल रविवार को होगा।

बालिकाओं के साथ यौन दुर्व्यवहार, कलेक्टर..

फिलहाल सात छात्राओं की ओर से शिकायत किए जाने की बात सामने आई है। शिकायत में छात्राओं और पालकों के हस्ताक्षर हैं। गौरतलब है कि इस कन्या आवासीय विद्यालय में छटवीं से लेकर बारहवीं तक वर्तमान में 341 छात्राएं अध्ययनरत है। मिली जानकारी के मुताबिक शिकायत करने वाली छात्राएं कक्षा 9वीं की हैं।

रायपुर में 25 लाख, पूरे प्रदेश में डेढ़ करोड़ ...

मंत्रियों को भी कमान सौंपी गई हैं। आशीर्वाद दीये के आयोजन के प्रभारी डिप्टी सीएम विजय शर्मा हैं। भाजपा संगठन ने 17 सितंबर से लेकर 17 अक्टूबर तक एक माह का कार्यक्रम तय किया है। इसमें रोज अलग-अलग कार्यक्रम होंगे। पहले दिन का कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर होगा। इस कार्यक्रम का नाम आशीर्वाद दीया रखा गया है। इसके लिए प्रदेश भाजपा संगठन ने बड़ी तैयारी की है।

सभी एक दीया जलाकर पीएम को ...

नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने घर में एक दीप जलाकर प्रधानमंत्री को अपना आशीर्वाद प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया, आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधि, महिला स्वसहायता समूहों की दीदियों तथा प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों की विशेष भागीदारी रहेगी। इस दौरान आम नागरिक एवं विभिन्न योजनाओं के हितग्राही भी अपने घरों में एक दीप जलाकर अपनी शुभकामना और आशीर्वाद व्यक्त करेंगे।

सीएम हाउस में छत्तीसगढ़ी रंग, तीजा- पोरा...

छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए खास महत्व रखने वाला पर्व है। यह त्योहार मायके, परिवार और रिश्तों से जुड़ी भावनाओं को सामने लाता है। आयोजन में महिलाओं की बड़ी भागीदारी ने तीजा की पारंपरिक रौनक को और बढ़ा दिया। मुख्यमंत्री निवास में महिलाओं ने उत्साह के साथ पर्व मनाया।

लखपति बन रहीं हमारी बहनें

सीएम श्री साय ने अपने संबोधन के दौरान कहा, हमारी बहनें लखपति बन रही हैं। महतारी वंदन योजना और लखपति दीदी योजना से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। तीज-त्योहार की परंपरा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, आज बहनों को अपने मायके की याद आ रही होगी, पर आप अपने भाई के यहां आई हैं। सीएम श्री साय ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार काम कर रही है। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आई महिलाओं ने छत्तीसगढ़ी गीतों पर नृत्य किया और तीजा-पोरा की परंपराओं को जीवंत किया। बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने भी महिलाओं को तीजा-पोरा की शुभकामनाएं दीं और सरकार की योजनाओं की जानकारी दी।

39वें नेशनल गेम्स की तैयारी तेज, 40वें ...

दोनों बैठकों की अध्यक्षता मुख्यमंत्री व छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष विष्णु देव साय ने की। बैठक की शुरुआत महासचिव डॉ. विक्रम सिंह सिसोदिया ने अध्यक्ष की अनुमति से एजेंडे के अनुसार बैठक की कार्यवाही शुरू की। उन्होंने सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इसमें विगत वर्ष राज्य के खिलाड़ियों द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी सदन के समक्ष रखी गई। कोषाध्यक्ष संजय मिश्रा ने वर्ष 2025-26 की ऑडिट रिपोर्ट अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की। इसके साथ ही वर्ष 2026-27 का वार्षिक बजट भी सदन के समक्ष रखा गया और अनुमोदन की प्रक्रिया पूरी की गई। वर्ष 2026-27 के लिए ऑडिटर के नाम पर भी चर्चा की गई और कोषाध्यक्ष द्वारा नाम सदन के समक्ष रखा गया। बैठक में छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री एवं छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष केदार कश्यप, सांसद एवं एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विजय बघेल, उपाध्यक्ष हिमांशु द्विवेदी, महासचिव डॉ. विक्रम सिंह सिसोदिया, कोषाध्यक्ष संजय मिश्रा सहित एसोसिएशन के पदाधिकारी, राज्य खेल संघों एवं जिला खेल संघों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

40वें नेशनल गेम्स की मेजबानी के लिए छत्तीसगढ़ का दावा

आगामी 39वें नेशनल गेम्स को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई। महासचिव डॉ. विक्रम सिसोदिया ने बताया कि जनवरी या फरवरी 2027 में मेघालय में 39वें नेशनल गेम्स होना तय हो चुका है। उन्होंने सभी खेल संघों से तैयारियां शुरू करने और ऐसी प्लानिंग तैयार करने को कहा, जिससे छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी अधिक से अधिक पदक जीत सकें। उन्होंने खेल संघों से अपनी योजना छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ एवं खेल विभाग को उपलब्ध कराने की बात कही, ताकि उसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया शुरू की जा सके। 40वें नेशनल गेम्स को लेकर महासचिव डॉ. विक्रम सिंह सिसोदिया ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नेशनल गेम्स को छत्तीसगढ़ में आयोजित कराने के लिए केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया व भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा को पत्र लिखा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं भी संबंधित स्तर पर मुलाकात कर छत्तीसगढ़ को नेशनल गेम्स की मेजबानी दिए जाने का आग्रह किया है। उन्होंने यह भी बताया कि इसके लिए छत्तीसगढ़ की ओर से 2.5 करोड़ रुपए पहले ही जमा किए जा चुके हैं।

गंगरेल के 6 गेट खोले, महानदी में बाढ़...

छोड़ा गया था। इससे नदी में बाढ़ की स्थिति बन गई है। बाद में पानी की आवक घटने पर जावक भी घटाकर 10400 क्यूसेक कर दिया गया है। अभी बांध के 6 गेट खोलकर पानी नदी में छोड़ा जा रहा है। जिला प्रशासन ने लगातार बारिश को देखते हुए नदी के तटीय इलाकों में लोगों को सावधान रहने के लिए कहा है। चारामा, कांकेर, केशकाल सहित गंगरेल बांध के अन्य कैचमेंट क्षेत्र में भी शुक्रवार की दोपहर अच्छी बारिश हुई। नदी नालों के जरिए यह पानी महानदी में पहुंचा और देर रात महानदी में पानी की धार तेज हो गई। गंगरेल बांध में आवक बढ़ने से रात में पानी की जावक बढ़ाकर 53 हजार क्यूसेक कर दी गई थी। पानी की इतनी ज्यादा मात्रा छोड़े जाने से महानदी में बाढ़ के हालात बन गए थे। हालांकि महानदी की क्षमता इससे ज्यादा पानी डिस्चार्ज झेलने की है। जल संसाधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बांध में 96.42 प्रतिशत पानी होल्ड किया गया है। बाकी आवक के हिसाब से जावक मेंटेन किया जा रहा है। शनिवार की स्थिति में पानी की आवक 14943 क्यूसेक दर्ज की गई है।

बाढ़ में फंसा मरीज, खाट के सहारे पार...

तबीयत बिगड़ने के दौरान सामने आया, जब उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाने में ग्रामीणों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

गोपेश कुमार पटेल की स्थिति उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद अचानक गंभीर हो गई। उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाना जरूरी था, लेकिन नाले में बाढ़ का पानी अधिक होने के कारण ग्रामीण उन्हें रात में अस्पताल नहीं पहुंचा सके। इसके चलते उन्हें रातभर इंतजार करना पड़ा। तड़के सुबह पानी का स्तर कुछ कम होने के बाद ग्रामीणों की मदद से उन्हें नाला पार कराया गया और अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार कराया गया। ग्राम पंचायत लटियारा के सरपंच रुपेश कुमार ध्रुव सहित ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से डुमर नाला में तत्काल पुलिया निर्माण कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सरपंच द्वारा इस समस्या से कई बार संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक ठोस पहल नहीं हो सकी है। ग्रामीणों ने कहा कि पुलिया निर्माण होने से बरसात में आवागमन सुचारु होगा और आपात स्थिति में मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में मदद मिलेगी।

राजिम-नवापारा के तटवर्ती ...

गांव के लोगों से सतर्क रहने तथा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सुरक्षा बरतने की अपील की है। महानदी के बढ़ते जलस्तर का सबसे स्पष्ट असर राजिम के एक पाट पर पंचेश्वरनाथ महादेव तथा बीच नदी में भोलेनाथ कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर तक दिखाई दे रहा है। नदी के बीच स्थित मंदिर का काफी हिस्सा पानी में डूब चुका है। चारों ओर तेज बहाव के साथ पानी फैला हुआ है।

इस मानसून में महानदी कई बार ऊफान देखने को मिला, जिससे तटवर्ती गांव कोपरा,तर्रा, कुरूसकुरा के लोगों को परेशानी उठानी पड़ी है। सैकड़ों एकड़ रकबे की फसल बाढ़ के चलते रेत से पट जाने की आशंका है। ऊपरी क्षेत्रों में बारिश के बाद जैसे ही गंगरेल से महानदी में पानी छोड़ा गया, कुछ ही घंटों में नदी का स्वरूप बदल गया और शांत दिखाई देने वाली महानदी देखते ही देखते विशाल जलराशि लिए समुद्र की तरह नजर आने लगी।

फिलहाल नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन और विभाग की नजर स्थिति पर बनी हुई है। तटवर्ती ग्रामीणों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। नदी किनारे जाने, तेज बहाव वाले हिस्सों में उतरने और जलभराव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक आवाजाही से बचने को कहा गया है। खास बात यह है कि पैरी और महानदी में बने चार किमी के अंतराल में 5 एनीकट बाढ़ की धार में डूब चुके हैं, जिससे बाढ़ का विकराल स्वरूप नजर आ रहा है

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » सभी प्रकार के ऑपरेशन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चो के ऑपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

सीला मलहम ®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखें
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

Required - Urgently required DMLT staff for Dr, Lal Path Lab in Gaurella Good salary Contact- 9973590278, 9981599191 (41835)

आवश्यकता है- घर में रहकर झाड़ू पोछा एवं साफ़-सफ़ाई कार्य हेतु पुरुष कर्मचारी या लड़के की आवश्यकता है। संपर्क करें- 9827195555 (41841)

आवश्यकता है- डिस्ट्रीब्यूटर के यहां काम करने के लिए मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव, सेल्स मैन, डिलिवरी ब्वॉय एवं अनुभवी एकाउंटेंट लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9981137187 (41836)

आवश्यकता है- सोनोग्राफी सेन्टर के लिए टाइपिस्ट, सिक्योरिटी गार्ड, क्लीनर, ड्राइवर, एक्स-रे टेक्नीशियन, रिसेप्शनिस्ट की आवश्यकता है, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री गोपाल साहू डायग्नोस्टिक सेन्टर, जुनी लाइन, बिलासपुर 9755230012, 9770128995 (41837)

आवश्यकता है- किताब दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- विवेक बुक डिपो, दयालबंद गुरुद्वारा के पास, बिलासपुर 9893378899 (फोन करने का समय सुबह 10:30 से शाम 8बजे) (41843)

आवश्यकता है- CCTV कैमरा कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है इंस्टॉलेशन, फील्ड कार्य के अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी, अन्य सुविधा चर्चा अनुसार। सम्पर्क करें- Techonica IT Solution राजकिशोर नगर बिलासपुर 8871111809 (41824)

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन साईट हेतु अनुभवी स्टोर मैनेजर, ऑफिस हेतु (एकाउंट, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट अनुभवी युवक/ युवती) ऑटोमैटिक इनोवा कार हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए। वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- श्रीबालाजी कंस्ट्रक्शंस, बिलासपुर 7974086925, 9907925045 (41844)

आवश्यकता है- डिलीवरी ऑटो चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है ड्यूटी सुबह 8बजे से शाम 6बजे तक पेमेन्ट 10000 रहने, खाने की व्यवस्था, गांव के आदमी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9301702215, 8319065266 (41838)

आवश्यकता है- बेल्जियो सैलून (गुप्ता) में साफ सफाई हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए समय सुबह 11 से रात 9 तक पता- बेल्जियो सैलून मंगला हॉस्पिटल के सामने में, नर्मदा नगर बिलासपुर 79999 99445 7804955922 (41753)

आवश्यकता है- हॉटल में सफाई कार्य/ हाऊस कीपिंग हेतु लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है मिले सुबह 10 बजे से 12 बजे हॉटल शिवनेरी लिंकरोड बिलासपुर (41825)

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के , आयु 18 से 30 वर्ष वेतन 12000 + कमीशन + बोनस के साथ 20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया + कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क, 96309 22589, 9893029618 (501)

आवश्यकता है- एक कम्प्यूटर एजुकेशन सेन्टर की मार्केटिंग के लिए 2 स्मार्ट लड़के या लड़की की आवश्यकता है, स्वयं की बाइक और मोबाइल आवश्यक होगा। बायोडाटा इस नम्बर पर भेजें- 9244082366, 62650 62829 (41821)

आवश्यकता है- Cafe के किचन एवं Cafe में कार्य करने हेतु लड़कियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन 7000 से 12000 प्रति माह तत्काल सम्पर्क करें- ट्विन प्लाजा अग्रसेन चौक बिलासपुर 9306187790 (41839)

आवश्यकता है- ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल बहतराई में आया, प्यून, ड्राइवर, कंडक्टर एवं स्वीपर की कार्य करने हेतु अति शीघ्र आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 9179281177, 9131279748 (41842)

आवश्यकता है- Busy साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है। वेतन- 10000 से 15000 सम्पर्क करें- यश सुपर बाजार, हरिभूमि के पास गौरव पथ, रिंग रोड नम्बर- 2 बिलासपुर मो. 9329941444 (41828)

आवश्यकता है- एडमिन ए च आ र - 1 , अ का उं ट एग्जीक्यूटिव-1, प्रोफाइल ऑपरेटर-1,सेल्स/ मार्केटिंग-3, ट्रांसपोर्ट एग्जीक्यूटिव-2, कलेक्शन-1, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर-1 मैकेनिकल इंजीनियर-1, सुपरवाइजर-2, लेबर कोऑर्डिनेटर-1,वेतनः योग्यता अनुसार,संपर्कः 7879883245 पताः FCI रोड, व्यापार विहार, बिलासपुर (छ.ग.) (41840)

Required - Staff required having knowledge of accounting in tally, GST and TDS. The candidate having work experience for minimum two years will be preferred. Contact- 8818989007 (41820)

आवश्यकता है- कानूनी पुस्तकों की मार्केटिंग हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता पेमेंट 10000+ कमीशन सम्पर्क करें- आदर्श लॉ हाउस पुराना हाईकोर्ट रोड डीपी विप्र कॉलेज के सामने बिलासपुर 9424163066 (41832)

आवश्यकता है-Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 8818877406, 96444 33021, 07752-337082 (41704)

आवश्यकता है-फोर व्हीलर वर्कशॉप हेतु लड़के/लड़कियों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन प्यून चाहिए। वेतन योग्यतानुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें-श्रीबालाजी सेल्स एण्ड सर्विसेज इंदु चौक के पास मगरपारा रोड बिलासपुर (41738)

आवश्यकता है- शुद्ध शाकाहारी, खाना बनाने वाले यादव, ब्राम्हण एवं घर कार्य हेतु महिला, पुरुष तथा ड्राइवर, प्यून, गार्ड चाहिए। सम्पर्क करें- मॉडर्न एजूकेशनल एकेडमी, आरएसबी कम्पाउन्ड नया सरकण्डा, बिलासपुर 91091 39971, 6260552527 (41813)

आवश्यकता है-100% परमानेंट जॉब भारत में सबसे अधिक स्थायी रोजगार देने वाली righteous limited को आफिस कार्य एवं विभिन्न पदों हेतु 8/10/12वीं स्नातक लड़के/लड़कियों का चयनकर 11000, 13000, 17000, 25000/- आवास बोनस मिलें- प्रजापिता ब्रह्माकुमारी के पास चौपाटी चोपड़ापारा अम्बिकापुर 9669370111, 9584000909, 84358 03535, 7067084579 (20651/41810)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर दुकान में ऑफिस बॉय एवं bussy software में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार। सम्पर्क करें- सुबह 11बजे से कम्प्यूटर सर्विस लाइन, इन्दू चौक बिलासपुर 9977298333 (41829)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स दुकान में लड़के, लड़कियो की आवश्यकता है। कार्य समय 11am to 9:30pm, सम्पर्क करें- डॉली ड्रेसेस एवं दुबे नर्सिंग होम के सामने मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 9893097008, 8815881350 (41816)

आवश्यकता है- सिक्यूरिटी एजेन्सी में कार्य करने हेतु लड़के की आश्यकता है वेतन -11000 से शुरू कृपया पूछताछ ना करें अनुभवी व्यक्ति ही सम्पर्क करें- 9981630084, 94255 34940 (41827)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने, सामान पैक करने, लाने लेजाने हेतु डिलीवरी ब्वाय चाहिए योग्यता 10वीं, वेतन 9000-10000 पता- मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी वेस्ट साइड शोरूम के बाजू, व्यापार विहार रोड बिलासपुर (41822)

आवश्यकता है- एक दम्पति जोड़ा (पति निजी कार चला सके, पत्नी सभी घरेलू कार्य कर सके, आवास सुविधा दी जाएगी) तथा पिकअप चलाने हेतु ड्राइवर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7869196364 (41811)

आवश्यकता है- (1) सिविल साइट सुपरवाइजर (अनुभवी साइट चलाने योग्य) (2) ऑफिस मैनेजर, साइड वर्क, रजिस्ट्री राजस्व विभाग डायवर्सन नामांतरण, नगर निगम संबंधी कार्य करने हेतु अनुभवी चाहिए सम्पर्क- 9770770000, 98270 72000 (41763)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर एवं सीसीटीवी कैमरा का कार्य करने हेतु दुकान में लड़के की अतिशीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- Cyber Soft, गांधी चौक के पास बिलासपुर 9039246656 (41804)

आवश्यकता है-स्टेशनरी दुकान में साफ सफाई एवं सामान पैकिंग कार्य करने के लिये लड़के, लड़कियो की आवश्यकता है सम्पर्क करें- कुबेर स्टेशनरी डिस्ट्रीब्यूटर्स खपरगंज बिलासपुर 98933 32575 (41799)

आवश्यकता है- बिजी सॉफ्टवेयर के अनुभवी कम्प्यूटर जानकार एकाउंटेंट की आवश्यकता है। अनुभव न्यूनतम 2वर्ष बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- गजानन ग्लास मामा भांजा तालाब पुराना हाईकोर्ट रोड शिव टॉकीज बिलासपुर 9111067200 (41815)

आवश्यकता है- स्टेशनरी शॉप में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़की की आवश्यकता है। अनुभवी सम्पर्क करें- भाटिया इंटरप्राइजेज, नेहरू चौक पेट्रोल पम्प के बाजू में बिलासपुर 7587259295 (41823)

आवश्यकता है- जगत फार्मा को दवाई दुकान के लिए मेहनती लड़कों और लड़कियों की आवश्यकता है पद- पिकर, चेकर, पैकर, लोकल डिलीवरी स्थान- तेलीपारा, होटल अजीत के पीछे, मेडिकल कॉम्प्लेक्स, बिलासपुर (41819)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में रख रखाव, सफाई, पैकिंग, माल डिलीवरी कार्य करने के लिए हेतु कार्यकर्ता की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- यूनिवर्सल ट्रेडर्स 50/51 मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (41814)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सीज में अनुभवी सेल्समेन, अनुभवी एकाउंटेंट, लोकल में माल छोड़ने एवं पैकिंग कार्य करने के लिए लड़को की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जगत एजेन्सीज तेलीपारा बिलासपुर (41818)

बेचना है

बेचना है- अलका एवेन्यू कॉलोनी उसलापुर रेलवे स्टेशन के पास बिलासपुर में 34×55= 1870 वर्गफुट पूर्व मुखी प्राइम लोकेशन में 2 प्लाट अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 8839864986 (41826)

बेचना है- बिलासपुर (सकरी मेन रोड से वाकिंग डिस्टेंस) इन्वेस्टर्स हेतु मकान बनाकर बेचने का अवसर सभी साइजों में डायवर्टेड आवासीय प्लॉट सीसी रोड, नाली, पानी, बिजली सुविधा सहित सम्पर्क करें 7898855268 (41750)

बेचना है- कमर्शियल वाहन बेचना है। टाटा 712, जून 2023 मॉडल, 65000 कि.मी. चली हुई, अच्छी कंडीशन में बेचना है सम्पर्क करें- सरकंडा, विजयापुरम, बिलासपुर 9981517475 (41817)

बेचना है- औद्योगिक डायवर्टेड भूमि ख.नं. 1322 रकबा 25 डिसमिल 121×90 =10900 वर्गफुट नैला पंतोरा मेन रोड पर उत्कर्ष बीएड. कालेज के पास जमीन बेचना है रेट 4लाख प्रति डिसमिल। फ्लोर मिल उद्योग, पोहा उद्योग, बेकरी उद्योग, साबुन, डेयरी आदि उद्योग लगाने हेतु सम्पर्क करें- एच.एस. साहू 9131592693 (41845)

फाइनेंस

फाइनेन्स-प्रगति फाइनेंस द्वारा कृषि, बिजनेस, पर्सनल, लघु उद्योग, आधार कार्ड, समूह लोन, होम लोन पर कम समय आसान किस्त 2% ब्याज 40% छूट 50000 से 40लाख समस्त लोन कराये- 7606809537, 75877 08423 (4349)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः-B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, LLB M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.tech M.tech (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515 (4171)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

सूर्यवंशी या सैमसन?

अफगानिस्तान के खिलाफ चयन की दुविधा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अफगानिस्तान के खिलाफ रविवार को 3 मैचों की टी20 श्रृंखला के पहले मैच में भारत के सामने दुविधा होगी कि 'वंडर ब्वॉय' वैभव सूर्यवंशी को उतारा जाए या संजू सैमसन के अनुभव पर भरोसा किया जाए। सूर्यवंशी को इंग्लैंड में सैमसन की जगह अंतिम एकादश में जगह दी गई थी लेकिन श्रृंखला के आखिरी मैच में 15 वर्ष के सूर्यवंशी की जगह सैमसन को उतारा गया। टी20 प्रारूप में सैमसन और अभिषेक शर्मा की जोड़ी कामयाब रही है। उम्मीद है कि कोच गौतम गंभीर और कप्तान श्रेयस अय्यर जापान में होने वाले एशियाई खेलों की अंतिम एकादश तय करने से पहले सैमसन और सूर्यवंशी दोनों को बराबर मौके देंगे।

- आज टीम इंडिया और अफगानिस्तान के बीच पहला टी20

अभ्यास सत्र में सैमसन अधिक संतुलित

अभ्यास सत्र के दौरान सूर्यवंशी की तुलना में सैमसन अधिक संतुलित नजर आए। सूर्यवंशी को जसप्रीत बुमराह की गेंदों पर सहज होकर खेलने में समय लगा क्योंकि पिच से भी बुमराह की गेंदों को मदद मिल रही थी। यह भी हो सकता है कि लगातार लाल गेंद के तीन मैच खेलने के बाद सूर्यवंशी को सामंजस्य बिठाने में समय लग रहा हो। वैसे अफगानिस्तान के पास बुमराह जैसा कोई गेंदबाज नहीं है। अफगानिस्तान के गेंदबाजों के सामने सूर्यवंशी को फुटवर्क का इस्तेमाल नहीं करने पर भी दिक्कत नहीं आएगी।

सूर्यवंशी को लेकर हाइप बढ़ी

सैमसन की बात करें तो तीन पारियों में नाकामी के बाद उन्हें इंग्लैंड दौरे से बाहर करना ज्यादती था। लेकिन सूर्यवंशी को लेकर हाइप इतनी बढ गई थी कि टीम प्रबंधन ने जनता की मांग पर फैसला लिया भले ही बार-बार वे कहते हों कि बाहरी आवाज का असर नहीं होता। अगर ईशान किशन नहीं खेल पाते हैं तो सूर्यवंशी और सैमसन दोनों को मौका मिल सकता है। ईशान को नेट अभ्यास के दौरान कमर में चोट लगी थी।

टीमें इस प्रकार

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी, यश ठाकुर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई

अफगानिस्तान : इब्राहिम जदरान (कप्तान), दारविश रसूली, नूर उल रहमान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजइ, राशिद खान, मोहम्मद नबी, गुलबदिन नायब, नांगेलिया खरोटे, अब्दुल्लाह अहमदजइ, फजलहक फारूकी, नवीनुल हक, मुजीबुर रहमान, नूर अहमद।

मैच का समय : शाम 7.30 से

फाइनल में शेल्टन, आज ज्वेरेव से खिताबी भिड़ंत

यूएस ओपन : सेमीफाइनल में टियाफो को हराया

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

अमेरिका के बेन शेल्टन ने हमवतन फ्रांसिस टियाफो को हराकर अमेरिकी ओपन के पुरुष एकल फाइनल में प्रवेश कर लिया, जहां उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। स्थानीय खिलाड़ियों के बीच हुए इस मुकाबले को देखने के लिए स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा था। दोनों का हौसला बढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक और कई मशहूर हस्तियां मौजूद थीं। दोनों पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे थे। रविवार को होने वाले फाइनल में दर्शकों का समर्थन लगभग पूरी तरह शेल्टन के पक्ष में रहने की उम्मीद है। अब वह लंबे समय से चले आ रहे अमेरिकी ग्रैंड स्लैम खिताब के सूखे को खत्म करने की सबसे बड़ी उम्मीद बन गए हैं।

अमेरिका को पिछला खिताब 2003 में मिला था

आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने सेमीफाइनल में टियाफो को 4-6, 6-3, 6-3, 7-5 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। अमेरिका को पुरुष एकल में पिछला ग्रैंड स्लैम खिताब 2003 में मिला था, जब एंडी रॉडिक ने फ्लशिंग मीडोज में अमेरिकी ओपन का खिताब जीता था।

टाउनसेंड-सिनियाकोवा ने जीता महिला युगल खिताब

जोड़ी ने पूरा किया करियर ग्रैंडस्लैम

अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा ने एक टीम के रूप में कैरियर ग्रैंडस्लैम पूरा करते हुए वाइल्ड कार्डधारी एशलिन क्रूगर और रॉबिन मोंटगोमेरी को हराकर अमेरिकी ओपन महिला युगल खिताब जीत लिया। शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 5-7, 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की। 30 वर्ष की टाउनसेंड को एकल वर्ग में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने हराया था। टाउनसेंड और सिनियाकोवा ने 2024 विम्बलडन, 2025 आस्ट्रेलिया ओपन और इस साल फ्रेंच ओपन जीता था। यह सिनियाकोवा का 12वां ग्रैंडस्लैम है, जिन्होंने चेक गणराज्य की ही बारबोरा क्रेसिकोवा के साथ सात और कोको गाफ के साथ एक खिताब जीता है।

खबर संक्षेप

8 अक्टूबर से एपीएल हिस्सा लेंगी दीपिका

नई दिल्ली। चार बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी और विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता अतनु दास 8 अक्टूबर से हैदराबाद में शुरू हो रही तीरंदाजी प्रीमियर लीग (एपीएल) के दूसरे सत्र में मेजबान रिकर्व टीम का हिस्सा होंगे। गत एशियाई चैंपियन धीरज बोम्मदेवरा समेत भारत के 36 सर्वश्रेष्ठ तीरंदाज इसमें दस देशों के 12 अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ मुकाबला करेंगे। कंपाउंड वर्ग में कई बार विश्व कप जीत चुकी एशियाई खेल चैंपियन ज्योति सुरेखा वेन्नम और अभिषेक वर्मा के साथ पूर्व विश्व चैंपियन ओजस प्रवीण देवताले उतरेंगे। विदेशी खिलाड़ियों में तोक्यो ओलंपिक 2020 चैम्पियन तुर्किये के मेटे गाजोज, पेरिस ओलंपिक 2024 कांस्य पदक विजेता अमेरिका की कासे काउफहोल्ड, ब्राजील के अलमेइडा और दुनिया की दूसरे नंबर की तीरंदाज ब्रिटेन की एला गिब्सन शामिल हैं।

20 से 23 नवंबर तक एशियाई कैडेट कप

चेन्नई। उपमहाद्वीप के युवा तलवारबाजों के लिए एशियाई कैडेट कप 20 से 23 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट में 30 से अधिक देशों के 500 से अधिक खिलाड़ी, कोच, अधिकारी और तकनीकी अधिकारी भाग लेंगे। टूर्नामेंट तीन वर्गों एपी, फॉइल और साबरे में आयोजित की जाएगी। इसका आयोजन भारतीय तलवारबाजी संघ ने एशियाई तलवारबाजी परिसंघ के साथ मिलकर युवा कार्य और खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण और तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण के साथ किया है। एफएआई महासचिव राजीव मेहता ने कहा,' इससे एशिया के युवा तलवारबाजों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलेगा और भविष्य में एशियाई खेलों, विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक में सफलता का मार्ग प्रशस्त होगा।'

जूनियर एशिया कप हॉकी : फाइनल में टीम इंडिया, सुप्रिया ने लगाई हैट्रिक

एजेंसी ▶▶| मोकी

ड्रैग फ्लिकर सुप्रिया के तीन गोल की मदद से गत चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराकर एएचएफ जूनियर महिला एशिया कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। सुप्रिया ने तीनों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर किए। भारत का सामना अब चीन और जापान के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

दोनों टीमों ने संभलकर शुरुआत की लेकिन भारत ने 13वें मिनट में खाता खोला जब मधु सिदर ने शानदार फील्ड गोल पर टीम को 1-0 से बढत दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने कोरियाई गोल पर लगातार हमले बोले। भारत को 17वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर सुप्रिया ने गोल करके बढत दुगुनी कर दी।

गत चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया को 5-1 से हराया

भारत ने गेंद पर बनाया दबदबा

भारत ने गेंद पर नियंत्रण के मामले में दबदबा बनाए रखा और 21वें मिनट में कोरियाई गोल के 23 मीटर के भीतर हवा में आई गेंद को भारतीय विंगर ने लपका और सर्कल के भीतर शानदार क्रॉस दिया। इसे सुखवीर ने गोल में बदलकर स्कोर 3-0 कर दिया। भारत को 33वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को सुप्रिया ने गोल में बदला। दक्षिण कोरिया के लिए यूरी जियोंग ने 41वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 4-1 किया। भारत ने आखिरी क्वार्टर में बेहतरीन डिफेंस का प्रदर्शन करते हुए कोरियाई हमलों को नाकाम कर दिया। भारत के लिए पांचवां गोल 56वें मिनट में सुप्रिया ने पेनल्टी कॉर्नर पर किया।

अमेरिकी ओपन जूनियर: सेमीफाइनल में हारी रेवती-एंटोनिना की जोड़ी

अमेरिकी जुड़वां बहनें अनिका और क्रिस्टीना पेनिकोवा जीतीं

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

भारत की माया राजेश्वरन रेवती और उनकी यूक्रेनी जोड़ीदार एंटोनिना सुष्कोवा का शानदार सफर अमेरिकी ओपन जूनियर बालिका युगल के सेमीफाइनल में मिली हार के साथ समाप्त हो गया। माया और एंटोनिना की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी को अमेरिकी जुड़वां बहनों अनिका और क्रिस्टीना पेनिकोवा से 6-7(2), 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। भारत और यूक्रेन की इस जोड़ी ने हालांकि टूर्नामेंट में प्रभावशाली प्रदर्शन किया और सेमीफाइनल तक के सफर में कई वरीय खिलाड़ियों को हराया।

माया और एंटोनिना ने अपने शानदार अभियान की शुरुआत चेक गणराज्य की जाना कोवाकोवा और कैटरीना जाजिक्कोवा की पांचवीं वरीय जोड़ी को हराकर की थी। इसके बाद उन्होंने एक और बड़ा उलटफेर करते हुए रूस की फेलित्साता डोरोफीवा-रिबास और अन्ना पुष्कारेवा की चौथी वरीय जोड़ी को क्वार्टरफाइनल में 6-4, 6-4 से हराया। माया का एकल अभियान दूसरे दौर में समाप्त हुआ था। 15वीं वरीय माया ने एकल वर्ग में अपने अभियान की शुरुआत अमेरिकी एमरी कॉम्ब्स को 6-2, 6-2 से हराकर की थी, लेकिन दूसरे दौर के रूस की क्वालीफायर अरिना मालिगिना से 3-6, 7-5, 5-7 से हार गईं।

एशियाई खेलों में गोल्ड जीतना लक्ष्य : प्रणवी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स का मानना है कि भारतीय महिला टीम एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक की मजबूत दावेदार है और इसके लिए जापान में निरंतर प्रदर्शन तथा अधिक से अधिक बर्डी के मौके बनाना अहम होगा।

भारत एशियाई खेलों में 6 सदस्यीय गोल्फ दल उतारेगा। महिला टीम में अदिति अशोक, दीक्षा डागर और प्रणवी उर्स शामिल हैं जबकि पुरुष वर्ग में युवराज संधू, वीर अहलावत और सप्तक तलवार देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। मैसूर की 23 वर्षीय प्रणवी ने कहा, 'मैं नतीजे के बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहती। मैं अपनी प्रक्रिया पर कायम रहकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगी।' उन्होंने कहा कि गोल्फ आमतौर पर व्यक्तिगत खेल है इसलिए देश और टीम के लिए खेलने का अनुभव उनके लिए खास होगा। प्रणवी ने कहा, 'गोल्फर के तौर पर हम ज्यादा टीम स्पर्धाएं नहीं खेलते। यह मुख्य रूप से व्यक्तिगत खेल है। इसलिए देश और टीम के लिए मैदान पर उतरना ऐसी चीज है, जिसका मैं इस साल बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। अदिति और दीक्षा के टीम में होने से यह सप्ताह और भी अच्छा रहेगा।' भारत ने एशियाई खेलों में पिछली बार पुरुष वर्ग में 2002 में शिव कपूर के जरिए स्वर्ण पदक जीता था। प्रणवी ने कहा, हमें ज्यादा से ज्यादा मौके बनाने, बर्डी के अवसर हासिल करने और गेंद को अच्छी तरह ड्राइव करने पर ध्यान देना होगा। पूरी टीम के खेल का एक साथ सही दिशा में आना जरूरी है, इसके लिए बहुत कम स्कोर करना जरूरी नहीं है। अगर हम हर दिन लगातार तीन-चार अंडर का स्कोर करते हैं, तो इससे हम अपने आप पदक की दौड़ में शामिल हो जाएंगे।'

* **नई दिल्ली।** एशियाई खेलों में पदार्पण करने जा रहे कार्तिक करकेरा आइची-नागोया में पुरुषों की मैराथन में अन्य तेज धावकों से मिलने वाली चुनौती से बखूब वाकिफ हैं, लेकिन उनका मानना है कि उनके पास पदक जीतने का मौका है। करकेरा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 2 घंटे 13 मिनट 10 सेकेंड है।

महिला एशिया कप : भारत की नजरें आठवें खिताब पर

एजेंसी ▶▶| दुबई

सात बार की चैंपियन भारतीय टीम की नजरें श्रीलंका के खिलाफ रविवार को महिला टी20 एशिया कप फाइनल में श्रीलंका को हराकर आठवीं बार खिताब जीतने पर लगी होंगी ओर इसके लिए शेफाली वर्मा के साथ दीप्ति शर्मा पर काफी दारोमदार रहेगा। दो अर्धशतक समेत 168 रन बना चुकी शेफाली भारत की सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज साबित हुई हैं और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन उन्होंने बनाए हैं। धीमी और स्पिनरों की मददगार दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की पिच पर भी उन्होंने सहज बल्लेबाजी की है। स्मृति मंधाना (154) ने एक शानदार शतक लगाया लेकिन दो मैचों में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सकी। शेफाली के प्रदर्शन में निरंतरता रही है। शेफाली को अपने चिर परिचित स्ट्रोक्स खेलने में भी परेशानी नहीं आई जबकि दूसरे बल्लेबाज जूझते नजर आए हैं।

मैच का समय : रात 8 बजे

दीप्ति ने दिखाया जौहर

श्रीलंका की कप्तान चामारी अटापट्टू के साथ सर्वाधिक 11 विकेट ले चुकी दीप्ति ने गेंदबाजी के अलावा बल्ले के जौहर भी दिखाए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में 6 गेंद में 13 रन बनाकर उन्होंने भारत को 150 रन के पास पहुंचाया। दीप्ति के साथ श्रीचरणी और प्रेमा रावत ने भी उम्दा स्पिन गेंदबाजी की है और इन तीनों ने टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा है। दोनों टीमें फाइनल तक के सफर में अपराजेय रही हैं और पिछली बार 2024 में भारत को श्रीलंका ने ही फाइनल में आठ विकेट से हराया था। अटापट्टू की टीम ने भी पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है और पाकिस्तान के खिलाफ जुझारूपन दिखाते हुए सेमीफाइनल में जीत दर्ज की। दो साल पहले दाम्बुला में हर्षिता और अटापट्टू ने मिलकर भारत को फाइनल में जीत दर्ज करने से रोका था।

आज श्रीलंका से भिड़ंत

न्यायालय-जिला न्यायाधीश सारंगढ़ के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश, सारंगढ़ जिला- सारंगढ़ बिलाईगढ़ (छ.ग.)
पीठासीन अधिकारी - (संतोष कुमार महोबिया)
// ईश्तहार //
नियमित सिविल अपील 29/2025
पेशी तारीख-05/10/2026
प्रोसेस क्रमांक-499/2026
गनपत सारथी विरूद्ध बिलोचन घसिया वगैरह

प्रति,
1. दुजबाई, पिता स्व. पुरन, उम्र 52 वर्ष, जाति-घसिया, निवासी सिंधीचुवा, तहसील-भटगांव, जिला-सारंगढ़ बिलाईगढ़ (छ.ग.) हाल मुकाम नाग देवने कालौनी दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर व्यापार विहार बिलासपुर तहसील व जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
2. तुलसी, पिता स्व. पुरन, जाति-घसिया, उम्र-49 वर्ष, निवासी-सिंघीचुवा, तहसील-भटगांव, जिला-सारंगढ़ बिलाईगढ़ (छ.ग.) हाल मुकाम जरहाभाठा, सिंधी कॉलोनी बिलासपुर तहसील व जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
विषय:-नियमित सिविल अपील 29/2025 गनपत सारथी विरूद्ध बिलोचन घसिया वगैरह में उत्तरवादीगण की उपस्थिति हेतु पेपर ईश्तहार।

चूँकि आवेदक अपीलार्थी गनपत सारथी ने उत्तरवादीगण **बिलोचन घसिया वगैरह** के विरूद्ध अपील हेतु वाद संस्थित किया है। उत्तरवादीगण **1. दुजबाई, पिता स्व. पुरन, उम्र-52 वर्ष, जाति-घसिया, निवासी-सिंघीचुवा, तहसील-भटगांव, जिला-सारंगढ बिलाईगढ़ (छ.ग.) हाल मुकाम-नागदौने कॉलोनी दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर व्यापार बिहार बिलासपुर तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.), 2. तुलसी, पिता स्व. पुरन, जाति-घसिया, उम्र 49 वर्ष, निवासी सिंधीचुवा, तहसील भटगांव, जिला-सारंगढ बिलाईगढ़ (छ.ग.) हाल मुकाम जरहाभाठा, सिंधी कालौनी बिलासपुर तहसील व जिला-बिलासपुर (छ.ग.)** को इस न्यायालय में पेशी तारीख 05/10/2026 को दिन में 11.00 बजे दावे का उत्तर देने के उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा हाजिर हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके। उत्तरवादीगण को यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजों जो आपके कब्जे या शक्ति में हो पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा का दावा या प्रतिदावा आधारित है।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात (हाजिर) नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

टीप:- यदि उक्त तिथि पर अवकाश घोषित हो जायेगा तो प्रकरण की सुनवाई ठीक पश्चात आगामी कार्य दिवस पर की जावेगी ।

इस न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर द्वारा आज दिनांक 05 .09 .2026 को किया गया।

(संतोष कुमार महोबिया)
जिला न्यायाधीश सारंगढ़ के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश, सारंगढ़,
जिला-सारंगढ़ बिलाईगढ़ (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)
मुख्य कार्यालय - साकेत भवन, आई.टी.आई. चौक, कोरबा (छ.ग.)
विद्युत शाखा

फा .क्र ./1553,1554/ विद्युत शाखा/2026/ कोरबा, दिनांक 07 .09 .2026

निविदा आमंत्रण की सूचना

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा लोक निर्माण विभाग (विद्युत कार्य) से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी वर्ग-डी एवं प्रवर श्रेणी में एवं छ.ग. अनुज्ञापन मंडल (विद्युत) में उचित श्रेणी में विद्युतीकरण कार्य हेतु पंजीकृत ए क्लास लाईसेंसी ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग (विद्युत) रायपुर द्वारा दिनांक 10 .04 .2026 से प्रभावशील दर अनुसूची पर (निविदा खुलने के दिनांक तक समस्त संशोधनों के साथ) कम अधिक या समान दरों पर मैन्युअल निविदा वेबसाईट से डाउनलोड कर त्रि-लिफाफा पद्धति माध्यम से आमंत्रित की जाती है :-

1. निर्धारित प्रारूप में निविदा प्रपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि - दिनांक 30 .09 .2026 सायंकाल 3 :00 बजे तक
2. निविदा खुलने की अंतिम तिथि - दिनांक 30 .09 .2026 सायंकाल 4 :30 बजे तक

क्र	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि रू में
1	वार्ड क्र . 09 के बरबसपुर चौक 30 मीटर हाईमास्ट लाईट प्रदाय एवं स्थापना कार्य। (जिला खनिज संस्थान न्यास मद) (प्रथम निविदा)	8,96,969/-	6,750/-
2	वार्ड क्र . 36 के रिसदी चौक 30 मीटर हाईमास्ट लाईट प्रदाय एवं स्थापना कार्य। (जिला खनिज संस्थान न्यास मद) (प्रथम निविदा)	9,01,704/-	6,800/-

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट Website: www. korbamunicipal.in एवं www. uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम कोरबा (छ.ग.)

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Limited
(A Government of Chhattisgarh Undertaking)
1st Floor, Udyog Bhawan, Ring Road No.1, Telibandha, Raipur (C.G.) - 492006
CIN: U45203CT1981SG001853, PAN: AABCM6288N, GST Regn No22AABCM6288N5ZY, Phone: 0771-6621000 Fax: 0771-2583794
Website: www.csidc.in, Email address:csidc.cg@gov.nic.in.csidc_raipur@yahoo.com

REQUEST FOR PROPOSAL (RFP) (2nd Call)
(Through e-Procurement Portal Only)

CSIDC/I.A. CHHATI/RFP/04(01)/2026 Raipur, Dated 09/09/2026

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation (CSIDC) a Government of Chhattisgarh Undertaking constituted under the Companies Act, 1956 engaged in Industrial Infrastructure Development & Other Related Activities in the State envisages to develop "Industrial Area" at Chhati, Dhamtari, Chhattisgarh.

"Request for Proposal" (RFP) is for planning designing, financing, construction. development, marketing, operation & maintenance of proposed **DEVELOPMENT OF INDUSTRIAL AREA UNDER PUBLIC PRIVATE PARTNERSHIP (PPP) MODE IN DBFOT MODEL AT CHHATI, DHAMTARI, CHHATTISGARH** on leasehold as is where is basis.

Land	Area of land (in Acre/SQM)	Proposed Project
Chhati, Dhamtari	40 Acres (approx.) (Leasehold on as is where is basis)	Development of Industrial Area

The RFP document containing detailed terms & condition, scope of work and other details is available for download from the web portal (website) https://eproc.cgstate.gov.in and shall be submitted online only Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

NOTE: The interested tenders for online submission of tender may contact CG e-Proc Helpdesk, Operated by Mjunction Servies Limited. they may reach Helpdesk using 18004199140 (from 9 AM to 11 PM) (therein press 2 for CG e-Proc) or you can email them at Helpdesk eproc@cgswan.gov.in.

Tenderer may contact to General Manager, CSIDC (Mob. No. +91 7697230751) Udyog Bhawan in working hours on working days to clear their doubts if any before online submission of the tender.

S. 49045 **General Manager**

कठिन समस्याएं अब न होंगी
क्योंकि सच्ची सहेली में हैं 67 खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।
24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in
67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स
Helps in: कठिन दर्द, चिड़चिड़ापन, थकान, कमजोरी, कमर कटना, इम्यूनिटी
सच्ची सहेली®

लोग चौंक जाते हैं दुनिया के सबसे लंबे घोड़े 'ह्यूगो' को देखकर, इसकी लंबाई जैसा दूसरा घोड़ा नहीं

नई दिल्ली। आमतौर पर शायर नस्ल के घोड़े की लंबाई लगभग 5.5 फीट से 6.3 फीट के बीच होती है, लेकिन इंग्लैंड के नॉर्थम्पटनशायर में रहने वाले ह्यूगो नामक एक घोड़े का नाम 'दुनिया के सबसे लंबे जीवित घोड़े' के तौर पर गिनीज बुक में दर्ज हुआ है। शायर नस्ल के इस घोड़े के मालिक का कहना है कि ह्यूगो की लंबाई अभी और बढ़ सकती है क्योंकि उसकी उम्र अभी छोटी है। आइए ह्यूगो के बारे में विस्तार से जानते हैं।

कितनी है ह्यूगो की लंबाई?

ह्यूगो की लंबाई 199 सेंटीमीटर (लगभग 6.5 फीट) तक पहुंच चुकी है। गिनीज वर्ल्ड ऑफ रिकॉर्ड्स ने बताया कि 4 साल के ह्यूगो की लंबाई की जांच अधिकारिक तौर पर एक पशु चिकित्सक ने की थी और उन्होंने सही माप के लिए ह्यूगो की लंबाई को बिना नाल (घोड़े के पैरों पर लगने वाली धातु की प्लेट) के मापा था। ह्यूगो के मालिक ब्रेट मास्टर्स ने बताया कि ह्यूगो एक फाइव स्टार लाइफस्टाइल जीता है।

फाइव स्टार लाइफस्टाइल जीता है ह्यूगो

ब्रेट ने बताया कि ह्यूगो की देखभाल काइरोप्रैक्टर, डेंटिस्ट, पशु चिकित्सक और मालिश करने वाले विशेषज्ञ करते हैं। जहां काइरोप्रैक्टर हाथों के दबाव से ह्यूगो की रीढ़ की हड्डी, जोड़ों और तंत्रिका तंत्र की जांच करता है, वहीं हर 6 महीने में डेंटिस उसके मुंह की जांच करता है। इसके अतिरिक्त मालिश वाला ह्यूगो की रोजाना मालिश करता है और पशु चिकित्सक भी हर हफ्ते उसके पूरे शरीर की जांच करता है क्योंकि उसकी ग्रोथ प्लेट्स बहुत ज्यादा एक्टिव है।

बहुत शांत स्वभाव का घोड़ा है ह्यूगो- ब्रेट

ब्रेट ने यह भी बताया कि ह्यूगो को कई तरह के सप्लीमेंट्स दिए जाते हैं और उसके खाने-पीने का भी खास ध्यान रखा जाता है। ब्रेट ने आगे कहा, जब भी वह बाहर निकलता है तो लोग रुक-रुककर उसका वीडियो बनाते हैं। यहीं नहीं मैं ह्यूगो को कई प्रदर्शनों में भी ले जाता हूं और अब वह लोगों को अपनी पीठ पर बिठाकर सवारी कराना भी सीख रहा है। वह एक शांत स्वभाव का घोड़ा है।

दुनिया का सबसे छोटा घोड़ा है 'पुमुकेल'

जर्मनी में रहने वाले पुमुकेल नामक घोड़े की लंबाई महज 52.6 सेंटीमीटर (21.1 इंच) है। पुमुकेल सभी की नजरों में तब आया जब वह जर्मन टीवी शो 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉड्र्स- डाइ ग्रोस शो डेर वेल्ट्रेकोर्डे' में एक आकर्षक सहायक के तौर पर गिनीज सर्टिफिकेट्स वितरित करने के लिए स्टेज पर आया था। तब से पुमुकेल स्टार बन गया और अब उसके नाम एक विश्व रिकॉर्ड भी है।

यह अधिकार केवल सक्षम सिविल कोर्ट के पास

संपत्ति विवाद में स्टे देने का अधिकार तहसीलदार को नहीं- हाईकोर्ट

बिलासपुर। हाईकोर्ट के जस्टिस अमितेन्द्र किशोर प्रसाद ने जमीन और संपत्ति विवाद से जुड़े एक मामले में अहम फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा कि तहसीलदार को किसी निर्माण कार्य पर रोक लगाने का अधिकार नहीं है। यह अधिकार केवल सक्षम सिविल कोर्ट के पास है। हाईकोर्ट ने इस मामले में महासमुंद तहसीलदार के रोक लगाने वाले आदेश को रद्द कर दिया।

नीरज जैन और विकास चोपड़ा ने महासमुंद में खसरा नंबर 2052/1 और 2052/2 की जमीन रजिस्टर्ड सेल-डीड से खरीदी थी। दोनों ने जमीन पर निर्माण शुरू किया। इस पर पड़ोसी जगदीश प्रसाद अग्रवाल ने तहसीलदार के पास शिकायत कर निर्माण पर रोक लगाने की मांग की। तहसीलदार ने 25 अप्रैल 2022 को निर्माण रोकने का अंतरिम आदेश जारी कर दिया। हाईकोर्ट के मुताबिक, तहसीलदार ने यह आदेश अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर दिया था। याचिकाकर्ता नीरज जैन ने तहसीलदार के आदेश को अवैधानिक बताते हुए हाईकोर्ट में चुनौती दी।

साथ ही कहा कि यह विवाद और रोक लगाने का अधिकार तहसीलदार को नहीं है। इस मामले की सुनवाई जस्टिस एके प्रसाद की सिंगल बेंच में हुई। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान पता चला कि इसी जमीन से जुड़े पुराने विवाद में सिविल कोर्ट पहले ही जगदीश प्रसाद अग्रवाल को स्थायी रोक देने से इनकार कर चुका था। हाईकोर्ट ने कहा कि राजस्व अधिकारियों का अधिकार मुख्य रूप से कृषि भूमि तक सीमित है। वे आवासीय या बनी हुई संपत्ति पर निर्माण रोकने का आदेश नहीं दे सकते। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि स्टे देने और जमीन के मालिकाना हक का फैसला करने का अधिकार सिर्फ सिविल कोर्ट के पास है। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने तहसीलदार के सामने चल रही पूरी कार्रवाई को रद्द कर दिया।

13 महीने में छह बार तबादला, हाईकोर्ट से मिली अंतरिम राहत

बिलासपुर। महज 13 महीने में छह बार तबादले का सामना कर रहे पंचायत कर्मचारी को छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाईकोर्ट के जस्टिस बीडी गुरु के सिंगल बेंच ने अंतरिम राहत दी है। हाईकोर्ट ने बार-बार तबादले की परिस्थितियों को देखते हुए कर्मचारी के तबादले से जुड़े 6 अगस्त और 17 अगस्त 2026 के दोनों आदेशों के प्रभाव और क्रियान्वयन पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है।

याचिकाकर्ता पंचायत कर्मी राजेश कुमार चौहान की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता दीपाली पांडेय ने कोर्ट को बताया, राज्य सरकार ने 13 महीने के भीतर छह बार तबादला कर दिया है। याचिकाकर्ता ने 6 अगस्त 2026 के आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस आदेश के तहत उन्हें ग्राम पंचायत कोसमनारा से जनपद पंचायत रायगढ़ तबादला कर दिया था। याचिका लंबित रहने के दौरान ही राज्य शासन ने 17 अगस्त 2026 को एक और तबादला आदेश जारी कर उन्हें जनपद पंचायत रायगढ़ से कोलाईबहाल स्थानांतरित कर दिया। याचिका की सुनवाई जस्टिस बीडी गुरु के सिंगल बेंच में हुई। हाईकोर्ट ने 6 अगस्त 2026 के तबादला आदेश और 17 अगस्त 2026 के बाद के तबादला आदेश, दोनों के प्रभाव एवं क्रियान्वयन पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। कोर्ट ने राज्य शासन को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। याचिका की अगली सुनवाई के लिए सिंगल बेंच ने 14 अक्टूबर 2026 की तिथि तय कर दी है।

रविशंकर शुक्ल विवि के कुलपति पद पर नियुक्ति के खिलाफ दायर जनहित याचिका खारिज

हाईकोर्ट ने माना कि याचिकाकर्ताओं ने ऐसी कोई व्यापक सार्वजनिक क्षति या जनहित नहीं बताया

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति पद पर प्रो. (डॉ.) सच्चिदानंद शुक्ला की नियुक्ति को चुनौती देने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने माना कि याचिकाकर्ताओं ने ऐसी कोई व्यापक सार्वजनिक क्षति या जनहित नहीं बताया है, जिसके आधार पर पीआईएल के जरिए नियुक्ति को चुनौती दी जा सके।

इस जनहित याचिका में डॉ. राकेश गुप्ता और प्रो. लक्ष्मी शंकर निगम याचिकाकर्ता थे। उन्होंने 13 अप्रैल 2023 को प्रो. (डॉ.) सच्चिदानंद शुक्ला के पक्ष में जारी कुलपति नियुक्ति आदेश को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ताओं का मुख्य तर्क था कि नियुक्ति पाने वाले उम्मीदवार के पास यूजीसी रेगुलेशन, 2018 के रेगुलेशन 7.3 के तहत प्रोफेसर के रूप में 10 वर्ष का आवश्यक अनुभव नहीं था। सर्च कमेटी के गठन और उसकी सिफारिश को भी चुनौती दी गई थी। राज्य एवं अन्य प्रतिवादियों की ओर से याचिका की पोषणीयता पर प्रारंभिक आपत्ति उठाई गई। उनका कहना था कि याचिका में आम जनता को हुई किसी वास्तविक क्षति का उल्लेख नहीं है और मामला मूल रूप से एक व्यक्ति की नियुक्ति से जुड़ा है। इसलिए इसमें व्यापक सार्वजनिक हित का कोई प्रश्न नहीं बनता। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के गुरपाल सिंह बनाम पंजाब राज्य 2005 के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि सेवा मामलों में पीआईएल स्वीकार करने से पहले याचिकाकर्ता के क्रेडेंशियल, दी गई जानकारी की प्रथमदृष्टया सत्यता और उसकी गंभीरता की जांच जरूरी है। अदालत को यह भी सुनिश्चित करना होता है कि पीआईएल का इस्तेमाल किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा खराब करने या दुर्भावनापूर्ण तरीके से सरकारी कार्रवाई पर हमला करने के लिए न हो।

सबसे अमीर बिल्ली नाला कैट... 839 करोड़ की मालकिन

दुनिया में एक ऐसी बिल्ली है, जो 839 करोड़ मालकिन है। दुनिया की सबसे अमीर बिल्ली को सोशल मीडिया पर लाखों लोग फॉलो करते हैं। यह पढ़कर आपको यकीन नहीं हो रहा होगा, लेकिन यह पूरी तरह से सच है। इसका नाम नाला कैट है, जिसने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। सोशल मीडिया पर एक बड़ा नाम और ग्लोबल ब्रांड बन है। नाला की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसे इंस्टाग्राम पर 42 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।

एनिमल शेल्टर होम में रहती थी बिल्ली : नाला का शुरुआत जीवन बेहद सामान्य था और वह कैलिफोर्निया के एक एनिमल शेल्टर होम रहती थी। साल 2010 में नाला सिर्फ पांच महीने की थी, तो उसे वारिसिरी मेथाचिट्टीफन ने गोद लिया था। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि एक दिन नाला कैट दुनिया की सबसे अमील बिल्ली बन जाएगी और इतान मशहूर हो जाएगी। नाला को नया घर मिलने के बाद वो सोशल मीडिया पर स्टार बन गई।

BALCO Medical Centre — बालको मेडिकल सेंटर
मध्यभारत का अत्याधुनिक व विश्वसनीय कैंसर हॉस्पिटल
NABH व NABL से मान्यता प्राप्त
आयुष्मान भारत योजना से निःशुल्क ईलाज एवं सभी PSUs व बीमा कंपनियों से अनुबंधित
बीएमसी सिटी कैंसर डेकेयर - कलर्स मॉल के बाजू, धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.) 9201966330
मेन हॉस्पिटल: सेक्टर 36, नया रायपुर, (छ.ग.) 8282823333/4444

अब आयुष्मान योजना द्वारा
मित्तल हॉस्पिटल
त्वरित, सरल और कैशलेस सुविधा द्वारा
डायलिसिस सेवा उपलब्ध
Dr Abhishek Tiwari
DrNB (Nephrology)
पूर्णकालिक सेवा उपलब्ध
अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनें
अनुभवी नेफ्रोलॉजिस्ट द्वारा देखभाल
किडनी रोग विशेषज्ञ टीम
नियमित जांच और मॉनिटरिंग
24x7 आपातकालीन सुविधा
होली क्रास स्कूल के सामने, अवंति बाई चौक, पंडरी, रायपुर
फोन: 93430 79151, 9131399570

ओम हॉस्पिटल
डॉ. विजय अग्रवाल
एम.डी.एस. ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जन
मैक्सिलोफेशियल विभाग
चेहरे की चोट एवं टूटे हुए जबड़ों का ईलाज
चेहरे की जन्मजात विकृतियों का ईलाज
गुटखा खाने के कारण मुंह के कम खुलने का ईलाज
छोटे-बड़े एवं जबड़ों के टेढ़ेपन का ईलाज
मुंह एवं चेहरे के कैंसर का ईलाज
जलने के बाद पुनःनिर्माण सर्जरी (रिकंस्ट्रक्शन)
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
महादेवघाट रोड, रायपुर चौक, रायपुर (छ.ग.) 8370008551
खरोरा रोड़, तिल्दा (छ.ग.) 9302734809
सरायपाली (छ.ग.) 8370008558
जगदलपुर (छ.ग.) 8435908123

जटिल सर्जरी
जटिल बीमारी में अनुभव बहुत मायने रखता है।
24+ वर्षों का सर्जिकल अनुभव
डॉ. विवेक केशरवानी
लैप्रोस्कोपिक एवं गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी विशेषज्ञ
(NABH से मान्यता प्राप्त) सुयश हॉस्पिटल
24 Hours Helpline 9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड, रायपुर

दर्द अनेक, उपचार एक!
प्रदिक्षा आर्थो ऑयल
घुटने का दर्द, साइटिका, गठिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन, जकड़न, आमवात, संधिवात और मोच में भी लाभदायक
Custmer Care - 9112637000, 9823286830

MushroomAD
Mushroom Soup Powder
हेल्थी बॉडी, कॉन्फिडेंस रेडी
लाखो ग्राहकों का विश्वास
भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला मशरूम उत्पाद
मशरुम के प्राकृतिक गुणों से भरपूर
भूख व वजन बढ़ाने में सहायक
दुबलेपन को दुर करने में सहायक
प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक
गैस तथा एसिडीटी के लिए भी लाभदायक
उर्जावान बनाने व कॉन्फिडेंस बढ़ाने में सहायक
कमजोरी हटाने व नया खुन बनाने में सहायक
सभी मेडिकल्स में उपलब्ध. For More details Trade Enquiry 9373556677, 9823286830
SS - पंकज मेडीकोज, बिलासपुर -6261187686, नथानी एजेन्सी, रायपुर - 7746032260, राजनांदगांव - महेश एजन्सी-7000616262, ताराचंद चितलांगीया | कं. -8889669996

संजीवनी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल
फैटी लिवर • पीलिया • पाचन तंत्र
पेट से संबंधी रोगों के विशेषज्ञ
डॉ. आयुष सोमानी
MBBS, MD, DrNB
कंसल्टेंट गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, हेपेटो-लॉजिस्ट एवं थेराप्यूटिक एंडोस्कोपिस्ट
94034 75863
• एसिडिटी एवं जीईआरडी (GERD/एसिड रिफ्लक्स)
• गैस, पेट फूलना एवं अपच
• फैटी लिवर एवं शराब से संबंधित लिवर रोग
• पीलिया एवं अन्य लिवर संबंधी रोग
• पित्ताशय (गॉलब्लैडर) एवं अग्न्याशय (पैंक्रियास) से संबंधित रोग
• जीआई (पाचन तंत्र) कैंसर की स्क्रीनिंग, समय पर पहचान एवं रोकथाम
• एंडोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी, ईआरसीपी(ERCP) व ईयूएस (EUS)
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389905010, 04010

MYFAIR
रूप संवारे, त्वचा निखारे
Gentle Care | Natural Glow | Everyday Beauty
काले घेरे कम करने में सहायक
झुर्रियां कम करने में सहायक
छाइयां कम करने में सहायक
For Healthy & Beautiful Skin
Face Wash | Soap | Cream | Serum
Complete Cosmetic Range 9896134500
www.wellncare.com

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com